* ओड़िशा संस्करण

07 अगस्त, 2024
श्रावण, शुक्ल पक्ष, तृतीया
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 288

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

नीरज ओलिंपिक जेवलिन थ्रो के फाइनल में

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सिद्धकोफेड के निदेशक पर्षद की बैठक हुई

छूटे हुए किसानों को लैम्प्स-पैक्स से निबंधन करायें: हेमंत सोरेन

किसानों को वैकल्पिक कृषि और वन उपज के लिए प्रशिक्षण दें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड) के निदेशक पर्षद की तृतीय बैठक मंगलवार को हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। इसे बढ़ावा देने के लिए सिद्धकोफेड गठन हुआ है। इसका उद्देश्य विभिन्न वनोपज का उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण, अनुसंधान तथा विकास की विभिन्न गतिविधियों को सहकारी आधार पर संगठित करना है। ऐसे में इस सहकारी संघ की जानकारी किसानों तक पहुंचनी चाहिए, ताकि वे इससे जुड़ कर उत्पादों का लाभ ले सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैम्प्स और पैक्स से आज भी किसानों की एक बड़ी संख्या निबंधित नहीं है। ऐसे में छूटे हुए सभी किसानों को जोड़ने की पहल करें। लैम्प्स-पैक्स भवनों की मरम्मत के साथ उसके उचित रखरखाव और बेहतर प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था हो।

उत्पादों का वैल्यू एडिशन के साथ जियो टैगिंग हो: मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में लाह, इमली, कोदो, कुटकी, सरगुजा, चिरौंजी, आंवला, महुआ, करंज, रेशम और तसर जैसे कई वनोपज हैं, जिसकी उपयोगिता और बाजार में काफी ज्यादा मांग है। इसके उत्पादकों को इसका उचित फायदा नहीं मिल रहा है। झारखंड के इन विशेष उत्पादों का वैल्यू एडिशन के साथ जियो टैगिंग करने की दिशा में कदम उठायें, ताकि इन वनोपजों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ किसानों को पूरा फायदा मिल सके।

वैकल्पिक कृषि के लिए किसानों को प्रशिक्षित करें:

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस तरह मौसम में उतार चढ़ाव के कारण परंपरागत कृषि काफी प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसानों को वैकल्पिक कृषि के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि कृषक पाठशाला में किसानों को वैकल्पिक खेती का प्रशिक्षण दें।

मधु संग्राहकों को उचित प्रशिक्षण दिया जाये: बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया की मधु संग्राहकों को उचित प्रशिक्षण दिया जाये। उनका समूह बना कर सिद्धकोफेड से जोड़ा जाये। उनके मधु को वैश्विक बाजार उपलब्ध करने के लिए अमूल, सफोला, हिमालय जैसी बड़ी कंपनियों / संस्थाओं से टडव किया जाए। ताकि मधु संग्राहकों को उचित मूल्य मिल सके एवं लोगो को उच्च गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्यवर्धक मधु उपलब्ध हो सके। बैठक में कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार मौजूद थे।

उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठायें

हेमंत सोरेन ने कहा कि वनोपज एवं कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठाये जाने चाहिए। किसानों को जोड़ें और प्रशिक्षण दें। लाह तथा रेशम -तसर की खेती के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में पहल करें ।

केंदू पत्ता को भी संघ के दायरे में लाने की संभावनाएं तलाशें

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि केंदू पत्ता वनोपज को भी सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ के दायरे में लाने की संभावनाएं तलाशें। इससे केंदू पत्ता के उत्पादन से जुड़े श्रमिकों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि फुदी स्थित नवनिर्मित सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र को प्रोफेशनल तरीके से चलाया जाये। यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रीय सहकारी संघ अथवा राष्ट्रीय प्रशिक्षण सहकारी परिषद् से एमओयू कर वहां प्रोफेशनल और वोकेशनल कोर्सेज करवाया जाये। ताकि राज्य के नवयुवकों का स्किल डेलवपमेंट हो और रोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

हेमंत ने उपायुक्तों के साथ की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को मंईयां सम्मान योजना को लेकर जिला के अधिकारियों के साथ बैठक की। वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने योजना की स्थिति के बारे में जानकारी ली। इसमें आ रही तकनीकी समस्याओं से अवगत हुए। इस बारे में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। हेमंत ने अधिकारियों को तत्काल समस्या का निदान करने का आदेश दिया। बैठक में विभाग के वरीय अधिकारियों के अलावा जिला उपायुक्तों, सीएससी के वरीय पदाधिकी आदि मौजूद थे।

आजीवन सजा काट रहे 30 कैदियों को रिहा करने पर सहमति

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उन 67 कैदियों की रिहाई से संबंधित मामलों पर पुन: विचार किया गया, जिन्हें पिछली दो बैठकों में अस्वीकृत किया गया था। समीक्षा के क्रम में न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन पदाधिकारी के मंतव्य पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार विचार-विमर्श के उपरानं 30 कैदियों को रिहा किये जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति दी। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार के अलावा संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

विदेश मंत्री ने संसद में बांग्लादेश के हालात की दी जानकारी

हिंदुओं पर हो रहे हमले: जयशंकर

- सरकार ने सर्वदलीय बैठक भी की
- राष्ट्रपति ने बांग्लादेश में संसद भंग किया
- पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भी रिहा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बांग्लादेश में हिंसा के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने संसद को भंग कर दिया है। साथ ही देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया है। मंगलवार को बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने 3 बजे तक संसद भंग करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही अंतरिम सरकार के लिए नामों का प्रस्ताव देंगे। दूसरी तरफ, भारत सरकार ने मंगलवार सुबह 10 बजे सर्वदलीय बैठक की। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि शेख हसीना सदमे में हैं। सरकार बात करने से पहले उन्हें कुछ समय दे रही है। वह भविष्य को लेकर खुद फैसला लेंगी। उधर, विदेश मंत्री ने संसद के दोनो सदनों में बांग्लादेश के हालात के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वहां हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यह चिंता की बात है। हालात पर भारत की नजर है।

दरअसल, बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ दो महीने से जारी प्रदर्शन में सोमवार को जम कर हिंसा हुई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया। वह ढाका से अगरतला के रास्ते भारत पहुंची थीं। हिंडन एयरबेस पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने उनसे करीब एक घंटे बातचीत की। हसीना लंदन या फिनलैंड जा सकती हैं।

क्या बांग्लादेशी हिंसा में विदेशी हाथ है: राहुल

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। बांग्लादेश में हिंसा और राजनीतिक संकट के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को संसद भवन में सर्वदलीय बैठक की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सभी पार्टी के नेताओं को पड़ोसी देश में मौजूदा हालात की जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र से पूछा कि क्या बांग्लादेश हिंसा के पीछे विदेशी ताकतों, खासकर पाकिस्तान का हाथ हो सकता है? इस पर सरकार की तरफ से विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के एक डिप्लोमैट सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल फोटो में लगातार बांग्लादेश आंदोलन की तस्वीरें लगा रहे थे। इसलिए इस एंगल की जांच की जा रही है। राहुल ने यह भी पूछा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के असर से निपटने के लिए शॉर्ट टर्म और लांग टर्म के लिए भारत सरकार की क्या रणनीति है? इस पर जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश में तेजी से हालात बदल रहे हैं। अपने अगले कदम को दुरुस्त करने के लिए केंद्र इसका बारीकी से विश्लेषण कर रहा है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई दलों के नेता शामिल हुए।

बांग्लादेश के हालात पर भारत की नजर: जयशंकर

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच सरकार ने मंगलवार को संसद के दोनों सदनों को हालात के बारे में बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा और राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के मामले में स्थिति पर नजर रख रहा है। अपने राजनयिक मिशनों के जरिए हम वहां के भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। पड़ोसी देश में इस जटिल और अभी भी लगातार अस्थिर बने हुए हालात को देखते हुए सीमा सुरक्षा बलों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने को लेकर भी सरकार का रुख भी साफ किया। जयशंकर ने बताया कि अनुमान है कि पड़ोसी देश में 19,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से लगभग 9,000 छात्र हैं। हालांकि, ज्यादातर छात्र जुलाई के महीने में ही भारत लौट आये।

बरही में पवनपुत्रा स्टील प्लांट में ब्लास्ट, एक मौत

बरही (आजाद सिपाही)। बरही में रियाडा की जमीन में संचालित पवन पुत्रा नामक फैक्ट्री में अचानक ब्लास्ट होने से एक मजदूर की मौत हो गयी, जबकि करीब आधा दर्जन मजदूर घायल हो गये। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस कंपनी में एक शिफ्ट में 14 मजदूर काम करते थे। इस हादसे में सभी मजदूर फंस गये। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

हाइकोर्ट ने कहा: ऐसे सफेदपोश राष्ट्र के विकास में हैं बाधक

सुमित गुप्ता को नहीं मिली बेल

781 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने फर्जी फर्मों और चालान से जुड़े 781.39 करोड़ की जीएसटी धोखाधड़ी मामले में आरोपी सुमित गुप्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने उसकी जमानत अर्जी खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि देश का एक साधारण व्यक्ति भी राष्ट्र और राज्य के निर्माण और विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार को सीजीएसटी और एसजीएसटी का भुगतान कर रहा है। लेकिन आरोपी सुमित गुप्ता जैसे व्यक्ति जो सफेदपोश अपराधी हैं, वे फर्जी कागज और फर्म बना कर योजनाबद्ध तरीके से जालसाजी करके और व्यक्तिगत लाभ गिद्ध दृष्टि रख कर सार्वजनिक धन की हानि करके राष्ट्र और राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे राष्ट्र और राज्य के विकास में बाधा आ रही है। समाज के ऐसे सफेदपोश अपराधियों को आंख खोलने वाला संदेश भेजने के लिए अलग दृष्टिकोण से निपटा जाना चाहिए।

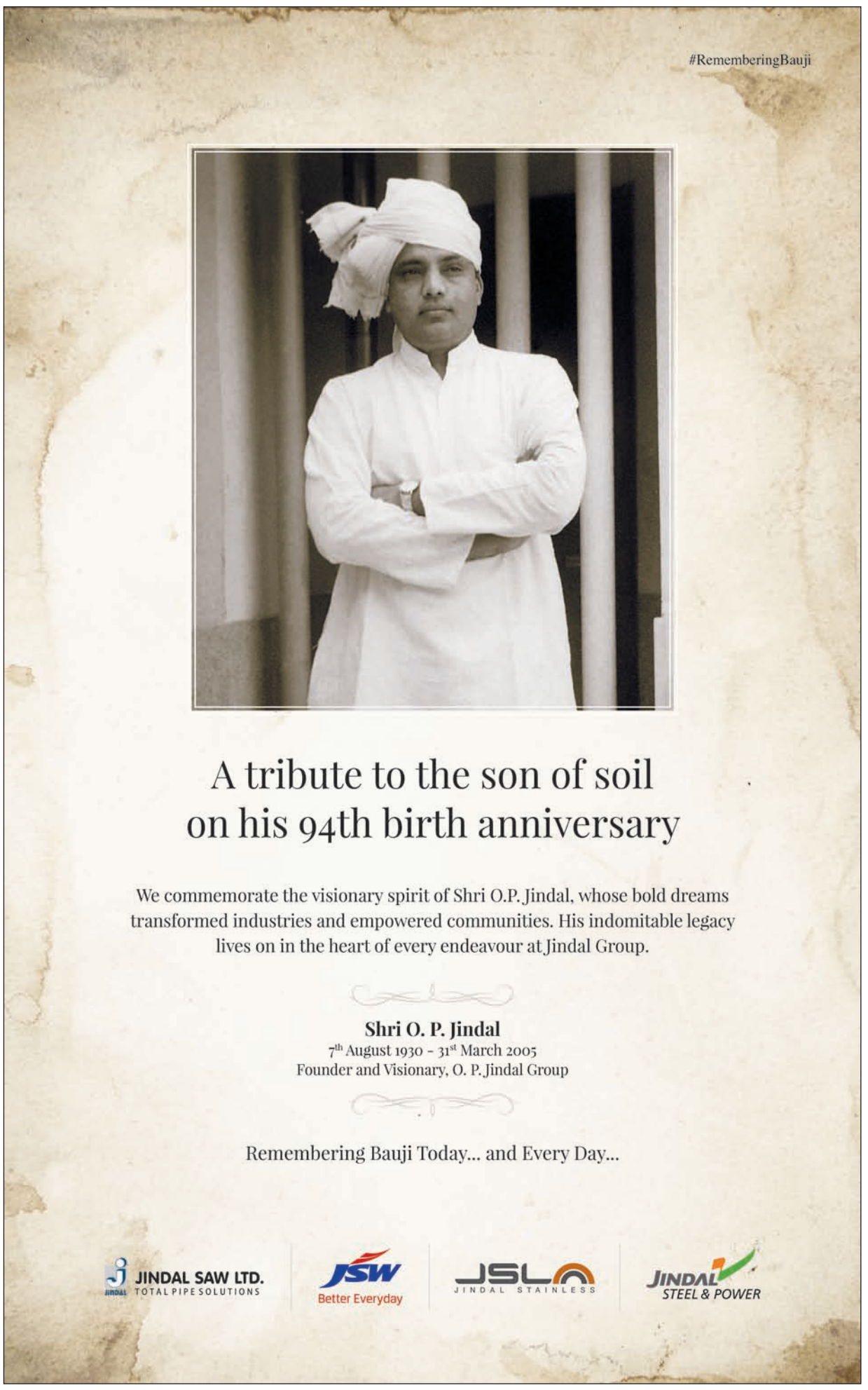

झारखंड आंदोलनकारियों के दिन बहुरेंगे

मुख्यमंत्री के निर्देश पर आंदोलनकारियों की सूची तैयार

दुमका में 79, रांची 304, जामताड़ा में 301 नये आंदोलनकारी

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड अलग राज्य के निर्माण के दौरान हुए आंदोलन में शामिल आंदोलनकारियों के दिन बहुरने वाले हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर आंदोलनकारियों को चिह्नित करने वाले आयोग ने इसकी सूची तैयार कर ली है। जल्द ही इस फाइल पर सीएम की सहमति हो जायेगी। आंदोलनकारियों के अधिकांश मामले राज्य सरकार पहले ही वापस ले चुकी है। कई के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिले, इसके लिए झामुमो के सुप्रीमो शिबू सोरेन की अगुवाई में भी करीब दो दशक तक आंदोलन किया गया। इस दौरान करीब 10 हजार लोग जेल गये थे। कई बहनों का भाई और कई महिलाओं का पति छिन गया था। वैसे परिवारों की सूची अलग से तैयार की जा रही है। आंदोलनकारियों को मिलनेवाले लाभ में मुख्य रूप से पेंशन है। अभी जो सूची तैयार की गयी है, उसमें राज्य भर के 2997 आंदोलनकारी चिह्नित किये गये हैं।

ऐसे तैयार की गयी है सूची : आंदोलनकारियों की सूची आंदोलन के दौरान दर्ज एफआइआर और जेल के रिकार्ड से तैयार की गयी है। इसके लिए आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग का गठन किया गया है।

कितनी मिलेगी पेंशन

छह माह से अधिक जेल में रहनेवाले आंदोलनकारियों को 7 हजार रुपये नगद प्रतिमाह। छह माह से कम और तीन माह से ज्यादा जेल में बंद आंदोलनकारियों या उनके परिजन को प्रतिमाह 5 हजार रुपये मिलेंगे। तीन माह से कम जेल में बंद रहनेवाले आंदोलकारियों या उनके परिजनों को तीन हजार पांच सौ रुपये प्रतिमाह दिये जायेंगे।

नये आंदोलनकारियों की संख्या

बोकारो 57, चतरा 89, देवघर 145, पश्चिम सिंहभूम 74, सरायकेला खरसावां 111, साहिबगंज 3, रांची 304, रामगढ़ 177, पलामू 47, लोहरदगा 65, लातेहार 5, खूंटी 18, जामताड़ा 301, हजारीबाग 256, गुमला 08, गोड्डा 277, गिरिडीह 431, गढ़वा 27, पूर्वी सिंहभूम 489, दुमका 79 और धनबाद मे 34 आंदोलनकारी नये चिह्नित किये गये हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सहमति मिलने के बाद पेंशन का लाभ मिलने लगेगा।

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,900 रु./10 ग्राम
चांदी	81,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 07 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

बांग्लादेश में हिंसा, बदलाव की मांग या साजिश!

■ चुन-चुन कर हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं कट्टरपंथी

■ भारत को अलर्ट रहने की जरूरत, घुसपैठिये एक्टिव

■ बांग्लादेशी सीमा पर हरकत, सीमावर्ती राज्यों को सतर्क रहने की जरूरत

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर हो रहे हिंसक आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने का सीधा असर भारत पर पड़ना तय है। सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा को लेकर जतायी जा रही है। इस हिंसा का कारण केवल बांग्लादेश सरकार की आरक्षण नीति ही नहीं है। इसके पीछे भारत विरोधी देशों का भी हाथ माना जा रहा है। कुछ का तो यहां तक दावा है कि बांग्लादेश की इस स्थिति के पीछे अमेरिका का हाथ है, वहीं कुछ आइएसआइ को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। कारण तो कई हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह माना जा रहा है कि अमेरिका इन इलाकों में अपना दखल मजबूत करना चाहता है। समझा जा सकता है कि इसके पीछे की मंशा क्या है। जो भी हो, भारत को अब सतर्क रहने की जरूरत है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से हाइ अलर्ट पर हैं। बांग्लादेश से सटी भारतीय सीमाओं पर पूरी सतर्कता से निगरानी की जा रही है। बीएसएफ ने अपनी निगरानी क्षेत्र वाली सीमाओं पर अलर्ट जारी किया है। किसी तरह की घुसपैठ न हो, इसके मद्देनजर सुरक्षा बल को पूरी तरह से नजर बनाये रखने को कहा गया है। सभी संवेदनशील एंट्री प्वाइंट को चिह्नित कर वहां खास चौकसी रखने का निर्देश दिया गया है। खुफिया जानकारी मिली है कि बांग्लादेश में जारी अशांति के दौरान कई प्रतिबंधित इस्लामी आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के सदस्य जेलों से भाग गये हैं। इनके भारत में प्रवेश करने की आशंका से एजेंसियां चौकन्ना हैं। ये आतंकी संगठन भारत-बांग्लादेश के बीच सीमावर्ती राज्यों में सक्रिय हैं। सूत्रों की मानें, तो 31 जुलाई को बांग्लादेश में भारत के राजदूत प्रणय वर्मा ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की थी। उस वक्त हसीना ने प्रणय को अपनी जान के खतरे के बारे में बताया। इस बातचीत में हसीना ने दावा किया था कि विरोधी ताकतें उन्हें मारने की प्लानिंग कर रही हैं। आंदोलनकारियों के जुलूस के पीएम हाउस की ओर निकलने के बाद शेख हसीना ने देश छोड़ दिया। वे सेना के हेलीकॉप्टर से भारत चली आयीं। आजादी के बाद बांग्लादेश सबसे बड़े संकट से जूझ रहा है। तख्तापलट के बाद कट्टरपंथियों के वर्चस्व से अस्थिर अराजक माहौल वहां के हिंदू समुदाय के लिए बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, मंदिर, गुरुद्वारे, महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। कट्टरपंथी लगातार इन्हें निशाना बना रहे हैं। हिंसा और आगजनी के बीच अब उपद्रवी चुन-चुन कर हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। घरों में आग लगायी जा रही है। दुकानों को लूटा जा रहा है। 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और दुकानों को निशाना बनाया गया है। लोगों का कहना है कि ऐसा कोई इलाका या जिला नहीं बचा है, जहां सांप्रदायिक हमले न हुए हों। कैसे बांग्लादेश हमारे देश के लिए खतरा बना हुआ है, कैसे वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं का अस्तित्व खतरे में है और कैसे अब बांग्लादेशी घुसपैठिये एक्टिव हो सकते हैं, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

आरक्षण की आड़ में राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय साजिश

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर हो रहे हिंसक आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने का सीधा असर भारत पर पड़ना तय माना जा रहा है। भारत की कई व्यापारिक परियोजनाएं बांग्लादेश के साथ क्रियान्वयन के स्तर पर हैं। अब इसका सीधा असर देश की कई कंपनियों पर भी पड़ेगा। उपद्रव के बाद वहां से पलायन होता है, तो इसका सीधा दबाव भारत पर पड़ना तय है। पड़ोसी देश में अस्थिरता और अराजकता का असर भारत की सुरक्षा पर भी पड़ेगा। जानकारों की मानें, तो इस पूरे घटनाक्रम के पीछे बांग्लादेश सरकार की आरक्षण नीति है, लेकिन इसके पीछे राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय साजिशों से भी इंकार नहीं किया जा सकता। आरक्षण के जिन्न से निपटने में शेख हसीना सरकार फेल हो गयी। बांग्लादेश के आजाद होने के बाद वहां की सरकार ने स्वाधीनता सेनानियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया। इसके बाद उनकी संतानों और अब चौथी पीढ़ी को आरक्षण दिया जा रहा है। इसका विरोध वहां के लोग ही कर रहे हैं। हाइकोर्ट के फैसले के बाद शेख हसीना ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक सभी को इंतजार करने को कहा, लेकिन इससे पहले ही कट्टरपंथियों ने उपद्रव शुरू कर दिया। जानकारों की मानें, तो बांग्लादेश की सेना भी इस आंदोलन को हवा दे रही है। सेना ने ही तख्ता पलट कराया है और अब वही शासन की बागडोर संभालने को तैयार है। सेना के प्रमुख शेख हसीना के रिश्तेदार ही हैं। एशियाई देशों में देखा गया है कि सैन्य शक्तियों ने लोकतांत्रिक सरकारों का तख्ता पलट करने में अहम भूमिका निभायी है। भारत इसका अपवाद है, क्योंकि भारत में सैन्य शक्तियों का प्रमुख भी राष्ट्रपति को बनाया गया है। बांग्लादेश के मौजूदा अराजक माहौल की वजह से बड़ी तादाद में शरणार्थियों के भारत आने का खतरा बढ़ रहा है। भारत सरकार को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। राज्य सरकारों की मदद से शुरुआती स्तर पर ही समस्या को नियंत्रित करना होगा, जिससे बांग्लादेशी शरणार्थी भारत की आबादी के लिए खतरा न बनें। भारत के आसपास के देशों में सत्ता का संघर्ष कई सालों से निरंतर चल रहा है। पूरब-पश्चिम और दक्षिण तीनों ही दिशा में अस्थिरता बढ़ रही है। इससे हिंद महासागर में चीन के दखल की आशंका भी बढ़ रही है। इस अस्थिरता के लिए चीन की साम्राज्यवादी सोच को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। भारत सरकार के लिए जरूरी है कि बांग्लादेश में जिसके भी हाथ में सत्ता की बागडोर आये, उसके साथ समन्वयवादी तरीका अपना कर अपनी सीमाओं को सुरक्षित करे।

घुसपैठिये एक्टिव

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से हाइ अलर्ट पर हैं। बांग्लादेश से सटी भारतीय सीमाओं पर पूरी सतर्कता से निगरानी की जा रही है। बीएसएफ ने अपनह निगरानी क्षेत्र वाली सीमाओं पर अलर्ट जारी किया है। किसी तरह की घुसपैठ न हो, इसके मद्देनजर सुरक्षा बलों को पूरी तरह से नजर बनाये रखने को कहा गया है। बीएसएफ ने 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर एहतियात बरतने के निर्देश दिये हैं। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और उनके साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा की समीक्षा करने के लिए पश्चिम बंगाल पहुंचे और आला अधिकारियों के साथ बैठक के बाद आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये। डीजी ने उत्तर 24 परगना जिले की सीमा का दौरा भी किया। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले से लगती भारत-बांग्लादेश सीमा पर अमुदिया सीमा चौकी के पास 10-15 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने भारत में घुसने की कोशिश की थी। ऐसे सभी संवेदनशील एंट्री प्वाइंट को चिह्नित कर वहां खास चौकसी बरतने को कहा गया है। बांग्लादेश की तरफ से नदिया जिले के मलुआपाड़ा, हलदरपाड़ा, बानपुर और मैटियारी में घुसपैठ की कोशिश की आशंका को देखते हुए खास निगरानी की जा रही है। मुर्शिदाबाद जिले के चरमराशी और मालदा जिले में सासनी सीमा चौकी के इलाके भी संवेदनशील बताये जा रहे हैं। बीएसएफ ने बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश के साथ भी संपर्क कायम किया है।

आतंकियों से खतरा

खुफिया जानकारी मिली है कि बांग्लादेश में जारी अशांति के दौरान कई प्रतिबंधित इस्लामी आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के सदस्य जेलों से भाग गये हैं। इनके भारत में प्रवेश करने की आशंका से एजेंसियां चौकन्ना हैं। ये आतंकी संगठन भारत बांग्लादेश के बीच सीमावर्ती राज्यों में सक्रिय हैं। कई मौकों पर भारत में सुरक्षा एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल और असम से इन संगठनों के सदस्यों को गिरफ्तार किया है। संदेह है कि मौजूदा उथल-पुथल का फायदा उठा कर इन आतंकवादी संगठनों के सदस्य भारत में घुसपैठ कर सकते हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसमें असम में 262, त्रिपुरा में 856, मिजोरम में 318, मेघालय में 443 और पश्चिम बंगाल में 2,217 किलोमीटर की सीमा शामिल है। इन सभी स्थानों पर राज्य सरकारों को भी अलर्ट भेजा गया है।

आंदोलन के नाम पर हिंदुओं को बनाया जा रहा निशाना

बांग्लादेश में हालात इतने बदतर हो गये हैं कि हिंदुओं के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। भीड़ ने यहां के कम से कम 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर हमला किया और उनके कीमती सामान भी लूट लिये। महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार किया जा रहा है। मंदिरों को भी तोड़ा और जलाया जा रहा है। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि हाटीबंधा उपजिला के पुरबो सरदुबी गांव में रात के वक्त 12 हिंदू घरों को जला दिया गया। वहीं, सदर उपजिला में कई हिंदू घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गयी।

हिंदुओं का अस्तित्व खतरे में

आजादी के बाद बांग्लादेश सबसे बड़े संकट से जूझ रहा है। तख्तापलट के बाद कट्टरपंथियों के वर्चस्व से अस्थिर अराजक माहौल वहां के हिंदू समुदाय के लिए बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश में निहित संपत्ति अधिनियम (जिसे पहले पाकिस्तानी शासन के दौरान शत्रु संपत्ति अधिनियम के रूप में जाना जाता था) के कारण 1965 और 2006 के बीच हिंदुओं की करीब 26 लाख एकड़ भूमि का अधिग्रहण हुआ था। इससे 12 लाख हिंदू परिवार प्रभावित हुए। बांग्लादेश के प्रमुख मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 2016 में जनवरी और जून के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बना कर की गयी हिंसा में 66 घर जला दिये गये थे, 24 लोग घायल हो गये और कम से कम 49 मंदिरों को नष्ट कर दिया गया था। हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी आंदोलन 1980 से 1990 के बीच और अधिक बढ़ा। 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा ध्वंस के बाद चटगांव और ढाका में कई हिंदू मंदिरों में आग लगा दी गयी थी। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान हिंदुओं को विशेष रूप से निशाना बनाया गया, क्योंकि कई पाकिस्तानी उन्हें अलगाव के लिए दोषी मानते थे। इससे हिंदू आबादी बुरी तरह प्रभावित हुई। 1951 की आधिकारिक जनगणना के अनुसार बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) की कुल आबादी में हिंदू 22 प्रतिशत थे। यह संख्या 1991 तक घट कर 15 प्रतिशत रह गयी। 2011 की जनगणना में यह संख्या केवल 8.5 प्रतिशत रह गयी। 2022 में यह आठ प्रतिशत से भी कम हो गयी है। वहीं मुसलमानों की आबादी 1951 में 76 प्रतिशत से 2022 में 91 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार 1964 और 2013 के बीच 1.1 करोड़ से अधिक हिंदू धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश से भाग गये। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश में हर साल 2.3 लाख हिंदू देश छोड़ कर चले जाते हैं। 2011 की जनगणना से पता चला कि 2000 से 2010 के बीच देश की आबादी से दस लाख हिंदू गायब हो गये।

कैसे हसीना आयी भारत

31 जुलाई को बांग्लादेश में भारत के राजदूत प्रणय वर्मा ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की थी। सूत्रों के मुताबिक, उस वक्त हसीना ने प्रणय वर्मा को अपनी जान के खतरे से अवगत कराया था। इस बातचीत में हसीना ने दावा किया कि विरोधी ताकतें कैसे पीएम हाउस पर हमला कर उन्हें मारने की प्लानिंग कर रही हैं। इसके बाद प्रणय वर्मा ने यह जानकारी नयी दिल्ली के साथ साझा की। बांग्लादेश में हुई इस उठापठक से पहले ही तीन दिनों की सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दी गयी। सेना को स्थिति संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गयी। आर्मी चीफ वकार-उज-जमान हाल ही में नियुक्त किये गये हैं। वह बांग्लादेश में प्रधानमंत्री के रिश्तेदार न होते, तो इस तरह के पद पर नहीं बैठ सकते थे। हसीना सरकार के सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा आर्मी चीफ के नयी दिल्ली से भी अच्छे संबंध हैं। सूत्रों के मुताबिक, हसीना ने भारत सरकार से मदद की अपील की थी, लेकिन सरकार इस मामले में सीधे दखल देकर किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहती थी। इसलिए विदेश मंत्रालय ने उन्हें भारत आने की सलाह दी। आंदोलनकारियों के जुलूस के पीएम हाउस की ओर निकलने के बाद शेख हसीना ने देश छोड़ दिया। वह सेना के हेलीकॉप्टर से भारत चली आयीं। शेख हसीना ने ढाका छोड़ने के बाद सीधे भारत की तरफ उड़ान भरी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तरप्रदेश में गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर एनएसए अजीत डोभाल और शेख हसीना के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। साथ में भारतीय वायुसेना के वेस्टर्न एयर कमांड के एयर मार्शल पीएम सिन्हा भी मौजूद रहे। शेख हसीना को एयरबेस के सेफ हाउस में रखा गया है। उनकी सिक्योरिटी में वायुसेना के गरुड़ कमांडो तैनात हैं। देश छोड़ने से पहले शेख हसीना राष्ट्र के नाम संबोधन देना चाहती थीं, लेकिन हालात बिगड़ने की आशंका के चलते सेना ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। हालांकि प्रधानमंत्री के देश छोड़ने के बाद ही आर्मी चीफ ने देश को संबोधित किया। तब तक ढाका की सड़कों पर लोग उतर आये थे। लंबे समय से सत्ता में रहने वाली अवामी लीग जनवरी में लगभग एकतरफा लड़ाई जीत कर फिर से सत्ता में आयी। आठ महीने पूरे होने से पहले ही लगभग पूरा देश इसके खिलाफ हो गया। जिस बंगबंधु की बेटी को बांग्लादेश में विकास का प्रतीक माना जाता था, वो सभी की आंखों में खटकने लगी। शेख हसीना के बेटे और पूर्व आधिकारिक सलाहकार सजीब वाजेद जॉय ने कहा है कि वे अब राजनीति में वापसी नहीं करेंगी। उन्होंने अपने परिवार की अपील पर अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ा है। जॉय ने कहा कि उनकी मां इस बात से निराश हैं कि उनकी कड़ी मेहनत और बांग्लादेश को बदलने के बाद भी एक बड़ा धड़ा उनके खिलाफ उठ खड़ा हुआ। कहा जा रहा है कि शेख हसीना के देश छोड़ कर भाग जाने से जनता का गुस्सा कम होगा। इस मूवमेंट को भले ही विद्यार्थियों का आंदोलन कहा जा रहा है, लेकिन इसके बैकग्राउंड में बांग्लादेश की राजनीतिक स्थितियां हैं। बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और विपक्षी दल इस आंदोलन को हवा दे रहे हैं, ऐसे में जब तक अंतरिम सरकार नहीं बनती और आरक्षण के मामले में कोई फैसला नहीं लिया जाता, तब तक बांग्लादेश में सड़कों पर आंदोलन कर रहे लोग घर नहीं जानेवाले हैं।

15 वर्ष से ऊपर के कॉमर्शियल वाहनों को नहीं दें परमिट : आयुक्त

बॉक्साइट खनन एवं परिवहन को लेकर बैठक

शुद्ध वातावरण और पॉल्यूशन फ्री सिटी के लिए करे कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रमंडलीय आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रांची के कार्यालय कक्ष में आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में बॉक्साइट खनन एवं परिवहन से संबंधित बैठक आयोजित हुई।

बैठक में आरटीए सचिव संजीव कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, लोहरदगा संजय कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, गुमला राकेश कुमार गोप, जिला खनन पदाधिकारी, लोहरदगा राजा राम प्रसाद, जिला खनन पदाधिकारी, गुमला बिभूति कुमार, आयुक्त कार्यालय के तनवीर अहमद एवं हिंडाल्को प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में लोहरदगा एवं गुमला जिले में संचालित बॉक्साइट खदान की संख्या, बॉक्साइड खनन संचालित करने वाले कम्पनी का नाम, कंपनी / व्यक्ति को खनन का लाईसेंस प्राप्त एवं बॉक्साइट खनन हेतु प्रयोग होने वाले वाहनों की संख्या पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।

बैठक में आयुक्त ने कहा कि बॉक्साइट से सरकार को राजस्व की प्राप्ति होती है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाये। बॉक्साइट हेतु प्रयोग करने वाले वाहनों के सभी कागजात अद्यतन हो। उन्होंने कहा कि प्रदूषण रोकथाम के लिए कंपनियों आवश्यक कार्य करें।

समय-समय पर संबंधित अधिकारी निरीक्षण कर रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि अबतक कितने वाहनों पर परिवहन विभाग एवं खनन विभाग द्वारा कार्रवाई की गयी है।

इसकी सूची देने का निर्देश दिया। वाहनों में एयर पॉल्यूशन डिवाइस को लगाया जाये। 15 वर्ष से ऊपर के वाहनों को परमिट नहीं दिया जाये। उन्होंने कहा कि माइनिंग होने के उपरांत आवश्यक कार्रवाई करते हुए जमीन भू-स्वामी को वापस किया जाये ताकि जगह का उपयोग करते हुए खेती संबंधित कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि शुद्ध वातावरण और पॉल्यूशन फ्री सिटी के लिए आवश्यक कार्य करें, जिससे प्रदूषण पर नियत्रंण पाया जा सके।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.8 °C	23.2 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.28 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.21 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 07 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से बढ़ गयी है बीजेपी की बौखलाहट : सुप्रियो

लोकप्रिय-जनप्रिय योजनाओं के बारे में भ्रम फैला रहे हैं बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेएमएम प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का स्वागत राज्यभर की महिलाओं ने उत्साह के साथ किया है। कहा, राज्य सरकार ने जिस तत्परता के साथ इस योजना को शुरू किया है, उसकी सराहना होनी चाहिए। ये योजना राज्य सरकार की उपलब्धियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। पार्टी ने सोचा भी नहीं था कि इस योजना का स्वागत लोग इस तरह, इतनी ऊर्जा के साथ करेंगे। सुप्रियो ने कहा कि योजना के शुरुआती चरण में एक साथ कई विंडो खुल जाने के कारण सर्वर कुछ धीमा पड़ गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तुरंत इसे संज्ञान में लिया और तकनीकी खामियों को दूर किया गया। जेएमएम नेता ने कहा, मैं मुख्यमंत्री को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने इस योजना की तारीख जो कि 10 अगस्त तक थी, इसे बढ़ा कर 15 अगस्त तक कर दिया है, ताकि अधिक से अधिक परिवारों तक योजना का लाभ पहुंच सके। सुप्रियो ने कहा कि सरकार की इस लोकप्रिय

योजना से बीजेपी पूरी तरह से बौखला गयी है। किसी भी योजना को लेकर गलतफहमी और भ्रम की स्थिति पैदा करना बीजेपी की पुरानी योजना रही है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर भी ये लोग कई स्थानों पर अनर्गल बातें फैला रहे हैं। सुप्रियो ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा कि इस योजना से लोग कमाई कर रहे हैं। मरांडी ने यहां तक कहा कि इस योजना के सहारे राज्य सरकार भी कमाई करने जा रही है। सुप्रिया भट्टाचार्य ने कहा कि यह बौखलाहट का ही द्योतक है। उन्होंने कहा, इस योजना से राज्य की लगभग 50 लाख महिलाओं को हर साल 12000 रुपये सरकार देने जा रही है। कहा चूंकि सरकार अपने खाते से ये रुपये दे रही है, इसलिए इसमें सरकार की राशि खर्च होनी है। लेकिन बीजेपी के अंदर बौखलाहट इतनी बढ़ गयी है कि वो इस सच्चाई को भी समझने के लिए भी तैयार नहीं है।

सुप्रियो ने आगे कहा कि बीजेपी ने पहले डेमोग्राफी को मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन उनके झूठ के पिटारे की सच्चाई जल्दी ही जनता के सामने आ गयी। कहा कि इन लोगों ने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे को छोड़ कर मजहबी उन्माद को अपना मुद्दा बनाने की कोशिश की। कहा कि जिस गेंद से वो खेल रहे थे, वो गेंद ही अब हवा में गायब हो चुकी है। कहा कि ऐसे माहौल में बीजेपी के पास मुद्दा नहीं होने से वो पूरी तरह से बौखलाहट में है। कहा कि उन्होंने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का भी विरोध किया था, जिससे लाखों महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्तर पर संबल मिला। रसोइया बहनों और आंगनबाड़ी बहनों को नियुक्तियां दी गयीं। राज्य में इसी तरह लाखों नियुक्तयां दी गयीं। ये सब बीजेपी को नहीं भा रहा है। ये सरकार महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण पर पूरी तरह से केंद्रित है। जनता इस बात की गवाह है। मंगलवार को सुप्रियो भट्टाचार्य पत्रकारों से बात कर रहे थे।

राज्य सरकार का राजकीय एंथम

जीना है तो डर के जियो, जीवन में एक पल भी हंसना ना : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार के लिए राजकीय एंथम लिखा है। उन्होंने ट्वीट कर एंथम में लिखा है कि जीना है तो डर के जियो, जीवन में एक पल भी हंसना ना। कहा है कि प्रदेश में आये दिन हो रही चोरी से एक बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि चोरों को संरक्षण देनेवाली हेमंत सरकार ने झारखंड में चोरी को राजकीय व्यवसाय मान लिया है, तभी तो चोरी और चोरों पर कार्यवाही करने के बजाव उनको प्रोत्साहित किया जा रहा है।

चोरों का आतंक अंधेरे की गहराई से अधिक भयावह

झारखंड में चोरों का आतंक अंधेरे की गहराई से अधिक भयावह हो चुका है। अब झारखंड का हाल ऐसा हो गया है कि लोगों को अंधेरों से ज्यादा, चोरों से डर लगने लगा है। अंधेरे की शिकायत तो फिर भी सूरज से की जा सकती है, लेकिन चोरी की शिकायत किससे की जाये! शासन- प्रशासन तो चोरों को तथा उनकी चोरी को बचाने में लगा हुआ है।

तन, मन, भवन सब डोल रहा है

दूसरे ट्वीट में बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि झारखंड में जैसे मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों का मन डोलता रहता है, ठीक वैसे ही सरकारी भवनों की नींव भी डोल रही है। कब, कैसे, किसके ऊपर ये गिर जायें, ज्योतिषी भी नहीं बता सकते हैं। ये हेमंत सरकार का लूटखंड है। यहां सिर्फ बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य नहीं है, बल्कि बिल्डिंगों में घुसते समय, अपना कार्य करते समय हेलमेट की आवश्यकता और बढ़ जाती है, क्योंकि न जाने कब कौन सी छत टूट कर आपके जीवन पर विराम लगा दे। कहीं छत से कंक्रीट और प्लास्टर टूट कर गिर रहा है, तो कहीं पिलर का कोई हिस्सा, तो कहीं पूरा का पूरा भवन गिरने की तैयारी कर चुका है। यहां सुरक्षा अपने और अपने सिर की सिर्फ हेलमेट के हाथों है, सरकार का सुरक्षा से कोई वास्ता नहीं है। हेमंत सरकार से जनता का विश्वास तो पहले ही टूट कर, गिर कर बिखर चुका है, अब भवनों और नींवों का विश्वास भी टूट कर गिरता दिखाई पड़ रहा है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिस्थितियों में काफी बदलाव होगा,लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक क्षेत्र में कार्य विस्तार होगा।

वृष नवीन योजना बनेगी,आमदनी में वृद्धि,धर्म-कर्म में रूचि,मान-सम्मान-यश में वृद्धि होगी।

मिथुन उत्साह उमंग भरा होगा,पदोन्नति तथा व्यवसाय में लाभ के अवसर बढ़ेगी, पारिवारिक सुख।

कर्क अनावश्यक खर्चों में कमी आयेगी। आर्थिक एवं व्यावसायिक मामलों के लिए समय अच्छा है।

सिंह मकान, वाहन, भौतिक सुखों की प्राप्ति, विरोधियों पर विजय, स्वजन-मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या नये प्रॉपर्टी खरीदने का संयोग बनेगा, रुका हुआ काम पूरा होगा, संतान सुख, महत्वकांक्षा पूरी होगी।

तुला नवीन योजनाओं को पूरा करने में कठिनाईयों का सामना हो सकता है, बुद्धि-चतुरता से आर्थिक परेशानी दूर होगी।

वृश्चिक संतानों की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा, आत्मविश्वास में वृद्धि, पुरानी परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

धनु चिर संचित अभिलाषा पूरी होगी, कर्मक्षेत्र में अनुकूल वातावरण, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर आमदनी के साधनों में सुधार होगा, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण। शुभ समाचार की प्राप्ति।

कुंभ कुछ नये सम्बन्ध बनेंगे, पारिवारिक परेशानी से छुटकारा, अभी नौकरी में बदलाव न करें।

मीन वाणी पर नियंत्रण रखें, सरकारी नौकरी करनेवालों के नवीन पद और अधिकार मिलने की संभावना।

मंईयां योजना आवेदन में हो रही परेशानी शीघ्र दूर होगीः कल्पना

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड की महिलाओं के आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हेमंत सोरेन सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का 21 से 50 उम्र तक की सभी वर्गो की महिलाओं-बहनों को लाभ दिलाने के लिए प्रखंडों की पंचायतों और गांवों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों के सभी वार्डों में शिविर लगाये जा रहे हैं। योजना को लेकर जिलेभर की महिलाएं-बहनें शिविर में बढ़-चढ़ कर भाग ले रही हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। वे स्वयं भी आवेदन कर रही हैं और अन्य को आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। शनिवार से ही शहरी क्षेत्र सहित पूरे जिले भर में लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने को लेकर कैंप लगाये गये थे, लेकिन कुछ कैंपों में अव्यवस्था के बीच कैंप में आवेदन जमा करने आयी महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच मंगलवार को

सतारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन मुर्मू गिरिडीह के सदर प्रखंड के तेलोडीह पंचायत भवन कैंप पहुंची। पंचायत भवन में मौजूद महिलाओं से सीएम मंईयां सम्मान योजना का फार्म भरने में आनेवाली परेशानियों से अवगत हुईं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि फार्म भरने में आ रही तककीकी परेशानियों से सीएम अवगत हैं। जल्दी आप सभी के फार्म वगैर परेशानी के जमा होंगे। साथ ही कहा कि उनकी परेशानियों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी बहनों के वास्ते इस योजना की शुरुआत की है। कल्पना सोरेन ने कहा कि फार्म भरने में हो रही परेशानी को लेकर सीएम हेमंत सोरेन चिंतित हैं और विभागीय स्तर पर लगातार बैठकें कर तकनीकी अड़चनों को दूर करने की दिशा में काम कर रहे हैं। शिविर की समय सीमा 10 अगस्त से बढ़ा कर 15 अगस्त तक कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि योजना में बिचौलियों से दूर रखने के वास्ते ही फार्म निःशुल्क मुहैया कराये जा रहे हैं। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक सुदिव्य कुमार सोनू समेत स्थानीय प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

विपक्ष के नेता अमर बाउरी को हाइकोर्ट ने किया नोटिस

रांची (आजाद सिपाही)। दलबदल मामले में जयप्रकाश भाई पटेल की विधानसभा सदस्यता खत्म करने के झारखंड विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देनेवाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए जयप्रकाश भाई पटेल की सदस्यता रद्द करने संबंधी फाइल एवं प्रोसीडिंग्स का दस्तावेज मांगा है। इससे पहले प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उन्हें बिना सुने हुए और बिना अवसर प्रदान किये हुए झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी है। जबकि विधानसभा अध्यक्ष के पास अन्य सदस्यों की विधानसभा सदस्यता रद्द करने संबंधी कई मामले अभी लंबित हैं। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 28 अगस्त निर्धारित की है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

पारा शिक्षकों के साथ मीटिंग-मीटिंग खेल रही झारखंड सरकारः अमर बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने राज्य की हेमंत सरकार पर तंज कसा है। श्री बारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि राज्य सरकार पारा शिक्षकों के साथ केवल मीटिंग-मीटिंग खेल रही है। वहीं, दूसरी

ओर नीयत और नीति का फर्क देखिए। असम की हिमंता सरकार ने बीते पांच वर्षों से सेवा दे रहे अनुबंधित समग्र शिक्षा असम के पारा शिक्षकों को बिना परीक्षा की औपचारिकता के नियोजित करने का फैसला लिया है। इसके लिए कुल 35,153 पदों का सृजन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर झारखंड सरकार अपने वायदे के विपरीत पारा शिक्षकों के साथ सिर्फ मीटिंग-मीटिंग खेलने का काम कर रही है। झारखंड में पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापक) के प्रति राज्य की सरकार संवेदनहीन है। सरकार का मकसद इन्हें ठग कर फिर से इनका वोट लेना है।

गडकरी करेंगे झारखंड सहित चार राज्यों की 100 करोड़ से अधिक की हाइवे प्रोजेक्ट की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सड़क-परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी झारखंड सहित चार राज्यों के हाइवे प्रोजेक्ट की समीक्षा करेंगे। 12 और 13 अगस्त को इस संबंध में केंद्रीय सड़क-परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बैठक नयी दिल्ली में आहुत की है, जिसमें इन राज्यों के एनएचएआइ के अधिकारी और चीफ इंजीनियर शामिल होंगे। 100 करोड़ लागत से अधिक की हाइवे परियोजनाओं की समीक्षा की जायेगी। झारखंड, ओड़िशा, कर्नाटक और उत्तरप्रदेश की चालू योजनाओं सहित लंबित योजनाओं का केंद्रीय मंत्री हाल लेंगे।

सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याओं का भी निदान कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया जायेगा। केंद्र में रिव्यू को देखते हुए झारखंड से भी तैयारी चल रही है।

कोलकोता-रांची-वाराणसी कॉरिडोर निर्माण में आ रही जमीन संबंधी बाधाओं पर भी चर्चा की जायेगी। इसके अलावा रांची-कुडू-वाराणसी फोरलेन रोड, रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर, एनएच 33 के बैलेंस वर्क सहित अन्य बड़ी सड़क परियोजनाओं पर चर्चा की जायेगी।

दिव्यांगों के समावेशी विकास पर फोकस कर रही सरकारः चंपाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि दिव्यांगजनों की सामान्य जीवन में समावेशी भागीदारी के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिव्यांगजनों के लिए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की परिकल्पना की गयी है। वे मंगलवार को होटल बीएनआर चाणक्या में आयोजित स्टेट लेवल कंसल्टेटिव वर्कशॉप में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

कुछ ऐसा करें, जो मिसाल बन सके : उन्होंने कहा कि हमारी यह सोच है कि मनुष्य जीवन के लिए कुछ ऐसा करे, जो मिसाल बन सके। दिव्यांगजनों के लिए समावेशी विश्वविद्यालय एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में सबके पास सब कुछ नहीं है। हमारे दिव्यांगजन भी उनमें शामिल हैं। उनके समावेशी विकास पर फोकस किये बिना संपूर्ण विकास की बात बेमानी होगी। सामान्य मानव जीवन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके, इसके लिए प्रयास जारी है। उन्होंने

सरायकेला खारसावां के राजनगर प्रखंड में ओड़िशा की सीमा पर स्थित एक गांव का जिक्र करते हुए बताया कि वहां के स्कूल के नेत्रहीन हेडमास्टर कैसे शिक्षा देते थे। उनके ही कार्यों से प्रेरणा लेकर दिव्यांग विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल की जा रही है।

कार्यशाला में निदेशक उच्चतर शिक्षा रामनिवास यादव, असिस्टेंट रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सर्विस विवेक सिंह, मनोविकास संस्था दिल्ली के मैनेजिंग सेक्रेटरी डॉ अलोक भुवन तथा निदेशक तकनीकी शिक्षा सुनील कुमार और अन्य ने भी अपने विचार रखे।

झारखंड मूल रूप से धनी प्रदेश

उन्होंने कहा कि झारखंड मूल रूप से धनी प्रदेश है। जंगल-झाड़ से सुसज्जित है, लेकिन पिछड़ा भी है। पिछड़ेपन के लिए वह किसी की आलोचना नहीं कर रहे हैं, लेकिन आगे इसे कैसे विकसित बनायें, इस पर सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इच्छाशक्ति हो, तो हर समस्या का समाधान संभव है। सरकार उच्चतर शिक्षा के लिए लगातार सुविधाएं विकसित कर रही है। छात्रों को हर सुविधा दी जा रही है। अनाथ बच्चों की शिक्षा-दीक्षा पर भी सरकार का फोकस है। उन्होंने कार्यशाला में आये प्रबुद्धजनों से कहा कि उनके सुझाव लेकर वह समावेशी दिव्यांग विश्वविद्यालय की परिकल्पना को साकार करेंगे।

समावेशी वातावरण बनाना होगा

कार्यशाला में उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा कि समाज के विशेष वर्ग दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण बनाना होगा। यह सिर्फ विभाग ही नहीं, हम सभी का दायित्व है। समावेशी दिव्यांग विश्वविद्यालय की परिकल्पना में भी यही तथ्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की क्षमता पहचान कर उनके विकास पर फोकस करना हमारा लक्ष्य है। दिव्यांगजनों की कुल 21 कैटेगरी है। उनकी कैटेगरी के अनुसार उनकी आवश्यकता को ध्यान में रख उनके लिए कोर्सेज और क्लास डिजाइन करना होगा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लातेहार जिले में बतौर उपायुक्त अपनी पदस्थापना के दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए एक नयी सुबह नामक कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उसी तरह देवघर में उड़ान और गुरुकुल कार्यक्रम के माध्यम से 40 हजारों दिव्यांगों को लाभ पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के अलावा सामान्य छात्रों के लिए भी विभिन्न योजनाएं लेकर आयेंगे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रेस वार्ता पर भाजपा का पलटवार

असफल सरकार की असफल योजनाओं की है एक लंबी दास्तां : प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

- महिला सम्मान योजना के जरिए सरकार अपने लूट, खसोट और असफलताओं से ध्यान हटाने की असफल कोशिश कर रही
- वादा था महिलाओं को चूल्हा खर्चे में 2000 प्रतिमाह और गरीब परिवारों को 6000 प्रतिमाह देने का और मात्र 1000 रुपये प्रति माह देने का फॉर्म भराया जा रहा
- महिला उत्पीड़न की घटनाओं की संख्या चरम पर, सरकार इस मुद्दे पर मौन क्यों?

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रेस वार्ता पर पलटवार करते हुए सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन के रिकॉर्ड पर ही प्रश्न चिह्न खड़ा किया। प्रतुल ने कहा कि जो सरकार आज तक स्थानीय नीति और नियोजन नीति नहीं बन पायी, 1932 का खतियान लागू नहीं कर पायी, बेरोजगारों को 5000 एवं 7000 प्रति माह बेरोजगारी भत्ता नहीं दे पायी, ऐसी सरकार से उसकी राजनीतिक मृत्यु शैया पर किसी नयी योजना के सफल कार्यान्वयन की उम्मीद करना भी बेमानी है।

प्रतुल ने कहा कि दरअसल इस सरकार के भ्रष्टाचार ने झारखंड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल घूम आये। पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री अभी जेल में हैं। मुख्यमंत्री के तमाम दरबारी जेल के भीतर हैं। राज्य में हाहाकार मचा है। विधि व्यवस्था चौपट हो गयी है। इन सबसे ध्यान बांटने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बिना तैयारी के 'मंइयां सम्मान योजना' ले आये। प्रतुल ने कहा कि पहले ही चार दिनों में इस योजना के प्रति सरकार की मंशा की कलई खुल गयी। अधिकांश जगह सर्वर डाउन है। बिचौलिये हावी हैं। फार्म जमा नहीं हो पा रहा है। यह स्पष्ट दिखा रहा है कि चुनाव को देख कर सरकार की ओर से की गयी हड़बड़ी ने बड़ी गड़बड़ियां करा दीं। प्रतुल ने कहा कि इस सरकार में महिला उत्पीड़न की घटनाओं ने झारखंड के पहले 19 वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पांच वर्षों में लगभग 7000 बहू- बेटियों की

इज्जत लूटी गयी। सरकार ने आज तक श्वेत पत्र जारी करके यह नहीं बताया कि इसमें से कितने अभियुक्तों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए सजा दिलायी गयी। जानकारी के मुताबिक बहुसंख्य मामलों में तो चार्जशीट भी दाखिल नहीं हुई। प्रतुल ने कहा कि यह सरकार लूट, खसोट में इतनी लीन रही कि उसने अपने निश्चय पत्र को भी पलट कर नहीं देखा। एक बार निश्चय पत्र को देखने से पता चल जाता है कि उसमें की गयी कोई भी घोषणा लागू नहीं हुई। अब झामुमो को यह भी याद नहीं कि उसके मेनिफेस्टो में महिलाओं को चूल्हा भत्ता में 2000 प्रतिमाह देने का प्रावधान हैप्रतुल ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर झारखंड मुक्ति मोर्चा को अब अपने निश्चय पत्र में किये गये वायदे भी याद नहीं है। आज की प्रेस वार्ता में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके मेनिफेस्टो में चूल्हा भत्ता का कोई जिक्र नहीं है, जबकि उनके 'निश्चय पत्र' के 'महिलाओं के अधिकार' चैप्टर में स्पष्ट रूप से लिखा है कि महिलाओं को प्रतिमाह 2000 चूल्हा खर्च के रूप में मिलेगा।

कोडरमा में 13 दिनों से पेयजलापूर्ति नहीं, लोग परेशान

कोडरमा (आजाद सिपाही)। सूचना अधिकार मंच सचिव आरके बसंत ने बताया कि नगर पंचायत में विगत 13 दिनों से पेय जलापूर्ति बाधित रखते हुए संबंधित विभागों ने इसे मजाक बनाकर रख दिया है। मुख्यालय में उपायुक्त से लेकर विधायक तक का आवास है फिर भी कोई ध्यान नहीं। सरकार भी हर घर नल का ढोंग करते हुए करोड़ों रुपये खर्च कर चुकी है और पूर्व के जल मीनार के साथ एक जल मीनार तैयार है और दो पूरा होने वाला है। नगर पंचायत भी कमीशन के लोभ में जल मीनार बनवाती जा रही है पर जलापूर्ति से पल्ला झाड़ ले रही है, वहीं पानी का बिल लेने हेतु निवासियों को परेशान कर रही है। दुखद यह है कि पीने योग्य सिर्फ उरवां झील से की जाने वाली जलापूर्ति ही है और यहां अवस्थित कुआं और चापानल का पानी खारा है जिस कारण यहां के लोग इसी जिला पूर्ति पर निर्भर हैं। झील में ना तो पानी की कमी है ना ही बिजली की समस्या है, फिर क्या आफत आ पड़ी है कि महीने में सात आठ दिन ही जलापूर्ति की जाती है। यह सरकार जब पीने का पानी तक मुहैया नहीं कर पा रही है तो विकास की आशा बेमानी है, फिर भी उपलब्धियां गिनाकर अपना पीठ थपथपाया जा रहा है। श्री बसंत ने लगातार इस समस्या को उठाते हुए नियमित जलापूर्ति की मांग करते आ रहे हैं पर शासन और प्रशासन की नींद तक नहीं टूटती है पुनः जनहित में जलापूर्ति नियमित करने की मांग की जा रही है।

डीएवी कोडरमा का औचक निरीक्षण

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी दिल्ली से अजय सहगल सेक्रेटरी डीएवी स्कूल कोडरमा, डीएवी इंस्टीट्यूशन झारखंड जोन एफ के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी निशिकांत कर, प्राचार्य डीएवी बरही एके सिंह, प्राचार्य डीएवी गिद्दी मनु प्रिया चटर्जी, प्राचार्य डीएवी उरीमारी यू के रॉय का डीएवी कोडरमा में शैक्षिक निरीक्षण के लिए आगमन हुआ। डीएवी परंपरा के अनुसार बच्चों ने तिलक लगाकर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत और अभिनंदन किया। एनसीसी कैडेट्स की तरफ से उमा ईशान पाठक ने सभी सम्मानितों को गार्ड ऑनर दिया। मौके पर सभी लोगों ने विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता, समग्र स्कूल प्रदर्शन शैक्षणिक गतिविधियां, और शैक्षिक मानकों और विनियमों का निरीक्षण किया। श्री सहगल और निशिकांत कर ने विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया। सहायक क्षेत्रीय अधिकारी निशिकांत कर ने विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास के लिए सभी शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उचित मार्गदर्शन दिया और कहा कि आप लोगों के सहयोग से यह विद्यालय अपनी बुलंदियों को छू रहा है। यहां के बच्चे हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं। इसी तरह यह विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में अपनी अनूठी पहचान बनाए। इस अवसर पर प्राचार्य ने विद्यालय की उपलब्धियों और शैक्षणिक गतिविधियों को साझा किया।

जागृति महिला संघ ने बांटे रेनकोट और छाते

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। पंकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के सहायक कर्मचारियों को समर्थन करने की एक पहल के तहत जागृति महिला संघ ने रेनकोट और छाते वितरित किये। इस सराहनीय आयोजन को परियोजना के सामाजिक विकास भागीदारी विभाग की सहायता से आयोजित किया गया। वितरण समारोह में जागृति महिला संघ की अध्यक्षा तजीन फैज, उपाध्यक्ष मीनाक्षी सक्सेना और अन्य वरिष्ठ क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सहायक कर्मचारी परियोजना के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उनके इन्हीं योगदान को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम के दौरान कुल 55 रेनकोट और 45 छाते वितरित किये गये। यह पहल जागृति महिला संघ और विभाग की कल्याण और भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। रेन कोट और छाता के मिलने से सहायक कर्मचारी मानसून के मौसम में प्रभावी ढंग से अपना कार्य कर पायेंगे। जागृति महिला संघ की अध्यक्ष तजीन फैज ने सहायक कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस तरह की पहलों के महत्व को रेखांकित किया, जो एक सहायक और समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। यह कार्यक्रम सकारात्मक पड़ाव पर समाप्त हुआ, जिसमें प्राप्तकर्ताओं ने जागृति महिला संघ के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

थियेटर वर्कशॉप का किया गया आयोजन

केरेडारी (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना के द्वारा 1 अगस्त से 12 अगस्त तक एक थियेटर वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है जिसका नेतृत्व प्रसिद्ध थियेटर आर्टिस्ट मो शफीक शहरयार कर रहे हैं। यह वर्कशॉप जिज्ञासा बाल भवन में आयोजित की जा रही है और इसका उद्देश्य एनटीपीसी हजारीबाग कोयला खनन परियोजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों के परिवारों को नाट्य कला की दुनिया से रूबरू कराना है। इसका आयोजन जागृति महिला संघ और संस्कृत महिला समिति के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस विशेष अवसर के भव्य उद्घाटन समारोह में जागृति महिला संघ और संस्कृत महिला समिति की अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की उपस्थिति ने सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व को साझा किया। दोनों महिला क्लब ने सामुदायिक विकास और सशक्तिकरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दियो यह वर्कशॉप सभी उम्र के प्रतिभागियों के लिए रचनात्मकता और थियेटर के प्रति रूची को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। एनटीपीसी हजारीबाग कोयला खनन परियोजनाओं के प्रतिभागीयों को अभिनय, स्टेजक्राफ्ट और स्क्रिप्ट राइटिंग के बारे में बताया जायेगा। इस वर्कशॉप का समापन एक शानदार प्रदर्शन के साथ होगा जिसमें सभी प्रतिभागियों की मेहनत और प्रतिभा का परिचय दिया जायेगा। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि एनटीपीसी परिवार के सदस्यों के लिए एक मूल्यवान अनुभव भी साबित होगा। थिएटर में भाग लेने से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है। वे मंच पर बोलने और अभिनय करने के माध्यम से अपनी झिझक और संकोच को दूर करते हैं। बच्चों को विभिन्न भूमिकाओं में ढलने का अवसर मिलता है जिससे उनकी रचनात्मकता और कल्पना शक्ति का विकास होता है थिएटर में बच्चों को टीम में काम करने और सहयोग करने का महत्व समझ में आता है जो उनकी सामाजिक कुशलताओं को बढ़ाता है।

बरही टाउन हॉल में कांग्रेस ओबीसी महापंचायत का हुआ आयोजन

जितनी आबादी उतनी हिस्सेदारी कांग्रेस ही दे सकती है: बन्ना गुप्ता

ओबीसी को जगाने का कार्य कांग्रेस की सरकार ने किया: उमाशंकर अकेला

आजाद सिपाही संवाददाता

बरही। बरही टाउन हॉल में कांग्रेस ओबीसी महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कार्यक्रम के संयोजक और ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता और संचालन ओबीसी राज्य प्रवक्ता डॉ प्रकाश कुमार ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य और खाद्य मंत्री बन्ना गुप्ता, विशिष्ट अतिथि बरही विधायक उमाशंकर अकेला, ओबीसी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू, उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन महासचिव अनिल यादव मौजूद हुए। मौके पर अतिथियों को बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। महापंचायत का आयोजन जाति जनगणना, आबादी के अनुपात में संसाधनों में भागीदारी, शिक्षण संस्थानों, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका में हिस्सेदारी, निजी क्षेत्र में आरक्षण, मंडल कमीशन के सभी सिफारिश को लागू करना, सरकारी विभागों में ठेका नौकरी के खिलाफ को लेकर किया गया। मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा की आरक्षण तोड़ने का काम सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने की थी। लोकसभा में भाजपा का 400 पार का नारा था, लेकिन जनता ने उसे तड़ीपार कर दिया। वहीं कहा की हमारी जितनी संख्या उतनी हिस्सेदारी नहीं है, उसे एकजुट होकर लड़ने का कार्य करना होगा। राहुल गांधी का कहना है कि जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी। वहीं कहा की सहिया दीदी की समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत करा दिया गया है, जल्द निवारण की जायेंगी। वहीं प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू ने कहा की ओबीसी अपनी हक मांगना शुरू कर दिया है और उसे सिर्फ कांग्रेस ही दे सकती है। वहीं बरही विधायक उमाशंकर अकेला यादव ने कहा की देश के बारे में सिर्फ कांग्रेस सोचती है। देश की आजादी से लेकर अब तक कांग्रेस ने जो विकास किया वह भाजपा कभी नहीं कर सकती। इसलिए तमाम ओबीसी के लोग कांग्रेस का समर्थन करेंगे और अपना हक और अधिकार भी मांगेंगे। वहीं मंत्री से बरही को गोद लेने का आग्रह किया। इस बार राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाने में ओबीसी की महत्वपूर्ण भागीदारी रहेंगी। कार्यक्रम में कोडरमा जिला परिषद लक्ष्मण यादव, जिला उपाध्यक्ष मंसूर आलम, ओबीसी जिला अध्यक्ष कोडरमा संतोष यादव, प्रमुख मनोज रजक, राजद नेत्री पूनम यादव, उप प्रमुख चौपारण प्रीति गुप्ता, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू, कांग्रेस युवा विस अध्यक्ष मनोहर यादव, कांग्रेस नेता अशोक सिंह, तोखन रविदास, गौतम मेहता, जमुना यादव, बासुदेव यादव, मुखिया मनोज कुमार, लालेश साहू, महेंद्र साहू, बीरबल साहू, विकास गुप्ता, मो वारिस अंसारी, वीरेंद्र यादव, पंसस मो तैयब अंसारी, मनजीत कुमार यादव, राजू राणा आदि मौजूद थे।

कांग्रेस नेता ने किया विभिन्न पंचायतों का दौरा

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने कटकमदाग प्रखंड के खपरियांवा, नवादा, ढ़ेगुरा, बेस, कुशुंभा, अडरा, सुल्ताना, कटकमदाग, पसई, सलगावां, मयातु आदि का दौरा कर मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के पंजीकरण शिविरों का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित महिलाओं और कर्मचारियों से बातचीत की। मुन्ना सिंह ने पंजीकरण शिविरों में पहुंचकर आंगनवाड़ी सेविकाओं, माताओं और बहनों से मुलाकात की और उनके समस्याओं को सुना। उन्होंने उपस्थित लोगों को योजना से जुड़ी जानकारी दी और समय रहते पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा की मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना समाज की उन महिलाओं के सम्मान और कल्याण का प्रतीक है, जिन्होंने अपने परिवार और समाज को संवारने में आजीवन योगदान दिया है। हमें गर्व है कि हम इस योजना के माध्यम से उनकी सेवा कर रहे हैं और हम सुनिश्चित करेंगे कि इसका लाभ हर जरूरतमंद महिला तक पहुंचे। इस अवसर पर मुख्य रूप से बबलू सिंह, रंजीत यादव, विक्की कुमार धान, मो सोहेल, पप्पू सिंह, भोला सिंह, पिंटू कुमार आदि उपस्थित थे।

बीएड कॉलेज में मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बनासो स्थित दौलत महतो मेमोरियल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। वर्ष 2024 का थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योगा है। कार्यक्रम शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुनील कुमार चतुवेर्दी ने कहा कि योग से मन और शरीर को स्वस्थ होता है। इसलिए योग को हमे अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के पदाधिकारी कुमारी स्वर्णा मिश्रा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि निरंतर योग करने से तन और मन दोनों स्वस्थ होते हैं, हमे डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में फिजिकल व्याख्याता अशोक कुमार झा और योग विशेषज्ञ के तौर पर पूर्ववर्ती छात्र प्रकाश कुमार ने अहम भूमिका निभाई। मौके पर जीतेन्द्र मेहता, डॉ विजयकांत चक्रवर्ती, डॉ सतीश चंद यादव, प्रवीण जायसवाल, सीमा कुमारी, डॉ अमरीश कुमार दुबे, जयपाल राणा, सहायक व्याख्याता बबली कुमारी, ओमकार नाथ शर्मा, जितेंद्र कुमार, धीरेंद्र कुमार मिश्रा, अद्दश मुखर्जी, अजित कुमार, वीरेंद्र देव, शशि भूषण देव, राघवेंद्र प्रताप, राजेश कुमार, सरोज कुमारी श्रीवास्तव, भुनेश्वर महतो, संतोष कुमार महतो, विनोद कुमार महतो, धर्मनाथ महतो, सौरभ सुमन, प्रकाश कुमार, आजाद, नाजरा खातून और बीएड सत्र 2022-24 और 2023-25 के स्वयंसेवको ने हिस्सा लिया।

सड़क दुर्घटना से लाल हो रही जिले की सड़कें, 6 माह में 125 की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में पिछले 6 माह में 125 लोगों की मौत हो चुकी है। कहा जाये तो मौत सड़कों पर नाच रही है। शायद ही ऐसा कोई इलाका हो जहां दुर्घटना के कारण सड़क लाल नहीं हुई हो। आंकड़ा जो सामने आए हैं वह चिंताजनक है। इसके लिए बहुत हद तक हम सभी जिम्मेवार भी हैं। कई जगह सड़क की बनावट भी दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है। हजारीबाग की सड़क पर मौत नाच रही है। जो भी व्यक्ति घर से निकले और सही सलामत घर पहुंच जाये तो यह उसकी खुशनसीब है। यातायात नियम का पालन नहीं करने के कारण जिले में सड़क दुर्घटना की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। पुलिस रिपोर्ट और सड़क सुरक्षा विभाग के आंकड़ों की मानें तो जिले में हर माह औसतन एनएच पर सड़क दुर्घटना में 29 लोगों की मौत होती है। वर्ष 2024 में छह माह में जिले में 173 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें 125 लोगों की मौत हुई है। इस दौरान 58 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, 25 लोग सामान्य रूप से घायल हुए हैं। परिवहन विभाग ने हजारीबाग के दो स्पॉट को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित की है जिसमें एक दनुवा घटी है और दूसरा चरही का हत्यारिन मोड, जहां बराबर दुर्घटना होती रहती है। एनएचएआइ व एसएच विभाग के अधिकारी मौन साधे रहते हैं। विभाग की मानी जाये तो सड़क दुर्घटना के कई कारण है। पहले तो आम जनता जो गाड़ी चलाती है वह ट्रैफिक नियम का पालन नहीं करती है। जहां स्पीड लिमिट किया गया है वहां अत्यधिक तेजी से गाड़ी चलाया जाता है। पेट्रोल बचाने के कारण लोग चलती गाड़ी को न्यूट्रल में डाल देते हैं। यह भी दुर्घटना का एक बड़ा कारण बनता है। आम लोगों को दुर्घटना से बचने के लिए सावधानी बरतने की जरूरत बताई है। हजारीबाग में सड़क दुर्घटना की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह एक चिंता का विषय भी है। कई इलाके डेंजर जोन के रूप में भी जाने जाते हैं, तो कई ऐसे इलाके हैं जहां सड़क की गुणवत्ता के कारण दुर्घटना होती है। आम जनता भी सड़क दुर्घटना के लिए जिम्मेवार है। जरूरत है हर एक व्यक्ति को संवेदनशील होने की तभी दुर्घटना से निजाज मिल सकता है।

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का फॉर्म भरने का सर्वर डाउन

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना शनिवार 3 अगस्त से शुरू होते ही सर्वर डाउन हो गया। जिसके चलते लाभुकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आलम ये रहा कि महिलाएं शिविर पहुंची, लेकिन ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया। वहीं दूसरे दिन रविवार व तीसरे दिन सोमवार को भी सर्वर की स्थिति काफी खराब रही। जिसके चलते प्रज्ञा केंद्र के संचालक और ऑपरेटर भी काफी परेशान दिखे। हालांकि कुछ केन्द्रों पर फॉर्म जमा हुए। आज से फिर ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया शुरू है। महिलाएं नजदीकी पंचायत कार्यालय या नजदीकी शिविर में जाकर आवेदन पत्र भर सकती हैं। बता दें कि इस योजना के तहत 10 अगस्त तक राज्य की महिलाएं नजदीकी सीएससी केंद्र के माध्यम से भी मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का फॉर्म ऑनलाइन भर सकती हैं।

संदिग्ध अवस्था में मिला विवाहिता का शव, पति हिरासत में

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले के नवलशाही थाना अंतर्गत ग्राम रायडीह में संदिग्ध अवस्था में पंखा से झूलता विवाहिता का शव नवलशाही पुलिस मंगलवार की सुबह बरामद किया है। मृतका की पहचान पूर्णिमा देवी (19, पति रोहित सोनकर) के रूप मे हुई है। जानकारी के अनुसार विवाहिता पूर्णिमा 5 महीने की गर्भवती थी। पूर्णिमा की शादी फरवरी 2024 में हुई थी, जिसका मायका तिलैया के विद्यापुरी में है। मृतिका के पति रोहित सोनकर ने बताया कि मैं पटना मे काम करता हूं जहां मेरी पत्नी जाने का जिद कर रही थी परंतु मै ले जाने से इंकार कर रहा था। मै बाहर गया और लौटा तो देखा कि मेरा कमरा अंदर से बंद था। हो हल्ला करने के बाद गेट तोड़ा गया तो देखा कि मेरी पत्नी पंखा से साड़ी के सहारे झूली हुई है। इधर घटना के बाद नवलशाही पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत मे ले लिया है। मामला हत्या है या आत्महत्या, कुछ भी कहना अभी मुश्किल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

जयनगर से बोल बम का नारा लगाते हुए कांवरिया सुल्तानगंज के लिए रवाना

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जयनगर पश्चिमी, पूर्वी पंचायत से दर्जनों कांवरिया मां रथाही मंदिर में पूजा अर्चना कर बोल बम के नारे के साथ सुल्तानगंज रवाना हुए। सभी कांवरिया सुल्तानगंज से जल उठाकर बाबा बैद्यनाथ धाम में जलार्पण करने के पश्चात बाबा बासुकीनाथ का जलार्पण करेंगे। मौके पर संदीप तिवारी, अशोक पंडित, बिनोद शर्मा, अजीत राणा, सोनु सिंह, प्रताप शर्मा, आशीष शर्मा, अजय पंडित, दीपु शर्मा, सोनु राणा, संतोष रजक, संजय रजक, शशी रंजन शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, आशीष पंडित, इंतु रजक, शीला देवी, रेणु देवी, रुबी देवी, पिंकी देवी, दुलारी देवी, बसंती देवी, सबिता देवी, शांति देवी सहित दर्जनों लोगों ने बोल बम का नारा है, बाबा एक सहारा है आदि नारों के साथ सभी रवाना हुए।

थाना दिवस पर दो मामले किये गये निरस्त

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। थाना में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान छह शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें दो शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। मंगलवार को मरकच्चो थाना परिसर में थानाध्यक्ष सौरव शर्मा की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न मामलों से संबंधित कुल छह शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए। इनमें से मौके पर दो का निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायती पत्रों के पार्टी को अगले थाना दिवस के लिए रख लिया गया है। इस दौरान थाना के एएसआइ अभिमन्यु कुमार, सीआइ दिनेश राम आदि मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर हुई चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। आगामी स्वतंत्रता दिवस की समारोह की तैयारियों को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में बैठक का अयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था व मुख्य कार्यक्रम स्थल पर की जाने वाली तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ हीं स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल संचालन हेतु झंडोतोलन का समय, परेड में शामिल होने वाले विभिन्न टुकड़ियों के पूर्वाभ्यास, राष्ट्रगान का पूर्वाभ्यास और मुख्य समारोह स्थल पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा अन्य कार्यक्रमों को संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली देशभक्ति पर आधारित सांस्कृति कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा, डोमचांच और अन्य उपस्थित रहे।

डीवीसी ने 153 लोगों को दी निःशुल्क दवा

कोडरमा (आजाद सिपाही)। चंदवारा प्रखंड में दामोदर घाटी निगम के तिलैया जल विद्युत केंद्र नैगम सामाजिक दायित्व के तहत मध्य विद्यालय तिलैया बस्ती के प्रांगण में सामान्य स्वास्थ्य जांच सह जागरुकता शिविर का आयोजन गया। उद्घाटन सीएसआर डीजीएम विनोद कुमार राय के द्वारा किया गया। जिसमें डॉ प्रिय रंजन, डॉ कुमारी अर्चना के द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों को स्वस्थ कैसे रहें, जैसे बारिश में भीगना नहीं है। डीजीएम विनोद कुमार राय ने बताया कि बरसात के मौसम गर्म पानी पिये। अपने आसपास साफ-सफाई रखें। इसके पश्चात डॉक्टरों के द्वारा 153 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण किया। मौके पर सीएसआर प्रबंधक कुलदीप राम, हनुमत कुमार उजागर, सुरेंद्र मोदी, नारायण प्रसाद, राजु राम सहित सैकड़ों के संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे।

बरही की हृदयविदारक घटना पर गंभीर हुए सांसद

दोषी कंपनी पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो: मनीष

घायलों के समुचित इलाज और मृतकों के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाये

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। मंगलवार को बरही रियाडा कंपनी परिसर में संचालित पवन पुत्रा प्लांट की चिमनी में ब्लास्ट होने की अत्यंत दुखद घटना में आधा दर्जन से अधिक मजदूर चपेट में आ गये। इसमें गंभीर अवस्था में इलाज के झुलसे हुए 8 मरीजों को हजारीबाग भेजा गया जिसमें 05 को अत्यंत गंभीर अवस्था में हजारीबाग के आरोग्यम हॉस्पिटल से बेहतर इलाज के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया। जबकि आरोग्यम हॉस्पिटल में एक की मौत की पुष्टि की गयी और एक घायल को यहां भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। एक घायल इलाज के लिए बरही से देर से हजारीबाग के लिए निकला है। बाकी घटनास्थल पर बॉयलर में कुछ लोगों के फंसे होने की संभावना व्यक्त की जा रही है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है ।

घटना की जानकारी पाते ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल गंभीर हुए और संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल घायलों की मदद के लिए अपने सहकर्मी रंजन चौधरी को अस्पताल भेजा। रंजन चौधरी तत्काल आरोग्यम हॉस्पिटल पहुंचे और घायलों के हरसंभव मदद में जुट गये। इस घटना पर के बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव और हजारीबाग के प्रसिद्ध समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह ने संवेदनशीलता दिखाई और वे भी घायलों के मदद में अस्पताल पहुंचे हैं ।

सांसद मनीष जायसवाल ने इस हृदयविदारक घटना पर संवेदना जताते हुए इसे अत्यंत ही पीड़ादायक बताया। उन्होंने संबंधित कंपनी से मानवता के नाते घायलों के समुचित इलाज और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। साथ ही हजारीबाग जिला प्रशासन और राज्य सरकर से आग्रह है कि ऐसे कंपनियों में सुरक्षा मानकों की यथोचित जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करें ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। उन्होंने यह भी कहा की इस घटना के घायलों के हर संभव इलाज और मदद भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोग लगे हुए हैं। इस घटना के घायलों और मृतक मजदूरों के परिवार को हरसंभव सहायता के लिए मैं उनके साथ खड़ा हूं ।

वृद्ध महिला की हार्ट अटैक और वृद्ध किसान की सांप काटने से मौत

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव पंचायत नयाटांड़ ग्राम बिश्रामपुर निवासी 65 वर्षीय प्रसाद महतो पिता स्वर्गीय चांदो महतो का खेत में धान का बिचड़ा कबारने के दौरान शियारचंदा सांप ने काट लिया जिसके कारण प्रसाद महतो की मृत्यु हो गयी। मृतक नयाटांड़ पंचायत के मुखिया लीलावती देवी के चाचा ससुर थे। वह अपने पीछे दो पुत्र कृष्ण कुमार मेहता, दूसरा पुत्र संजय कुमार समेत भरापूरा परिवार छोड़ गये। वही इधर बादम गांव में 63 वर्षीय वृद्ध महिला किसान इतवारिया देवी पति स्वर्गीय बेचू साव की मौत धान रोपाई के लिए बिचड़ा कबारने के दौरान अचानक माथे में चक्कर आने हार्ट अटैक के बाद आकस्मिक निधन हो गयी। निधन होने पर दोनों परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। दोनों गांव मे घटना को लेकर गांव वालों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से नयाटांड़ पंचायत मुखिया प्रतिनिधि अजीत कुमार के अलावा कई विशिष्ट लोग शामिल हैं।

खुला में तंबाकू खैनी बेचने वाले दुकानदारों का काटा गया चालान

चतरा (आजाद सिपाही)। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को करीब दो दर्जन किराना दूकानों में छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व राष्ट्रीय तंबाकू निषेध के जिला सलाहकार रश्मि दूबे के नेतृत्व में चलाया गया। इस क्रम कई दुकानदारों का चालान काटा गया। लोगों को जानकारी दी गयी कि खुला में खैनी तंबाकू बेचना गैर कानूनी है। खुले तौर पर तंबाकू खैनी सहित अन्य मादक पदार्थ बेचने पर दुकानदार के विरुद्ध कार्रवाई हो सकती है। फिलहाल दूकानदारों का चालान काटकर व चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है और अगली बार से पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी। जबकि दूकानदारों को पेट्रोल डीजल सहित अन्य सामग्री बेचने का लाइसेंस लेने का निर्देश दिया गया। किराना दुकानों में छापेमारी से दुकानदारों में हड़कंप मच गयी। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव, डॉ अमृता अनुप्रिया, डॉ अंजली कुमारी भगत, डॉ सत्यप्रकाश, पुलिस अवर निरीक्षक अशोक पांडेय सहित अन्य थे।

टाटा कंपनी के कर्मचारी के घर चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार

मामले की जानकारी मंगलवार को एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने प्रेस कांफ्रेंस में दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र में टाटा कंपनी के कर्मचारी के घर में चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले की जानकारी मंगलवार को एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने प्रेस कांफ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त को सूचना मिली थी कि टाटा कंपनी के कर्मचारी महताब आलम के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा रात्री में ताला तोड़कर क्वार्टर से लाखो रुपया का सामान की चोरी कर लिया गया है। इस संबंध में कांड संख्या 187/24 के अंतर्गत अज्ञात चोर के विरुद्ध कांड दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निर्देश पर कांड का सफल उद्भेदन और चोरी गयी सामान की बरामदगी के लिए टीम गठित कर छापेमारी शुरू की गयी। इस दौरान अभियुक्त राजू रजक पिता जालो रजक इसीसी कॉलोनी पानी टंकी घांटोटांड से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर कांड में चोरी गयी सभी समान और जेवर को बरामद किया गया।

इन सामानों को किया गया बरामद: पुलिस ने चोरी की गयी समान में सिम्फनी कंपनी का कूलर, सैमसंग कंपनी का एलइडी टीवी, एक मिक्सी मशीन, दो जोड़ा पायल, एक गले का हर, एक नथिया और एक नोज रिंग शामिल है।

छापेमारी टीम में एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, मांडू सर्किल इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी सदानंद कुमार, एएसआइ राजेश कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ऐश करने के लिए चोरी करता था राजू

रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि राजू रजक ऐसो आराम के लिए चोरी करता था। उसने पूछताछ के दौरान पुलिस को यह बताया कि कुछ दिन पहले उसके घर से एक छोटा सा सीलिंग फैन चोरी हो गया था। जिसकी वजह से उसे गर्मी में रात गुजारनी पड़ रही थी। इसके बाद उसने चोरी का प्लान बनाया और महताब आलम के घर में लगे कूलर को भी उसने इसी नियत के तहत चोरी किया। चोरी किए गए कूलर को लगाकर वह अपने घर में ही सो रहा था। उसने महताब आलम के घर से सोने और चांदी के जेवरात भी चोरी किये थे जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

जेबीकेएसएस के नेताओं ने डीसी को सौंपा मांग पत्र

रामगढ़ में चलेगा 'सी ओ हाजिर हो' अभियान: संतोष

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जय झारखंड अभियान के द्वारा जेबीकेएसएस नेता संतोष महतो के अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल रामगढ़ उपायुक्त से मिला। जिसके बाद एक मांग पत्र सौंपा। संतोष महतो ने कहा कि अंचल कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार से प्रत्येक परिवार किसी न किसी रूप से प्रभावित है और आम जनता को अपने काम कराने के लिए दलाल के पास जाने को मजबूर हैं। अंचल अधिकारियों की मिलीभगत से खतियान के जल जंगल जमीन गायब हो रहे और इनके जमीन के कागज जमीन माफिया के नाम पर बन जा रहे हैं। ऑनलाइन खतियान में फजीवाड़ा करके प्लॉट संख्या शून्य करा दिया जा रहा है। छात्रों और युवाओं को जाति प्रमाण-पत्र, आवासीय प्रमाण-पत्र और आय प्रमाण-पत्र बनाने के लिए अंचल कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। पर समय पर इनको प्रमाण पत्र नहीं निर्गत हो रहे हैं। परिणाम स्वरूप ये नामांकन और नौकरी पाने का अवसर खो रहे हैं।

सीधा संवाद हो गया है बंद

संतोष महतो ने बताया कि अंचल अधिकारी से आम आदमी के सीधे संवाद के सभी रास्ते बंद हैं और इसी बंद रास्ते को खोलने के लिए रामगढ़ में 'सी ओ हाजिर हो' अभियान शुरू किया जा रहा है। राजस्व विभाग के पत्रांक 3979 एलआर विभिन्न पदाधिकारियों के अधिकारों और कर्तव्यों का निर्धारण हुआ है। इसमें उल्लेखित आदेश के अनुसार अंचल अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रति वर्ष 120 दिन राजस्व ग्रामों का दौरा करना है और आयोजित इन बैठकों के दौरान आए मामलों को विलेज नोट बुक में दर्ज किए जाने का प्रावधान है। इस संदर्भ में राजस्व ग्रामों का दौरा सुनिश्चित कराने के लिए जय झारखंड अभियान की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि आज ज़िले के उपायुक्त से मिलकर नियम का पालन सुनिश्चित कराने संबंधी मांग पत्र सौंपा गया। अगली कड़ी में राजस्व ग्रामों के ग्रामीण अपने-अपने ग्राम सभा से प्रस्ताव पारित कर अंचल अधिकारियों को सरकारी आदेश का अनुपालन में गांव के दौरे हेतु 'सी ओ हाजिर हो' का फरमान हस्तगत करायेंगे। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से संतोष कुमार महतो, मुनिनाथ महतो, ओम प्रकाश प्रसाद, अशोक नायक, अशोक करमाली, रेखा कुमारी, प्रेमनाथ महतो, विकास राम महतो, सुनील कुमार, सुबास वर्मा, मिनेश कुमार, सुमित कुमार शामिल थे।

दंड उन्मूलन पर कार्यशाला का आयोजन

स्कूल में बंद हो बुलिंग, साइबर बुलिंग और शारीरिक दंड : रुची कुजूर

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। आज के परिवेश में विद्यालयों में छात्रों के साथ बुलिंग एक आम बात है। स्कूल में छात्रों को दंड दिये जाने की बात भी कानून अपराध है। यह बात मंगलवार को चितरपुर में आयोजित कार्यशाला के दौरान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य रुचि कुजूर ने कही। उन्होंने बताया कि बच्चों को दंड देना बंद होना चाहिए। साथ ही उनकी रैगिंग भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित होनी चाहिए। डायट, चितरपुर में एनसीपीसीआर के द्वारा विद्यालय में बुलिंग और साइबर बुलिंग तथा शिक्षा अधिकार नियम 2009 के अंतर्गत शारीरिक दंड उन्मूलन पर कार्यशाला आयोजित की गयी थी। इस कार्यशाला में सरकारी और निजी विद्यालय के प्रधानाध्यापक शामिल थे। कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य रुचि कुजूर और विशिष्ट अतिथि जेसीआरटी के उपनिदेशक महीप सिंह और रामगढ़ के जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार थे। उसके बाद सुनील कुमार, पीजीटी, प्लस टू उच्च विद्यालय मांडू द्वारा साइबर बुलिंग पर प्रजेंटेशन दिया गया। जेसीआरटी उपनिदेशक महीप सिंह ने कहा कि सभी विद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यालय के बच्चे और शिक्षकों के अपने बच्चे भी साइबर बुलिंग का शिकार नहीं हो। वर्तमान समय में साइबर बुलिंग के कारण बच्चे मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं और उनकी पढ़ाई बाधित होती है। इसे रोकने के लिए समाज में साइबर बुलिंग के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि रुचि कुजूर ने शिक्षा अधिकार नियम 2009 के अंतर्गत शारीरिक दंड उन्मूलन पर चर्चा की। मध्य विद्यालय कुरूम के प्रभारी प्राचार्य सत्येंद्र कुमार द्वारा विद्यालय में बुलिंग को रोकने के कई तरीके बतायें। कार्यशाला का मंच संचालन जितेंद्र ज्योति ने किया और स्वागत भाषण मोनादीपा बनर्जी और एडीपीओ रामगढ़ के द्वारा दिया गया।

पुलिस की चलती गाड़ी से भागा अभियुक्त आधे घंटे में पकड़ाया

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। शहर के जतराहीबाग में उस समय अफरा तफरी मच गया जब एक अभियुक्त अचानक पुलिस की चलती वाहन से फिल्मी अंदाज में कूदकर भाग खड़ा हुआ। जानकारी के अनुसार अभियुक्त कमलेश यादव को कुंदा थाना प्रभारी सनोज चौधरी और एक चौकीदार व पुलिसकर्मी रिमांड के लिए चतरा व्यवहार न्यायालय लेकर आये थे। न्यायालय से रिमांड आदेश लेकर उसे चतरा मंडल कारा लेकर जा रहे थे। इसी बीच अभियुक्त जतराहीबाग में गाड़ी से कूदकर भाग खड़ा हुआ। इस घटना के बाद पुलिस के बीच अफरा-तफरी मच गयी। और वहां स्थानीय लोगों की भीड़ भी इकट्ठा हो गयी। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर अभियुक्त को खोजने में कुंदा पुलिस को मदद करने लगी। आधा घंटा के मशक्कत के बाद उक्त अभियुक्त को पुलिस ने धर दबोचा। कहा जाता है कि उक्त अभियुक्त पुलिस को विश्वास में लेकर चकमा देने में सफल हो गया। भागने के क्रम में अभियुक्त के पीछे पुलिस भी भाग रही थी। लेकिन वह जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी के घर के पास एक कोना में छिप गया। जिससे खोजने में पुलिस को परेशानी हुई। जिसके बाद खोजी कुत्ता के साथ सर्च अभियान चलाया गया तब जाकर वह पुलिस की पकड़ में आया।

झामुमो युवा मोर्चा प्रखंड समिति ने लगाया जनता दरबार

पतरातू (आजाद सिपाही)। झामूमो युवा मोर्चा प्रखंड समिति पतरातू द्वारा मंगलवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के परिसर में जनता दरबार लगाया गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष युवा मोर्चा आजाद राय और संचालन प्रखंड सचिव युवा मोर्चा सन्नी मुंडा ने किया। जिसमें झारखंड सरकार के महत्वकांक्षी योजनाओं के बारे में आम जनता को जानकारी दिया गया। इस मौके पर झामूमो रामगढ़ जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा योगेंद्र यादव, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष मुमताज अंसारी, नरेश बेदिया, सुशील कुमार, जावेद आलम, उस्मान अंसारी, मकसुद आलम, देवानंद माहतो, मनवर अंसारी, उमेश नायक आदि मौजूद थे।

स्कूल के बच्चों ने दिखाये मूर्ति कला में अपना हुनर

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के भइया बहनों ने मूर्ति कला में मंगलवार को अपना हुनर आजमाया। विद्यालय में वर्कशॉप का आयोजन कर मिट्टी से मूर्ति बनाने की तरीके बताये गये। जिसमें कक्षा पंचम से लेकर दशम तक के भैया बहनों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में बच्चों ने मिट्टी गूथने से लेकर मूर्ति बनाने तक में उपयोग होने वाले वस्तुओं और कई उपयोगी टूल्स के बारे में जानकारी प्राप्त किया। इस दौरान बच्चों ने एक से बढ़कर एक सुंदर मूर्तियां बनायी और दर्शकों का मन मोह लिया। मौके पर प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी ने भैया बहनों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा की मूर्ति कला एक बहुत ही प्राचीनतम कलाओं में से एक है। बच्चों में कलात्मक गुणों का विकास करना हमारा उद्देश्य है। आज के इस बदलते परिवेश में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने अंदर छिपी हुई कलात्मक गुणों का भी विकास करना चाहिए। वही, कला शिक्षक विकास कुमार कुशवाहा ने कहा 'कला उम्र की मोहताज नहीं होती' यदि सिखने वाले में थोड़ी भी दिलचस्पी है, तो वह अपने अंदर की प्रतिभा को निखार सकता है। कहा कि मूर्ति कला में चयनित भैया बहन जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

घर आ रहा था, रास्ते में ही मजदूर की मौत

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के तिलहेत पंचायत के कुब्बा गांव निवासी दिनेश भुईया का 28 वर्षीय पुत्र अशोक भुइयां की मौत मंगलवार को घर आने के दौरान रास्ते में हो गयी। मृतक मजदूर उड़ीसा में रहकर पेंट करने का काम करता था। तीन चार दिन पूर्व बुखार लग गया था। जिसके कारण वह अपने घर आ रहा था। इसी दौरान डोभी के समीप अचानक तबियत बिगड़ गया और मौत हो गयी। इसके बाद साथ आ रहे मित्रों ने उसे हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा उसे मृत्यु घोषित कर दिया गया उसके मौत हो जाने से घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। वह अपने पीछे पत्नी और एक पुत्र को छोड़ गया वह अपने घर का इकलौता कमाओ युवक था घटना की जानकारी मिलने के बाद पूर्व जिला परिषद सदस्य सुनील दास समाजसेवी मिथिलेश श्रीवास्तव मुखिया प्रतिनिधि रामबाबू यादव पूर्व मुखिया राजू भुईया, विजय यादव उप मुखिया प्रतिनिधि नरेश महतो उनके घर पहुंच कर उनके परिजनों को ढाढास देने का काम किया और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिये।

सयाल उत्तरी पंचायत में कांग्रेस पंचायत और बूथ कमेटी का हुआ गठन

उरीमारी (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड क्षेत्र के सयाल उत्तरी पंचायत में कांग्रेस पंचायत कमेटी और बूथ कमेटी का गठन सोमवार को किया गया। मौके पर इंटक प्रदेश सचिव अंकित राज मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान सर्वसम्मति से अजय पासवान पंचायत अध्यक्ष, मंजू लता उपाध्यक्ष, मोहम्मद महफूज अंसारी सचिव, गुड्डू यादव सह सचिव, अनुज कुमार कोषाध्यक्ष, तापस गांगुली मीडिया प्रभारी, जयविंद कुमार, जसीम अंसारी संरक्षक और कांति कुमारी महिला प्रतिनिधि चुनी गयी। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को फूलमाला और कांग्रेस पार्टी का अंग वस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। वहीं कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह ने कहा कि संगठन 2029 में जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी कर रही है। विधायक अंबा प्रसाद को 2029 में भी तीसरी बार जीताया जायेगा। मौके पर मुख्य रूप से पतरातू प्रखंड विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, कोयलांचल विधायक प्रतिनिधि अमित साव, संजय सिंह, शंकर पासवान, सरिता देवी, मीना देवी और रंभा देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

पंचायत समिति सदस्यों की बैठक संपन्न

मांडू (आजाद सिपाही)। मुख्यालय परिसर स्थित प्रखंड सभागार में पंचायत समिति सदस्यों की एक बैठक प्रमुख चंद्रमणि देवी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई। बैठक में पंचायत समिति की अस्थायी समिति का चयन किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रखंड में संचालित 15 वें वित आयोग के योजनाओं का चयन और अनुमोदन पंचायत समिति सदस्यों के द्वारा किया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार कोंगारी, बीपीआरओ अर्जुन महली, परमानंद कुमार, विनीता कुमारी, शेखर कुमार के अलावा पंचायत समिति सदस्य विवेक कुमार गुप्ता, महेंद्र कुमार दास, संतोष केसरी, रेखा देवी, सुषमा केसरी, विष्णु करमाली, मनोज कुमार महतो, किरण देवी, सरिता सहाय समेत प्रखंड के सभी पंचायत समिति सदस्य मौजूद थे।

सदर अस्पताल पहुंचा इनरव्हील क्लब, फूड पैकेट, कपड़े और मच्छरदानी बांटे

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में सदर अस्पताल में मरीज के बीच फूड पैकेट और नवजात बच्चों के लिए छोटे-छोटे कपड़े और मच्छरदानी का वितरण किया गया। मौके पर क्लब की अध्यक्ष पिंकी पोद्दार ने बताया मां का दूध सर्वोत्तम है, नवजात बच्चों को समय-समय पर टीकाकरण जरूर करवाये। 6 महीने तक नवजात शिशुओं को सिर्फ मां की दूध ही पिलाये और मां को भी पोष्टिक आहार का सेवन करें। सदर हॉस्पिटल से डॉ उदय श्रीवास्तव, डॉ प्रज्ञा श्रीवास्तव और डॉ तनुश्री मौजूद थे। मौके पर अध्यक्ष पिंकी पोद्दार, सचिव नवालजीत कौर, अनुराधा श्रॉफ, नीरू साहनी, मीडिया प्रभारी प्रियंका जैन, परमजीत कौर, जसप्रीत कौर, शर्मिष्ठा दत्ता, रंजू अरोड़ा, स्वीटी सोनी, मेघा बगडिया, विनीता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

पंकज गुप्ता बने भारतीय जनता युवा मोर्चा के कोडरमा जिला के प्रभारी

आजाद सिपाही संवाददाता

पतरातू। भारतीय जनता युवा मोर्चा झारखंड प्रदेश के विभिन्न जिलों के जिला प्रभारी की घोषणा हुई। बीजेपी झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार भारतीय जनता युवा मोर्चा झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष शशांक राज ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला प्रभारी की नयी सूची जारी की है। सूची में पीटीपीएस पतरातू निवासी पंकज गुप्ता को भारतीय जनता युवा मोर्चा कोडरमा जिला के प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। कोडरमा जिला के प्रभारी नियुक्त किये जाने पर पतरातू के भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी ने पंकज गुप्ता को शुभकामना दी है। मौके पर जनता युवा मोर्चा के सदस्य उपस्थित रहे।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का हुआ समापन

धरती को बचाना है तो हमें एक वृक्ष जरूर लगाना होगा: बीरु

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। धरती को बचाना है तो हमें एक वृक्ष जरुर लगाना है। धरती को हरा भरा रख सकते हैं। यह बात मंगलवार को श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार बीरु ने कही। वे एक पेड़ मां के नाम अभियान के समापन समारोह में शामिल हुए थे। कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथि मारवाड़ी युवा मंच की अध्यक्ष अनु खंडेलवाल, सचिव प्राची चौधरी, पीसीआर के संयुक्त सचिव व्यास शर्मा ने भी बच्चों को वृक्ष लगाने का संदेश दिया। इस मौके पर अतिथियों के द्वारा बच्चों के बीच पौधों का भी वितरण किया गया। बीरेन्द्र कुमार बीरु ने कहा कि यह अभियान मां प्रकृति को समर्पित है। इस पृथ्वी को पूर्ण रूप से हरा-भरा रखना है, तो हमें अधिक मात्रा में पेड़ लगाना होगा। उन्होंने बच्चों को बताया कि हमें अधिक से अधिक मात्रा में वृक्ष लगाने हैं। जिस प्रकार हम अपनी मां से प्रेम करते हैं, उसी प्रकार हमें अपनी प्रकृति से भी प्रेम करना चाहिए। उसकी रक्षा करना, देखभाल करना हम सब का कर्तव्य बनता है। उन्होंने कहा कि खाली पड़े स्थानों पर पेड़ लगाये, पेड़ों को कटने से रोकें, लोगों को इस विषय में जागरूक करें, अपने मित्रों और संबंधियों को उनके जन्मदिवस पर छोटे पौधे उपहार स्वरूप दें, ताकि वे उन्हें लगाये, लगे हुए पेड़-पौधों का रख-रखाव करें ताकि वे पानी या किसी अन्य कारण से नष्ट न हो जायें।

पौधों को बचाने के लिए संतुलित खाद डालें

मुख्य अतिथि ने बच्चों को बताया कि पेड़ों को मरने से बचाने के लिए गमले में संतुलित मात्रा में खाद देनी चाहिए। कुछ लोग पौधे को जल्दी बड़ा करने के लिए ज्यादा खाद देते है। चूंकि पौधे की जड़ें गमले में ज्यादा दूर तक नहीं जाती हैं, इसलिए पौधे मरने लगते हैं। गमले में खाद पौधे के बढ़ने के साथ-साथ थोड़ी मात्रा में देनी चाहिए। विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने कहा कि जो पेड़ हमें प्राण वायु देते हैं, हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए।

इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार परमदीप सिंह कालरा, स्कूल उपाध्यक्ष सरदार परमिंदर सिंह जस्सल, उपाध्यक्ष सह प्रबंधक सरदार मनमोहन सिंह लांबा, प्रेस क्लब से उपाध्यक्ष प्रदीप राज बबलू, संयुक्त सचिव व्यास शर्मा, कोषाध्यक्ष दूर्वेज आलम, अनिल विश्वकर्मा, अंकित कुमार, मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जग्गी भी उपस्थित थें।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई निविदा सं: पूमरे-मुप्रज-नि-द-ईटीएन-19-24-25

1. कार्य का नाम: धनबाद मंडल के तहत उप मुख्य अभियंता /निर्माण/धनबाद के अधिकार क्षेत्र में कोडरमा से तिलैया तक नई बीजी रेल लाइन के निर्माण के संबंध में जमुंदाहा-खेरौंध खंड के बीच किमी 34.750 से किमी 35.100 के बीच एक सिंगल लाइन बीजी सुरंग यानी सुरंग संख्या -04 (लगभग कुल लंबाई 250 आर.एम.) का निर्माण और अन्य संबंधित कार्य। **2. अंकलित मूल्य:** रु. 20,11,73,428.74 **3. निविदा प्रपत्र का लागत:** रु. 0.00 **4. अग्रधन राशि:** रु. 11,55,900.00 **5. कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 (छः) माह **6. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 23.08.2024 को 15.30 बजे अपराह्न।

ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में विना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: निविदा सूचना में किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाने पर अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। कोई भी परिवर्तन/शुदिपत्र सिर्फ IREPS वेवसाइट पर ही उपलब्ध किये जाएंगे।

कृते मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण
पूर्व मध्य रेलवे, महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/00836/सीओएनएस/ईएनजीजी/टी/24-25/44

भारत की इकॉनमी मजबूत

पिछले हफ्ते अमेरिका सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में जो गिरावट शुरू हुई, उसका असर सोमवार को भी भारतीय बाजार पर दिखा। अमेरिका में बिकवाली वहां इकॉनमी के मंदी में फंसने के डर से शुरू हुई। इस बीच, इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध की आशंका ने भी ग्लोबल सेंटिमेंट खराब किया है। अमेरिकी मार्केट में इससे पहले जो तेजी चली आ रही थी, वह ज्यादातर टेक्नॉलजी कंपनियों तक ही सीमित थी। वह भी इस वजह से क्योंकि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआइ) की बदौलत इनकी ग्रोथ तेज बने रहने की भविष्यवाणियां की जा रही थीं, लेकिन जून तिमाही के इन कंपनियों के रिजल्ट आये तो उससे मार्केट को निराशा हाथ लगी। अमेरिका में मंदी का डर बढ़ने से वहां के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की पॉलिसी को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या उसे ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देनी चाहिए थी? वैसे, मंदी का डर बढ़ने के बाद फेडरल रिजर्व कह चुका है कि वह जल्द ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा। मार्केट पर जापानी की मुद्रा येन में आयी गिरावट का भी असर हो रहा है। बैंक ऑफ जापान (जैसे भारत में रिजर्व बैंक है) ने हाल ही में ब्याज दरें बढ़ायी हैं। असल में, बड़े विदेशी निवेशक वहां बेहद कम ब्याज दरों पर कर्ज लेकर उसे भारत सहित दुनिया के दूसरे बाजारों में लगाते हैं। इसे येन कैरी ट्रेड कहा जाता है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी और येन में आयी गिरावट की वजह से अब ऐसे सौदे काटे जा रहे हैं। इससे भी मार्केट पर दबाव बढ़ा है। ग्लोबल बिकवाली की वजह से भारतीयों बाजार पर भले ही दबाव बढ़ा है, लेकिन इसकी तुलना अमेरिका के टेक्नॉलजी शेयरों में तेजी वाले मार्केट से नहीं की जा सकती। अव्वल तो भारतीय इकॉनमी बेहद मजबूत है। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 8.2% रही, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज थी। इस वित्त वर्ष में भी उसका यह दर्जा बना रह सकता है। बड़ी बात यह भी है कि भारतीय बाजार की विदेशी निवेशकों पर निर्भरता बेहद कम हो गयी है और डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स इसकी ताकत बने हुए हैं। वैसे, यह बात सही है कि भारतीय बाजार का वैल्यूएशन कुछ अधिक हो गया था, लेकिन किसी भी हाई ग्रोथ मार्केट को अक्सर ऊंचा वैल्यूएशन मिलता है। भारतीय कंपनियों की मुनाफे में बढ़ोतरी की रफ्तार को देखें तो यह वैल्यूएशन अधिक नहीं लगता। इसलिए, भारतीय निवेशकों को इस गिरावट से घबराना नहीं चाहिए। अगर उन्होंने लंबी अवधि के लिए क्वॉलिटी स्टॉक्स में निवेश किया है, तो उनके पैसा बनाने की संभावना बनी रहेगी। लेकिन यह भी सच है कि दुनिया भर के बाजारों में बिकवाली के असर से भारतीय बाजार बचे नहीं रह सकते।

ग्लोबल बिकवाली की वजह से भारतीयों बाजार पर भले ही दबाव बढ़ा है, लेकिन इसकी तुलना अमेरिका के टेक्नॉलजी शेयरों में तेजी वाले मार्केट से नहीं की जा सकती। अव्वल तो भारतीय इकॉनमी बेहद मजबूत है।

अभिमत
आजाद सिपाही

यूं मातृ दिवस को गुजरे अभी कुछ ही महीने हुए हैं। हम अपने बूढ़े माता-पिता को किस तरह बोझ समझते हैं, उनसे पीछा छुड़ाना चाहते हैं, यह घटना इसका एक उदाहरण भर है। मनाते रहिए साल में एक दिन मातृ दिवस। वैसे अपने देश में बूढ़े माता-पिता को असहाय छोड़ना कोई नयी बात नहीं है। यों माता-पिता को ईश्वर का रूप माना जाता है। मगर तीर्थ यात्रा के बहाने बहुत से वृद्धों को असहाय छोड़ दिया जाता है।

अपने बूढ़े माता-पिता को क्यों बोझ समझते हैं लोग

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों की बात है। कोलकाता का एक युवा जोड़ा घूमने के लिए कश्मीर गया। उनके साथ बूढ़ी मां भी थी। वहां मां का बेटे और बहू से झगड़ा हो गया। बस बेटे-बहू ने मां से पिंड छुड़ाने का आसान तरीका खोजा कि वे उसे अकेला छोड़ कर कोलकाता लौट गये। इस बूढ़ी महिला के पास न पैसे थे, न खाने का कोई सामान, न ही फोन कि किसी को अपनी मुसीबत के बारे में बता सके। उसे कश्मीर के बारे में भी कुछ मालूम नहीं था। कोलकाता में जब रिश्तेदारों ने बेटे-बहू को वापस आया देखा और मां को उनके साथ नहीं पाया, तो वे उसके बारे में पूछने लगे। मगर बेटा-बहू कभी कुछ कहते तो कभी कुछ। इससे रिश्तेदारों को शक हुआ। उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बेटे-बहू को पकड़ कर मां के बारे में पूछा तो वृद्धा के लड़के ने कहा कि उसकी मां और पत्नी में झगड़ा हुआ था, इसलिए वे मां को कश्मीर में ही छोड़ आये। पुलिस ने बहू-बेटे को गिरफ्तार कर लिया। फिर कश्मीर पुलिस को सूचना दी। बहुत खोजबीन के बाद वृद्धा को ढूंढा जा सका और उसे वापस कोलकाता लाया गया।

आज कल गांवों में भी बुजुर्ग अकेले और परेशान हैं। बच्चे या तो उनकी खोज-खबर ही नहीं लेते या लेते भी हैं, तो त्योहार पर ही।

पूछने पर इस वृद्ध महिला ने बताया कि वह पढ़-लिख भी नहीं सकती। उसने आशा छोड़ दी थी कि वह कभी अपने घर और अपने लोगों के बीच वापस जा सकेगी। लेकिन पुलिस ने उसे उसके घर पहुंचा दिया, इसके लिए वह पुलिस का बहुत धन्यवाद करती है। पुलिस को अक्सर ही कोसा जाता है, मगर उसके अच्छे कामों के लिए सराहना भी मिलनी चाहिए, जिससे अन्य पुलिस वाले भी प्रेरित हो सकें। इस महिला को धन्यवाद कि उसके रिश्तेदारों ने उसकी परवाह की वर्ना तो आजकल कौन किसकी परवाह करता है। तब तो और भी नहीं, जब बच्चे ऐसे अपराधों में शामिल हों। वैसे भी दूसरे के घर के मामले में क्यों बोलें और आफत मोल लें, यह सोच कर लोग किसी अपराध को देखते हुए भी खामोश बने रहते हैं। यूं मातृ दिवस को गुजरे अभी कुछ ही महीने हुए हैं। हम अपने बूढ़े माता-पिता को किस तरह बोझ समझते हैं, उनसे पीछा छुड़ाना चाहते हैं, यह घटना इसका एक उदाहरण भर है। मनाते रहिए साल में एक दिन मातृ दिवस।

जिस संतान को पालने-पोसने में उन्होंने अपनी पूरी उम्र और संसाधन लगा दिये, वह कूड़े की तरह उन्हें सड़क पर फेंक देते हैं। बूढ़ों की जनसंख्या एक अनुमान के अनुसार 10 करोड़ से ऊपर है। लेकिन समाज की मुख्य धारा से बूढ़े होते ही वे अलग कर दिये जाते हैं। सरकारों के कई नुमाइंदे विश्व भर में वृद्धों को समाज की आर्थिकी पर बड़ा बोझ बताते हैं।

वैसे अपने देश में बूढ़े माता-पिता को असहाय छोड़ना कोई नयी बात नहीं है। यों माता-पिता को ईश्वर का रूप माना जाता है। मगर तीर्थ यात्रा के बहाने बहुत से वृद्धों को असहाय छोड़ दिया जाता है। कुछ साल पहले फेसबुक पर किसी ने एक वृद्ध के एक हाइवे पर सड़क पार करने की कोशिश करने और असफल रहने के बारे में लिखा था। वृद्ध बार-बार सड़क पार करने की कोशिश करता था, मगर आते-जाते वाहनों को देख कर डर जाता था। जब इस व्यक्ति ने अपनी कार रोक कर, इस वृद्ध से पूछा कि उसे कहां जाना है, तो वह बता नहीं सका। उसे यह भी पता नहीं था कि वह कहां खड़ा है। यानी कि वह उस इलाके के लिए नया था। उसके घर वाले यह कह कर कि अभी आते हैं, उसे वहां अकेला छोड़ कर चले गये थे। तब कार वाले उस आदमी ने उसे पानी पिलाया, अपने पास रखे कुछ बिस्कुट खाने के लिए दिये। फिर अपनी कार में पुलिस के पास ले गया। फिर क्या हुआ पता नहीं। संभव है कि पुलिस ने उसे उसके घर पहुंचा दिया होगा। मगर क्या पता कि भविष्य में फिर कभी ऐसा नहीं होगा।

मशहूर लेखक प्रभु जोशी ने दशकों पहले इसी समस्या पर 'पितृऋण' नाम से कहानी लिखी थी। ये अकेले बुजुर्ग कोई और रास्ता न देख कर, तीर्थ स्थलों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और भीड़ भाड़ वाली अन्य जगहों पर भीख मांगने लगते हैं। न सिर पर छत होती है, न कोई देखभाल करने वाला। सड़कों पर या जहां जगह मिली, वहां सो जाते हैं और एक दिन इसी तरह अकेले दम तोड़ देते हैं। जिस संतान को पालने-पोसने में उन्होंने अपनी पूरी उम्र और संसाधन लगा दिये, वह कूड़े की तरह उन्हें सड़क पर फेंक देते हैं। बूढ़ों की जनसंख्या एक अनुमान के अनुसार 10 करोड़ से ऊपर है। लेकिन समाज की मुख्य धारा से बूढ़े होते ही वे अलग कर दिये जाते हैं। सरकारों के कई नुमाइंदे विश्व भर में वृद्धों को समाज की आर्थिकी पर बड़ा बोझ बताते हैं।

कोरोना के दिनों में आपने पढ़ा ही होगा कि कई देशों में बुजुर्गों के मुकाबले युवाओं को इलाज में प्राथमिकता दी गयी थी, क्योंकि लगता था कि वृद्ध तो अपना जीवन जी चुके। वे समाज के लिए अब कोई योगदान नहीं करेंगे, इसलिए युवाओं को बचाया जाये। जिनके शरीर की ताकत और ऊर्जा से समाज और देश का भला हो सके। यह सोच कितनी अमानवीय है, इस तरह की बात कहने से क्या इस पर कभी ध्यान दिया जाता है। बहुत से लोग समझते हैं कि बुजुर्गों की दुर्दशा सिर्फ शहरों में ही है, गांवों में ऐसी समस्याएं नहीं होतीं। लेकिन यह बस कहने भर के लिए तस्वीर का उज्ज्वल पक्ष है।

आज कल गांवों में भी बुजुर्ग अकेले और परेशान हैं। बच्चे या तो उनकी खोज-खबर ही नहीं लेते या लेते भी हैं, तो त्योहार पर ही। उनसे कैसे जल्दी से जल्दी मुक्ति मिले, यही कामना रहती है। कैसे इस समस्या से निपटें जब अपने ही साथ छोड़ दें।

देश-विदेश की खबरें

योगी सरकार का बड़ा फैसला

बिना विवाद पीढ़ियों की संपत्ति का होगा बंटवारा

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। अब बिना विवाद पीढ़ियों की संपत्ति का आसानी से बंटवारा हो सकेगा। खुद के जीवित रहते अपनी अचल संपत्ति को परिवारीजनों को देने में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाजन और व्यवस्थापन के लिए नयी व्यवस्था शीघ्र लागू होगी। सिर्फ 5,000 रुपये के स्टांप शुल्क के साथ अपनी अचल संपत्ति को रक्तसंबंधियों के नाम करने की बड़ी सहूलियत देने के बाद उत्तर प्रदेश में अब पारिवारिक विभाजन और व्यवस्थापन में भी बड़ी सुविधा मिलने जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिये हैं कि एक परिवार के सदस्यों के बीच अचल संपत्ति के बंटवारे और जीवित व्यक्ति द्वारा अपनी संपत्ति को अपने परिजनों के नाम किये जाने पर देय स्टांप शुल्क भी 5,000 रुपये तय किया जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक खर्च के कारण प्रायः परिवार में विभाजन की स्थिति में विवाद की स्थिति बनती है और कोर्ट केस भी होते हैं। न्यूनतम स्टांप शुल्क होने से परिवार के बीच सेटलमेंट आसानी से हो सकेगा। मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा आम आदमी के ईज ऑफ लिविंग के लिए अनेक प्रयास किये गये हैं। संपत्ति विभाजन और व्यवस्थापना प्रक्रिया में सरलीकरण से लोगों को और सुविधा होगी।

महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने संसद में दिया जवाब

फसल नुकसान का आंकलन रिमोट सेंसिंग से किया जायेगा : शिवराज सिंह चौहान

हमारी सरकार ने फसल बीमा योजना की विसंगतियां दूर की
क्लेम देने में देरी हुई, तो बीमा कंपनी 12% पेनल्टी देगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को संसद में प्रश्नकाल के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में प्रश्नों के उत्तर देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती फसल बीमा योजनाओं में कई तरह की कठिनाइयां थी, किसानों के लिए उच्च प्रीमियम थी, दावों के निपटान में विलंब होता था, किसान और किसान संगठनों को कई तरह की आपत्तियां थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नयी फसल बीमा योजना लायी और जबसे ये योजना आयी है। आप तुलना करके देख लीजिए, पहले केवल 3.51 करोड़ आवेदन आते थे, लेकिन अब 8.69 करोड़ आवेदन आये हैं, क्योंकि किसानों को भरोसा है। पहले की सरकारों में अऋणी किसानों के केवल 20 लाख आवेदन आते थे, अब 5.48 करोड़ आये हैं। पहले कुल किसान आवेदन 3.71 करोड़ थे, जो अब 14.17 करोड़ हैं। किसानों ने 32,440 करोड़ रुपये प्रीमियम दिया, जबकि उन्हें 1.64 लाख करोड़ रुपये क्लेम दिया गया।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि पुरानी फसल बीमा योजना में बीमा आवश्यक रूप से किया जाता था और बीमे की प्रीमियम की राशि बैंक अपने-आप काट लेते थे। हमारी सरकार ने इस विसंगति को दूर किया है। अब किसान की मर्जी है, तो वह बीमा करायें और मर्जी नहीं है, तो ना करायें। श्री चौहान ने कहा कि पहले अऋणी किसान बीमा नहीं करवाता था, लेकिन अब वो भी चाहे तो बीमा करवा सकता है। अब तक इसमें 5 लाख 1 हजार हेक्टेयर कवर हुआ, जो 2023 में

बढ़ कर 5.98 लाख हो गया है, वहीं 3.97 करोड़ किसान कवर हुए हैं और किसान निरंतर फसल बीमा योजना अपना रहे हैं। योजना सरल बनाने हेतु सरकार ने अनेक उपाय किये हैं, जिससे कि योजना का लाभ लेने में किसानों को कोई दिक्कत और परेशानी ना हो।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक और नवाचार किया गया है। अब नुकसान का आंकलन नजरी नहीं, रिमोट सेंसिग के माध्यम से कम से कम 30 प्रतिशत करना अनिवार्य कर दिया गया है। कई बार क्लेम भुगतान में देरी होती है। अगर देरी होती है, तो बीमा कंपनी 12% पेनल्टी देगी, जो सीधे किसान के खाते में जायेगी। अगर हम देरी के कारण देखें, तो अधिकांश राज्यों द्वारा प्रीमियम सब्सिडी में अपने हिस्से को देरी से जारी करना सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि मैं सभी राज्य सरकारों से निवेदन करता हूं कि अपना हिस्सा जारी करने में देर ना करें। कई बार उपज के आंकड़े विलंब से प्राप्त होते हैं। कुछ मामलों में बीमा कंपनी और राज्यों के बीच विवाद सामने आता है।

पहले एक व्यवस्था थी कि जब राज्य सरकार अपनी राशि जारी करती थी, तभी केंद्र सरकार अपना हिस्सा देती थी, लेकिन केंद्र सरकार ने अब एक प्रावधान किया है और राज्य सरकार के शेयर से खुद को को डी-लिंक कर लिया है, इसलिए अब केंद्र अपना शेयर तत्काल जारी करेगी, ताकि किसान के भुगतान में देरी ना हो। किसान को कम से कम केंद्र की राशि समय पर मिल जायें।

एल्युमीनियम उत्पादक हिंडाल्को पर केस दर्ज

कोयला खनन के लिए पर्यावरण मंजूरी हासिल करने में किया भ्रष्टाचार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सीबीआइ ने 2011 से 2013 के बीच कोयला खनन के लिए पर्यावरण मंजूरी हासिल करने में कथित भ्रष्टाचार को लेकर आदित्य बिड़ला समूह की देश की अग्रणी एल्युमीनियम उत्पादक हिंडाल्को के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय में तत्कालीन निदेशक टी चांदिनी को भी मंत्रालय के दिशानिर्देशों का उल्लंघन कर ओड़िशा के झारसुगुडा के अत्यधिक प्रदूषित इलाके में तालाबीरा-1 खदान में खनन की अनुमति देने में विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (इएसी) के सदस्य सचिव के तौर पर कंपनी का पक्ष लेने के लिए नामित किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने करीब आठ साल की प्रारंभिक जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने 2016 में प्रारंभिक जांच इन आरोपों के बाद शुरू की थी कि आदित्य बिड़ला प्रबंधन निगम प्राइवेट लिमिटेड (एबीएमसीपीएल) ने तालाबीरा से कोयला खदान के लिए अनिवार्य पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने के लिए मंत्रालय के अधिकारियों को 2011 और 2013 के बीच कथित तौर पर भारी रिश्वत दी थी। जांच के निष्कर्षों से पता चलता है कि मंत्रालय ने 2006 में एक कंपनी के लिए सभी नई परियोजनाओं, मौजूदा उत्पादों के विस्तार और मौजूदा विनिर्माण इकाई में उत्पाद मिश्रण में किसी भी तरह के बदलाव के लिए पर्यावरण मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। जिन परियोजनाओं को पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता थी, उन्हें इएसी के माध्यम से जाना था, जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शामिल थे। नियामक प्राधिकरण ने ईएसी की सिफारिश के आधार पर यह मंजूरी दी थी।

हिंडाल्को को तालाबीरा-1 खदान से 0.4 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) कोयले के खनन के लिए 2001 में अपनी पहली पर्यावरणीय मंजूरी मिली। इसके विस्तार के लिए जनवरी 2009 में एक और मंजूरी दी गई थी, जिससे खनन में 0.4 एमटीपीए से 1.5 एमटीपीए तक की वृद्धि हुई थी। दूसरी मंजूरी के लगभग एक महीने बाद, कंपनी ने अपनी क्षमता को 3 एमटीपीए तक दोगुना करने की मांग की, जिस पर इएसी द्वारा विचार किया जाना था।

प्राथमिकी में कहा गया है कि यह बात सामने आयी है कि कंपनी ने 2001 और 2009 में दी गयी मंजूरियों का कथित तौर पर उल्लंघन करते हुए मंत्रालय द्वारा अनुमति से अधिक कोयला उत्पादन किया। कंपनी ने कथित तौर पर 2004-05 से 2007-08 और 2008-09 तक 3.04 एमटीपीए अतिरिक्त कोयले का खनन किया। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि यह तथ्य ईएसी द्वारा विचार की प्रक्रिया के दौरान सामने आया, जिसके निदेशक टी चांदिनी सदस्य सचिव थे। सीबीआई ने आरोप लगाया कि ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के दौरान पुष्टि की कि तालाबीरा खदान झारसुगुडा के अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्र में थी।

केंद्रीय कर्मियों-पेंशनरों को झटका

18 महीने के 'डीए' का एरियर नहीं देगी सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों को तगड़ा झटका दे दिया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को राज्यसभा में स्पष्ट तौर से बता दिया है कि कोरोनाकाल के दौरान सरकारी कर्मियों का जो 18 फीसदी डीए/डीआर रोका गया था, अब उसका एरियर नहीं मिलेगा। राष्ट्रीय परिषद स्टाफ साइड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने डीओपीटी के सचिव से आग्रह किया था कि 18 माह के 'डीए' का एरियर, कर्मियों का हक है। केंद्र सरकार के कर्मियों व पेंशनरों को कोरोनाकाल के दौरान रोके गये डीए/ डीआर का एरियर जारी किया जाये। राज्यसभा सदस्य जावेद अली खान और रामजी लाल शर्मा ने सदन में सवाल पूछा था कि क्या सरकार, कर्मचारियों को कोरोनाकाल के दौरान रोके गये डीए/डीआर के एरियर का भुगतान जारी करने के लिए सक्रिय है या नहीं।

लैंड फॉर जॉब केस में इडी ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की

लालू, तेजस्वी समेत 11 को बनाया आरोपी

दिल्ली की राउज एवेन्यू की स्पेशल कोर्ट में 13 को होगी सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने लैंड फॉर जॉब केस में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू की स्पेशल कोर्ट में दायर इस चार्जशीट में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव समेत 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसके साथ ही जांच एजेंसी की तरफ से 96 नए डॉक्यूमेंट भी पेश किये गये हैं। वहीं स्पेशल जज विशाल गोगने ने चार्जशीट और डॉक्यूमेंट के वेरिफिकेशन के लिए मामले को 13 अगस्त को लिस्ट किया है। यानी अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी ।

जनवरी में पहली सप्लीमेंट्री दायर हुई थी : इससे पहले 7 महीने पहले जनवरी में इडी की तरफ से पहली सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की गयी थी। उस दौरान लालू यादव बेटी हेमा यादव को भी आरोपी बनाया गया था। सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हेमा यादव के अलावा राबड़ी देवी, मीसा भारती, अमित कात्याल, हृदयानंद चौधरी समेत कुल सात लोगों को आरोपी बनाया गया था। सूत्रों की मानें तो इसमें दो कंपनी भी शामिल हैं, जिनका नाम फिलहाल अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बहुरूपियों को सबक सिखलाने के लिए तैयार है गढ़वा की जनता : मंत्री

अंजान शहीद के समीप दानरो नदी पर छह करोड़ की लागत से बनेगा उच्च स्तरीय पुल

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के गढ़वा सदर प्रखंड अंतर्गत मधेया पंचायत में अंजान शहीद के समीप दानरो नदी पर पांच करोड़ 90 लाख 90 हजार 600 रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया जायेगा। ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ग्राम सेतू योजना के तहत इसका निर्माण किया जायेगा।

जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि पुल निर्माण की स्वीकृति झारखंड सरकार ने प्रदान कर दी है। जल्द ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जायेगा। मंत्री ने बताया कि दानरो नदी पर लगभग 152.16 मीटर लंबी पुल का निर्माण किया जायेगा। यह मधेया-भरठिया रोड को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से मधेया, भरठिया, महुपी, सोनपुरवा, उमरा टिकर, उड़सुगी आदि गांव की करीब 10 हजार से अधिक आबादी को इसका लाभ मिलेगा। मंत्री ने कहा कि काफी लंबे समय से क्षेत्र के ग्रामीण उक्त स्थल पर पुल निर्माण की मांग कर रहे थे। इस पुल के निर्माण से इस क्षेत्र के ग्रामीणों को गढ़वा और शाहपुर रोड में जाने के लिए दूरी काफी कम हो जायेगी। उन्हांने कहा कि आज गढ़वा में चप्पे-चप्पे पर छोटी से बड़ी विकास योजनाएं चलायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज से साढ़े चार साल पूर्व तक गढ़वा में मूलभूत सुविधाओ का घोर अभाव था। परंतु पिछले साढ़े चार साल में काफी विषम परिस्थितियों के बावजूद गढ़वा पूरी तरह से विकसित क्षेत्र बन चुका है। मंत्री ने कहा कि जो लोग आज घूम घूमकर गढ़वा में हो रहे विकास कार्यों में कमियां ढूंढ रहे हैं। इस चुनाव में अपना सुर, ताल एवं राग बदल कर पूरे क्षेत्र में अलाप करते चल रहे हैं, उन्हें अपने कार्यकाल में दो-चार उपलब्धियों को जनता के बीच बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि झूठ के दम पर चुनावी नैया पार करने वाले लोग जनता को बेवकूफ बनाना बंद करें। ऐसे लोगों को जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। परंतु गढ़वा की जनता इस बार पैंतराबाजों को सबक सिखलाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

गढ़वा की अस्मत से खिलवाड़ करना बंद करें मंत्री : सत्येंद्र

गढ़देवी मंदिर के तोरण द्वार पर मंत्री मिथलेश द्वारा अपने माता पिता का नाम लिखवाने पर भड़के पूर्व विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा है कि गढ़देवी मंदिर जो झारखंड ही नहीं, अन्य राज्यों में भी विख्यात और प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर हिंदू भावनाओं से जुड़ा हुआ है तथा गढ़वा वासियों के आस्था का प्रमुख केंद्र है। लेकिन मंत्री मिथलेश ठाकुर गढ़देवी मंदिर के तोरण द्वार पर अभी दो दिन पूर्व अपने माता-पिता का नाम इस तरह से लिखे हैं जैसे उनके माता-पिता ही गढ़ देवी मंदिर की स्थापना किए हैं। मंत्री जी ने उस गेट पर (तोरण द्वार) शब्द लिखना भी मुनासिब नहीं समझा।

पूर्व विधायक ने कहा कि मैंने पहले भी कई अवसरों पर बोला है कि ये आक्रमणकारी हैं। ये ईस्ट इंडिया कंपनी के तर्ज पर पूर्व मंत्री गिरीनाथ सिंह के सहयोग से जमीन माफियागिरी करने के साथ-साथ अब यहां के देवी-देवताओं को भी हड़पने का असफल प्रयास कर रहे हैं। जिसे कभी किसी कीमत पर गढ़वावासी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि राज्य से बाहर होने की स्थिति में मैं समस्त गढ़वावासियों से विनम्र आग्रह करता हूं कि इस तरीके के जनप्रतिनिधि जो ईस्ट इंडिया कंपनी के तर्ज पर यहां की संप्रभुता पर आक्रमण करे, उसके विरुद्ध बड़ी लड़ाई लड़ने की भी आवश्यकता पड़े, तो हमें लड़कर अपने मान सम्मान की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी मंत्री जी ने मुझे मानहानि सहित तीन मुकदमा में गलत तरीका से फंसा कर मेरी आवाज को दबाने का नाकामयाब प्रयास किया है। पर मैं जब तक जिंदा रहूंगा, गढ़वा के मान सम्मान की रक्षा के लिए अपनी जान देने से भी पीछे नहीं हटूंगा। बाकी जरूरत पड़ा तो मंत्री के घर पर भी हमला करके गढ़वा के अस्मत की रक्षा करने का काम करूंगा। इसके लिए अगर कोई सबसे ज्यादा जिम्मेवार है तो गिरिनाथ सिंह है। जिन्होंने चंद रुपये के स्वार्थ में साढ़े चार वर्ष तक मंत्री के काली कमाई में कमीशन लेकर मंत्री के खिलाफ एक शब्द भी बोलने का साहस नहीं किया और अब मंत्री के इशारे पर दोबारा लोगों को दिग्भ्रमित करते घूम रहे हैं। श्री तिवारी ने कहा कि मैं तो अभी भी आपको एक सलाह देता हूं कि आप गढ़देवी मंदिर के तोरण द्वार से अपने माता-पिता का नाम अपने हाथों जाकर मिटाएं। जिससे गढ़वावासियों की आत्मा को ठंडक और शांति मिले। ऐसा कर-के आपके सानो शौकत पर असर नहीं पड़ेगा।

आज जेबीकेएसएस की लहर पूरे झारखंड में फैल चुकी है : सुरेश

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के द्वारा स्थानीय पहाड़ी शिव मंदिर के प्रांगण में प्रखंड अध्यक्ष उज्वल गुप्ता की अध्यक्षता में सम्मान समारोह आयोजित की गयी। मौके पर जिलाध्यक्ष सुरेश प्रसाद साह ने कहा कि आज जेबीकेएसएस की लहर पूरे झारखंड में फैल चुकी है। रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा को लेकर राज्य के युवाओं का रुझान जेबीकेएसएस की तरफ है। केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के नेतृत्व में पार्टी झारखंड के कुल 60 विस सीटों पर चुनाव लड़ेगी तथा खनिज संपदा से परिपूर्ण इस राज्य से बेरोजगारी दूर करने की काम करेगी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश पासवान, हरिशंकर, अजय यादव, पंकज कुमार, महासचिव विकास कुमार, सचिव पंकज यादव, अभय कुमार पासवान, विजय महतो, शिवपारस बियार, सोनू, बाबी गुप्ता, मिश्री सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

परमेश्वरी मेडिकल सेंटर ने चलाया जागरूकता अभियान

अंतरराष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह पर पर दवाइयां वितरण कर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ग्रीन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में स्थानीय परमेश्वरी मेडिकल सेंटर चिनिया रोड में महिलाओं के बीच जागरूकता और दवाइयों का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर नीतू सिंह और डॉक्टर निशांत सिंह द्वारा महिलाओं को स्तनपान से होने वाले फायदे और बच्चों और महिलाओं को इससे क्या-क्या फायदे होते हैं इसके बारे में बताया गया। डॉ नीतू सिंह ने कहा कि महिलाओं को बच्चों के जन्म के बाद जो पहला पीला दूध आता है। वह जरूर बच्चों को पिलाना चाहिए। क्योंकि इसमें बच्चों को आगे आने वाले रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान होती है तथा उनकी पाचन शक्ति अच्छी होती है। ऐसे बहुत सारे पोषक तत्व हैं, जो हम छोटे बच्चों को बाहरी तौर पर नहीं दे सकते हैं। अतः 6 महीने तक कम से कम माता को अपने बच्चों को स्तनपान जरूर कराना चाहिए। क्लब के स्वास्थ्य चेयरपर्सन लायन डॉक्टर निशांत सिंह ने महिलाओं से कहा कि स्तनपान कराने से सिर्फ बच्चों को ही फायदा नहीं होता, बल्कि महिलाएं भी कई रोगों से बच सकती है। स्तनपान कराने से वह सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और जोड़ों के दर्द आदि बीमारियों से बच सकती हैं। इस अवसर पर परमेश्वरी मेडिकल सेंटर के द्वारा आयरन कैल्शियम की दवाइयां वितरित की गयी। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन उमाकांत पांडे ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक फिटनेस और स्वास्थ्य के महत्व को पहुंचना है। क्लब के महिला स्वास्थ्य चेयरपर्सन लायन इंदु अग्रवाल ने कहा कि स्तनपान सप्ताह के माध्यम से हम लोगों को प्रेरित करना चाहते हैं। इस अवसर पर लायंस क्लब रीजन फॉर के रीजन चेयर पर्सन लायन उमेश अग्रवाल क्लब के सचिव लायन नीरज कमलापुरी, पूर्व अध्यक्ष विजय सोनी, सुजाता अग्रवाल, कुसुम पांडे विनीता आनंद, शोभा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दिशोम गुरुजी ने दिया डंडा प्रखंड और रंका अनुमंडल : झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस जारी कर पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह को यादाश्त ठीक करने की सलाह दी है। झामुमो के जिला प्रवक्ता कार्तिक पांडेय और रंका प्रखण्ड अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा है कि रंका को अनुमंडल बनाने का श्रेय सिर्फ और सिर्फ झारखण्ड मुक्ति मोर्चा को जाता है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मधु कोड़ा सरकार में उपमुख्यमंत्री सह गृहमंत्री रहे झामुमो विधायक दल के नेता स्वयं सुधीर महतो की अनुशंसा पर मधु कोड़ा कैबिनेट की अंतिम बैठक में रंका और जगन्नाथपुर को अनुमंडल बनाने पर मुहर लगी थी और चार अक्टूबर 2008 को तब के मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रिमों शिबू सोरेन के कर कमलों से रंका अनुमंडल और डंडा ब्लॉक का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया गया है। उस समय सरकार के सहयोगी दल रहे राजद विधायक के तौर पर समारोह में उपस्थित रहने से कोई अनुमंडल और प्रखंड बनाने का श्रेय लेना चाहे तो यह काफी हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि आदिम जनजाति समाज बहुल भंडरिया, बरगढ़, चिनियां, रमकंडा के लोगों की सुविधा के लिए झामुमो ने 1998 से जैक उपाध्यक्ष और तत्कालीन झामुमो नेता सूरज मंडल के रंका दौरे के समय से मांग किया गया है। रंका को अनुमंडल बनाने की मांग काफी पुरानी थी जिसे झामुमो नेता रहे स्व० सुबोध कुमार और मो० जुबेर ने गुरु जी शिबू सोरेन के साथ उस समय की मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से भी की थी और उस आवेदन पर बिहार मुख्यमंत्री सचिवालय की चिट्ठी आज भी सुरक्षित है। ऐसे में एक विधायक रहे नेता का यह कहना कि रंका अनुमंडल और डंडा ब्लॉक हमने बनाया है यह अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने वाली कहावत सिद्ध होता है।

शिक्षकों का सभी तरह का देय भुगतान सुनिश्चित किया जाये : असरफी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। नव पदस्थापित जिला शिक्षा अधीक्षक गढ़वा अनुराग मिंज को असरफी राम विधायक प्रतिनिधि सह सचिव क्षारखंड पेंशनर कल्याण समाज गढ़वा और शयाम बिहारी राम संयुक्त सचिव पेंशनर कल्याण समाज द्वारा गुलदस्ता भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया गया। अनुरोध किया गया कि जिला में जो शिक्षकों की लंबित समस्याएं है, उसे उच्च प्राथमिकता देकर निष्पादित करने का कष्ट किया जाय। उनसे यह भी अनुरोध किया गया कि सेवा निवृत्त शिक्षकों की लंबित पेनसनरी लाभ को कैंप लगाकर उनके सभी तरह के देय भुगतान सुनिश्चित किया जाय।

अमानवीय व्यवहार करने वाले बीडीओ सत्यम पर हो कार्रवाई : रामचंद्र केशरी

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी ने जिले के उपायुक्त को आवेदन देकर सगमा बीडीओ सह धुरकी प्रखंड के रहे प्रभारी बीडीओ सत्यम कुमार द्वारा अनुसूचित जनजाति के गुप्ता गौड़ के साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार करने को लेकर बीडीओ पर कार्रवाई करने की मांग किया है। उपायुक्त को दिये आवेदन में उन्होंने कहा है कि कई जांच टीम के द्वारा अनुमंडल में जांच कर मंतव्य के साथ रिपोर्ट मांगा गया था, लेकिन बीडीओ सत्यम कुमार ने सभी जांचों को प्रभावित किया। गुप्ता गौड़ के आवेदन पर कभी जांच नहीं किया गया। उपायुक्त को दिये आवेदन में कहा गया है कि अनुसूचित जनजाति के गुप्ता गौड़ के साथ बुरी तरह मारपीट करने तथा सत्यम कुमार के द्वारा धुरकी के प्रभार में रहते रात-रात भर बालू पार कराने तथा पूरे प्रखंड क्षेत्र में माफिया गिरी करने और गरीबों से पैसा ठगने की अनेकों शिकायत मिली है। गुप्ता गौड़ को रात्रि 10:00 बजे उसे बालू माफिया कह कर उनके द्वारा पीटा गया। आवेदन में कहा गया है कि सगमा प्रखंड मात्र 5 पंचायतों का छोटा सा प्रखंड है। सगमा बीडीओ द्वारा मारपीट करना आम बात है, वह चाहे गरीब आदिवासी के साथ ही क्यों ना किया गया हो। गुप्ता गौड़ के द्वारा विगत 28 जून को दूसरी बार मेरे पास आवेदन दिया गया जिसमें साफ-साफ लिखा गया है कि उपायुक्त द्वारा विगत 8 जुलाई 2024 को जांच कर अपने मंतव्य के साथ जांच प्रतिवेदन एक सप्ताह के अंदर मांगा गया था, जो की गुप्ता गौड़ के आवेदन पर जांच किया ही नहीं गया। एक बीडीओ को दूसरे बीडीओ (धुरकी) का जांच दे दिया जाता है. उन्होंने आवेदन में लिखा है की सगमा प्रखंड के एक व्यक्ति को झूठा केस में फंसा कर जेल भेज कर जनता के बीच काफी खौफ पैदा कर दिया गया है, जिसका जीता जागता उदाहरण गुप्ता गौड़ है।

धनरोपनी छोड़ कर आयी महिलाएं नहीं कर पायी आवेदन, सात घंटों के बाद निराश लौटीं

जितेंद्र यादव

डंडई (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में लाभुकों का ऑनलाइन आवेदन करने में इंटरनेट का सर्वर डाउन होने से इस कार्य में लगे कंप्यूटर ऑपरेटरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम अनुकूल होने के बावजूद गांव की महिलाएं अपने खेतों में धान रोपनी छोड़ बड़ी संख्या में महिलाएं आवेदन देने के लिए पंचायत भवन पहुँच रही है। लेकिन दिन भर इंतेजार करने के बाद भी महिलाओं को को निराश होकर घर लौटना पड़ रहा है, साथ ही शिविर में महिलाओं के साथ आये उनके बच्चों और वृद्ध अभिभावकों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सर्वर डाउन के चलते शिविर में आवेदनों का त्वरित ऑनलाइन निष्पादन नहीं होने से प्रखंड क्षेत्र में धनरोपनी का कार्य प्रभावित हो रहा है। महिलाओं ने कहा, खेती बारी छोड़ कर आ रही हूं। रारो पंचायत भवन में आवेदन लेकर पहुंची महिला आशा देवी, आरती देवी, सरिता देवी, यशोदा देवी समेत कई महिलाओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि धान रोपनी का समय चल रहा। उसे छोड़कर आ रही हूं। अगर इसी प्रकार की स्थिति रही तो खेती बारी कैसे होगी। सरकार को कोई वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए।

चार दिनों में 50 आवेदनों का ही ऑनलाइन निष्पादन हो सका : बताते चले कि प्रखंड के 9 पंचायतों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत ऑनलाइन इंट्री के लिए कुल 3083 आवेदन पड़े है, जिसमें चार दिनों के अंदर करीब 50 आवेदनों का ही ऑनलाइन निष्पादन हो सका है। जानते चलें कि इंटरनेट सुविधा की कमी व ऑनलाइन पोर्टल के सर्वर डाउन होने के कारण 5 अगस्त को मात्र 15 आवेदन का ही ऑनलाइन इंट्री और निष्पादन हो सका।

सरकार को सर्वर ठीक करना चाहिए : बिष्णु यादव

झोतर मुखिया प्रतिनिधि बिष्णु यादव ने बताया कि पिछले चार दिनों से महिलाएं सभी कागजात को लेकर पंचायत भवन शिविर में पहुंच रही है। ऑपरेटर को कागजात दिया जाता है, लेकिन ऑपरेटर जैसे ही साइट पर सभी कागजातों को अपलोड करते हुए इंटर करने का प्रयास करता है, तो सर्वर बैठ जाता है। कहा जा रहा है कि सर्वर पर लोड बढ़ने की वजह से यह परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि योजना तो बेहतर है लेकिन इसे काफी हड़बड़ी में लॉच कर दिया गया, योजना धरातल पर उतारने से पहले पूरी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाना चाहिए था। ताकि किसी को परेशानी नहीं हो। लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार ठाकुर ने कहा कि चार दिनों से महिलाएं परेशान है, सरकार को सर्वर ठीक करनी चाहिए।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, रांची।

ई प्रोक्योरमेंट नोटिस
प्रथम अल्प कालिन निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा आमंत्रण संख्या– DWSDHATIAPROJECTRANCHI/OM/02/2024-25
दिनांक – 06/08/2024

1	कार्य का नाम	Operation and maintenance (O&M) of Hatia Water supply scheme for three years under D.W. & S. Division, Hatia Project, Ranchi
2	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	10,33,49,105.00 (दस करोड तैतीस लाख उन्नचास हजार एक सौ पाँच)
3	अग्रधन की राशि (रूपये में)	1050000.00 (दस लाख पच्चास हजार)
4	कार्य समाप्ति की अवधि	छतीस माह
5	परिमाण विपत्र का मुल्य (रूपये में)	10,000.00 (दस हजार)
6	बेवसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/08/2024 को पूर्वा० 11.00 बजे से।
7	प्री बिड बैठक की तिथि एवं समय	12/08/2024 को अ0 3.30 बजे अभियंता प्रमुख, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची के कार्यालय कक्ष में।
8	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	20/08/2024 को अपराह्न 03.00 बजे तक।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	21/08/2024 को अपराह्न 04.00 बजे।
10	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची।
11	जिनके द्वारा निविदा खोली जायेगी का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची।
12	प्रोक्योरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं0	9204931335
13	ई प्रोक्योरमेंट सेल का सहायता केन्द्र नं0	9931100907

1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई–गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, राँची के आदेश सह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान सम्बेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही सम्बेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी है।
4. विस्तृत जानकारी के लिए बेबसाईट http//:jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।
5. निविदा बिना कारण बताये कभी भी संशोधित या रद्द किया जा सकता है।
6. राज्य सरकार द्वारा निर्गत अद्यतन आदेश / परिपत्र लागु होगें।
7. केवल ई निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
हटिया योजना, राँची।

PR 331977 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

GOVT. OF JHARKHAND
DRINKING WATER & SANITATION MECH. DIVISION,RANCHI

E-Procurement
SHORT E- AUCTION NOTICE
E-Auction Notice No. - DWSMD/RANCHI/01 (Auction - 2024-25)

Sl. No.	Name of Schemes	Estimated Cost (Rs)	Earnest Money (Rs)	Cost of Tender Paper (Rs)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6
1	Auction/disposal of scraps and unserviceable materials lying in the Section/Sub Division Store under D.W. & S. Mechanical Sub Division, Ranchi.	10,03,525.00	20100.00	2500.00	30 Days

1	Date of publishing on website	08/08/2024 at 02.00 PM
2	Last date & time for online receipt of bid (i.e. Tender documents, Cost of BOQ, EMD)	23/08/2024 at 03.00 PM
3	Date of online opening	24/08/2024 at 03.00 PM
4	Place for online opening of bids	Office of the Superintending Engineer, D. W. & S. Mech. Circle. Ranchi
5	Name & address of office inviting tender	Executive Engineer, D.W. and S. Mech. Division, Ranchi. Zila School Campus Water Tower, near Jain Mandir, Upper Bazar, Ranchi – 834001
6	Contact no of Procurement office	0651-3577997, 9431161242 Email ID :- dwsdmechranchi@gmail.com

नोट – 1. केवल ई–निलामी ही स्वीकार किये जायेंगे ।
2. उपरोक्त किसी तिथि को अवकाश घोषित होने पर अगले कार्य दिवस की तिथि को माना जायेगा ।
3. निलामी की सूचना तथा नियम शर्ते की जानकारी वेबसाईट www.prdjharkhand.in, प्रमण्डलीय तथा अंचल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । निलामी की जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमण्डल,राँची

PR 331968 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

झारखण्ड राज्य ग्रामीण पथ विकास प्राधिकरण (JSRRDA)
एफ०एफ०पी० भवन, तृतीय तल्ला, धूर्वा, राँची –834004, झारखण्ड

अल्पकालीन ई– पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना (3rd Call)
PR No: 318238 Dated 08.02.2024

अल्पकालीन ई–पुनर्निविदा संख्या:- **46/2024-25** दिनांक :- 05.08.2024
मुख्य अभियंता, जे०एस०आर०आर०डी०ए०, राँची द्वारा निम्नविवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र० सं०	आईडेन्टी फिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड का नाम		कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि अंक में (लाख में)	प्राक्कलित राशि अक्षर में (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3		4	5	6	7
1	JH-M-JSR-12/2023-24	चाकुलिया	1	एल083 – एल037 से फुलडीहा (VR 83) तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं० – 2.000 कि०मी०)	1452.822	चौदह करोड़ बावन लाख बिरासी हजार दो सौ रू० मात्र	15 महीना
		चाकुलिया	2	श्यामसुन्दरपुर पथ से खैरबनी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं० – 0.800 कि०मी०)			
		चाकुलिया	3	चाकुलिया बेंद रोड़ से तलपाल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं० – 3.700 कि०मी०)			
		चाकुलिया	4	बेंद रोड से जगन्नाथपुर तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं० – 5.500 कि०मी०)			
		चाकुलिया	5	सरसबाद से बैकुठपुर तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं० – 2.550 कि०मी०)			
		चाकुलिया	6	आमड़ाँगरा से कनीमहुली तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं० – 1.700 कि०मी०)			

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:–**08.08.2024**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– **13.08.2024** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–**14.08.2024** .अपराह्न 5.00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– मुख्य अभियंता का कार्यालय, जे०एस०आर०आर०डी०ए०, राँची, एफ०एफ०पी० भवन, तृतीय तल्ला, धूर्वा, राँची –834004, झारखण्ड।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं०– .....

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट **jharkhandtenders.gov.in** में देखा जा सकता है। अभियंता प्रमुख
ग्रामीण कार्य विभाग–सह–
जे०एस०आर०आर०डी०ए०, राँची

PR 332047 Rural Work Department(24-25)#D

आटा चक्की ब्लास्ट होने से युवक की मौत, दो बच्चे घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र अन्तर्गत सेन्हा जंगल मुहल्ला के समीप आटा चक्की ब्लास्ट होने से एक युवक की मौत हो गयी। वहीं इस घटना में दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के पश्चात बेहतर इलाज के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार सेन्हा जंगल मुहल्ला निवासी महबूब अंसारी का 21 वर्षीय पुत्र असफाक अंसारी घर पर गेंहू पिसाई का काम करता था। वह मंगलवार को भी गेंहू पिसाई कर रहा था। उसी दौरान अचानक चक्की ब्लास्ट कर गया। जिसे आटा चक्की चला रहे असफाक अंसारी घायल हो गया। साथ वही खड़ा 6 वर्षीय तंजील अंसारी और 3 वर्षीय साकिब अंसारी भी गंभीर रूप से घायल हो गये। जिसे बाद सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा ले जाया गया। जिसे प्राथमिक उपचार के पश्चात बेहतर इलाज के लिये सदर अस्पताल भेज दिया गया।

वहीं अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही असफाक अंसारी की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही सेन्हा पुलिस मौके पर पहुंच जांच में जुट गयी है।

वाहन जांच में नौ हजार रुपये जुर्माने की वसूली

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। सेन्हा थाना के समीप वाहन जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार के निर्देश पर जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के क्रम में हेलमेट, ट्रिपल सवारी, वाहन का कागजात तथा ड्राइविंग लाइसेंस सहित वाहन से सम्बंधित अन्य चीजों का जांच यातायात प्रभारी एस आई सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में दल बल के साथ वाहन जांच अभियान चलाया गया। वही जांच के दौरान हेलमेट, वाहन का कागजात में त्रुटि पाये जाने पर ग्यारह वाहनों से लगभग नौ हजार रुपया जुर्माना के तौर पर वसूला गया। वहीं यातायात प्रभारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। बढ़ते हुए सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने के उद्देश्य से वाहन जांच किया जा रहा है। वही वाहन चालकों को निर्देश देते हुए कहा कि वाहन से सम्बंधित सभी तरह का कागजात साथ ले कर चलें और हेलमेट का उपयोग करें। मौके पर कृष्ण कुमार गुप्ता, विरेन्द्र कुमार, अरविन्द कुमार साह सहित अन्य उपस्थित थे।

जमशेदपुर की खबरें

राज्य की 48 लाख माता बहनों को मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से किया जायेगा आच्छादित : रामदास

आजाद सिपाही सवांददाता

घाटशिला। झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से विधानसभा स्तरीय बैठक मंगलवार को माटी कला भवन लालडीह में प्रखंड अध्यक्ष के साथ विधायक रामदास सोरेन ने बैठक किया। बैठक में सर्वप्रथम उन्होंने विधानसभा के सभी प्रखंड अध्यक्षों से सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि तकनीकी त्रुटि के कारण कुछ समस्या उत्पन्न हुई है समस्या का निदान किया जा रहा है। जल्द ही पूरे राज्य के 21 वर्ष से 49 वर्ष तक की 48 लाख माता बहनों को जोड़ा जायेगा। किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। साथियों होने स्वर्गीय निर्मल महतो की शहादत दिवस 8 अगस्त को जमशेदपुर के उलियान स्थित समाधि स्थल पर समय से कार्यकताओं को पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि उक्त कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन, पूर्व सीएम चंपई सोरेन, कल्पना सोरेन सहित कई मंत्री एवं विधायक शामिल होंगे।

हिंदू समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक थे स्वामी करपात्री महाराज : बिंदेश्वर

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। मंगलवार को ब्रह्मलीन स्वामी करपात्री महाराज की 117वीं जयंती मनाया गया। स्वामी करपात्री सेवा आश्रम परिसर मसमानो में रुद्राभिषेक सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विंदेश्वर उरांव ने कहा कि धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज सनातन धर्म संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आजीवन संघर्षरत रहे है। उन्होंने अखिल भारतीय रामराज्य परिषद् के माध्यम से कांग्रेस को चुनौती देकर सही रास्ते पर लाने का प्रयास किया था। स्वामी करपात्री महाराज हिन्दू समाज के लिए सच्चे पथ प्रदर्शक थे। विहिप के प्रदेश परावर्तन प्रमुख अनिल कुमार गुप्ता ने स्वामी करपात्री महाराज को हिन्दू समाज का आदर्श बताया। इस मौके पर स्वामी कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी ने देवदुर्लभ मानव जीवन को सार्थक करने के लिए आह्वान किया। मौके पर मुरली धर अग्रवाल, प्रदीप शूक्ला, बबलू महतो, अभय कुमार महतो, नवीन कुमार पटेल, अशोक कांस्यकार, लक्ष्मीनारायण भगत, मुकेश प्रसाद सिंह, लाल त्रिलोक नाथ साहदेव सहित सैकड़ों भक्त जन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के लाभुक अब प्रज्ञा केंद्रों में जमा कर सकेंगे आवेदन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार द्वारा संचालित झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के भरे हुए आवेदन फॉर्म अब जिला के 317 प्रज्ञा केंद्रों में भी जमा होंगे। इस योजना के अंतर्गत 21-50 वर्ष की महिलाओं को राज्य सरकार प्रतिमाह 1 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करेगी जिसके लिए लोहरदगा जिला के सभी 66 पंचायत भवनों और नगर परिषद क्षेत्र में बनाये गए केंद्र में फॉर्म प्राप्त और जमा किये जा रहे हैं। अब इसके अलावा लोहरदगा जिला में सभी 317 प्रज्ञा केंद्रों में भी आवेदन फॉर्म लिया और भरकर जमा किया जा सकता है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत राज्य में 21 वर्ष से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार,महिला सशक्तिकरण, उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुनिश्चित करने के लिए यह राज्य सरकार एक महत्कांक्षी योजना है। सभी पंचायत भवन, शहरी क्षेत्र में बनाये गये केंद्र एवं सभी 317 प्रज्ञा केन्द्र में आवेदन स्वीकार किये जा रहें हैं। शिविर 03 अगस्त 2024 से प्रारंभ है जो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक संचालित है। उक्त जानकारी सामाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक प्रमोद दास ने दी।

गायत्री परिवार से जुड़ी सामाजिक नेत्री का निधन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। गायत्री परिवार लोहरदगा से जुड़ी सामाजिक नेत्री, धर्मनिष्ठ, मृदुभाषी और मिलनसार महिला किरण देवी नहीं रही। वह 54 वर्ष की थीं। सोमवार देर रात 12:30 बजे उन्होंने महादेव आश्रम नावाडीपाड़ा, लोहरदगा स्थित देवकुंज भवन में अंतिम सांस लिया। किरण देवी लोहरदगा गायत्री परिवार और लोहरदगा गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टी राजेंद्र प्रताप देव की पुत्रवधू और शहर के जाने-माने सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता बलबीर देव की धर्मपत्नी थीं। वह अपने पीछे एक पुत्र विश्वजीत देव और तीन पुत्रियां पूजा, अर्चना, निशा समेत भरापूरा परिवार छोड़ गयी हैं। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। उनका इलाज वेल्लोर और रांची में चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को उनके पैतृक गांव सेन्हा प्रखंड के बदला पंचायत अंतर्गत आराहांसा नदी तट पर किया गया।

डॉ. अनुग्रह नारायण +2 उच्च विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया

कैरो/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कैरो जिला लोहरदगा के अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय स्थित डाक्टर अनुग्रह नारायण +2 उच्च विद्यालय परिसर मे 06 अगस्त मंगलवार को 40 औषधिय एवं फलदार पौधो का विद्यालय परिवार एवं अतिथियों के द्वारा किया गया पौधोरोपण। इस अवसर पर परिसर में आम, पीपल, नीम, अमरूद, लीची, शीशम, सागवान, अशोक इत्यादि वृक्षों का किया गया पौधारोपण। मौके पर कैरो प्रखंड निवर्तमान प्रखंड उप-प्रमुख मधुलिका रानी ने वृक्षारोपण के पश्चात पत्रकारों से कहा मानवीय जीवन में हर एक व्यक्ति को पेंड़-पौधे लगाना चाहिये। जिस प्रकार प्रतिदिन कल कारखाने से निकले प्रदुषण सभी जीवों के लिये हानिकारक होते जा रही है। वही वातावरण की शुद्धता एवं पर्यावरण को संतुलित रखने हेतू वृक्षारोपण आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश शास्त्री, प्रखंड बीस सूत्री सदस्य शरत कुमार विद्यार्थी, शिक्षक आनंद कुमार दुबे,राजेश साहू के अलावा अन्य शिक्षक भी पौधारोपण कार्यक्रम मे उपस्थित थे।

चोर को पकड़ कर ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

भंडरा (आजाद सिपाही)। भंडरा थाना क्षेत्र के कुम्बाटोली गांव में बीती रात अज्ञात चोरों को ऑटो चोरी करते हुए ग्रामीण रंगे हाथ पकड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ कर भंडरा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि ग्रामीणों की आवाज सुन मौके से बाकी चोर फरार हो गये। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि निवासी जमाल अंसारी रोजाना की तरह अपने घर के बाहर ऑटो खड़ा कर सोने चला गया था। इसी बीच कुछ अज्ञात चोरों ने ऑटो चोरी कर ले जा रहे थे। जिसकी भनक घर वालों को लगते ही शोरगुल कर स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घर से 400 फीट की दूरी पर ऑटो सहित एक चोर को धर दबोचा। बाकी चोर मौके से फरार हो गये।

पल्स पोलियो अभियान को लेकर टास्क फोर्स की बैठक

इसी माह टीकाकरण शत प्रतिशत किया जाये : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में पल्स पोलियो कार्यक्रम (25 अगस्त 2024) को लेकर मंगलवार को जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पल्स पोलियो कार्यक्रम को सफल बनाने, पल्स पोलियो कार्यक्रम के दौरान आनेवाले बच्चों के पूर्ण टीकाकरण के सर्वेक्षण और डेटा प्रबंधक को इससे संबंधित डेटा संग्रह और एनालिसिस रिपोर्ट तैयार करने का निदेश दिया गया। इससे पूर्व उपायुक्त द्वारा प्रखंडों में पूर्ण टीकाकरण के स्थिति की समीक्षा की गयी और उपलब्धि पर रोष व्यक्त किया गया। निदेश दिया गया कि इस माह टीकाकरण का कार्य सभी प्रखंडों में सौ प्रतिशत कर लिया जाए। आवश्यकता पड़ने पर शिविर लगाया जाए। प्रखण्ड स्तर पर कर्मियों की कमी रहने पर जिला मुख्यालय से टीम भेज का कर कार्य संपन्न कराया जाये। टीकाकरण कार्यक्रम में जन्म के समय दिया जानेवाला टीका, बीसीजी, पेंटा-1, पेंटा-3, मिजल्स व एमआर का पहला डोज, एफआई और मिजल्स एमआर का दूसरा डोज शामिल है। बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित गणमान्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया शिविर का निरीक्षण

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने मंगलवार को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत सेन्हा के अरु पंचायत सचिवालय भवन में संचालित शिविर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभुकों को दी जा रही सुविधाओं, आवेदन पत्र का पोर्टल पर अपलोड करना समेत बिंदुओं का अवलोकन किया। साथ ही प्रखंड व अंचल अधिकारी को निदेश दिया कि जो भी आवेदिका शिविर में आएं उन्हें आवेदन पत्र दिया जाय और भरा हुआ आवेदन पत्र जमा लिया जाए। किसी भी लाभुक को आवेदन पत्र प्राप्त करने और जमा करने में समस्या नहीं हो। भरा हुआ आवेदन पत्र जमा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए पर्याप्त कम्प्यूटर ऑपरेटर्स शिविर में रहें। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं।

नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज में ओपीडी, आइसीयू और आपातकालीन सेवाएं शुरू, ओपीडी सेवा निशुल्क

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सावन महीने के तीसरे सोमवारी को सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर स्थित नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन संस्थान के कुलाधिपति मदन मोहन सिंह व धर्मपत्नी ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह मौजूद रहे। आपातकालीन सेवा में ट्रोमा, आईसीयू, एनआईसीयू, सीटी स्कैन, एक्स-रे, पैथोलॉजी, डायलिसिस, सर्जरी, डिलीवरी नॉरमल एंड सिजेरियन जैसी सुविधा 24 7 उपलब्ध रहेगी। सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा सेवाएं भी दी जायेगी। 650 बेड वाली मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध है। वैसे ए ब्लॉक यूनिट पूर्व से ही संचालित है। कम खर्चे में अच्छी सेवाएं दी जा रही है। आपातकालीन सुविधा प्राप्त करने के लिए दो नंबर भी जारी किया गया। इन नंबरों पर फोन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।कुलाधिपति मदन मोहन सिंह ने बताया मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में सभी तरह की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आम जनता कम खर्चे में अच्छी सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। ओपीडी सेवा निशुल्क रहेगा। सिर्फ इलाज का ही खर्चा देना होगा जो कि अन्य प्राइवेट हॉस्पिटल से 50% कम दर में रहेगा। शिक्षा के बाद नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अलग ही कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। पटना के बिहटा स्थित नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज का अस्पताल पूर्व से ही संचालित हो हैं। पोखारी में नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी कॉलेज से भी छात्रों का चयन करके आदित्यपुर नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज में लाया जायेगा। गरीबों के लिए ओपीडी सेवा फ्री कर दी गई है। जिसमें आम से खास व्यक्ति फ्री ओपीडी सेवा का सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। आदित्यपुर में मेडिकल कॉलेज बनने से स्थानीय नागरिकों को रोजगार के साथ-साथ चिकित्सा का भी लाभ मिल रहा है।

अमलगम कंपनी के अधिकारी का संदिग्ध अवस्था में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर थाना अंतर्गत होटल क्रूज के कमरा नंबर 315 से अमलगम कंपनी के अधिकारी एस मूर्ति रंजन मृत अवस्था में पाये गये। जो की मूल रूप से उड़ीसा के खुरदा का निवासी बताया जा रहा हैं। सूचना मिलने पर पहुची पुलिस जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वही पुलिस परिजनों के आने का इंतजार में है। ताकि आवेदन के आलोक में आगे की कार्रवाई की जा सके। मिली जानकारी के अनुसार 4 अगस्त से मृतक होटल क्रूज के कमरा संख्या 315 में रुके थे। बीती रात खाना खाने के बाद मृतक अपने कमरे में सोने चले गये। सुबह जब कंपनी नहीं पहुंचे और बार-बार फोन करने पर भी उन्होंने फोन रिसीव किया तब कंपनी के अधिकारी और कर्मी होटल पहुंचे। होटल के दूसरे चाबी से उनके कमरे का दरवाजा खुलवाया। जहां एस मूर्ति रंजन दास अपने बेड पर बेसुध पड़े मिले। इसकी सूचना होटल प्रबंधन की ओर से पुलिस को दी गयी। पुलिस के द्वारा उन्हें टीएमएच भेजा गया। जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मामला संदिग्ध प्रतीत हो रही है।

वैसे इस संबंध में ना तो कंपनी प्रबंधन की ओर से कुछ बताया जा रहा है ना ही होटल प्रबंधन की ओर से। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

झारखंड पोर्टल में मंइयां सम्मान योजना पूरी तरह फेल : आयुब खान

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता अयुब खान ने प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा है कि मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का फॉर्म मंगलवार को भी एक पंचायत में करीब 25-30 ही फार्म भरा पाया इसके बाद सर्वर दिन भर स्लो रहा।

चौथे दिन भी सर्वर स्लो रहा, प्रज्ञा केंद्र के भरोसे रहने से सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फ्लॉप होने के कगार पर पहुंच गयी है। साथ ही फॉर्म नहीं भरे जाने से महिलाओं की परेशानी दिन प्रतिदिन और बढ़ती जा रही है, वे छोटे छोटे बच्चों को लेकर दिन भर पंचायत भवन में समय बित रहा है, शाम होकर वे निराश लौट जा रही हैं। जिस तरह से इस योजना में महिलाओं की रुची दिखाई दे रही है उससे लगता है कि वेबसाइट सर्वर से जुड़े ग्रुप इसे फेल करने में अपनी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। प्रज्ञा केंद्र की सर्वर जिस तरह से काम कर रहा इससे लग रहा है कि यह योजना सफल नहीं होगी। सर्वर की तकनीकी खामियां तीन दिन के बाद भी अबतक ठीक नहीं हो पायी है, या ठीक करने की मुख्यमंत्री का निर्देश का असर नहीं पड़ रहा है, इसे ठीक करने में किसी की रुची नहीं हैं। इस योजना के कार्य में जो लोग जुड़े हुए उसे देखकर यह लगता है कि शिर्फ टाईम पास किया जा रहा है। राज्य सरकार इस योजना का फॉर्म अपलोड करने में जितना प्रज्ञा केंद्र में जोर दे रही इतना जोर अपने झारखंड पोर्टल में फॉर्म अपलोड करने पर जोर देती तो आज माहौल कुछ और ही होता है। झारखंड पोर्टल का सर्वर सरकारी कार्यालयों में काफी तेजी से काम कर रहा है। अयुब खान ने प्रज्ञा केंद्र में वेबसाइट सर्वर की परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री से झारखंड पोर्टल में मंइयां सम्मान योजना का फार्म इंट्री कराने की मांग किया है।

फलदार पौधों के संरक्षण और संवर्द्धन से आर्थिक उन्नयन संभव : नीरज कुमार

बगडू में हिंडाल्को सीएसआर के तहत पांच सौ फलदार पौधों का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। हिंडालको सीएसआर के तहत आर्थिक उन्नति एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत आसपास के ग्रामीण किसानों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया। फलदार पौधों में आम एवं लीची के उन्नत किस्म के 500 पौधों का वितरण हिंडालको सीएसआर प्रमुख नीरज कुमार की उपस्थिति में महिला एवं पुरुष किसानों के बीच वितरण किए गये।

इस मौके पर नीरज कुमार ने कहा कि फलदार पौधों के संरक्षण एवं संवर्द्धन से आपका आर्थिक उन्नयन संभव हो सकेगा। बगडू खान प्रबंधक राज सिन्हा ने पौधरोपण को आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से कारगर है। कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी भास्कर सिन्हा ने किया।

कार्यक्रम में विदुषी बहुगुणा, भास्कर सिन्हा, अनिल सिंह, रूपक दुबे, प्रदुमन कुमार, वीरेंद्र गोप, मंजू, अनीता के अलावा ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे कार्यक्रम में हिस्ट्री दलदलीय बगरू छपी कर गए भुसावल आदि के ग्रामीण लाभांवित हुए।

नीमडीह पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। एसपी के निर्देश पर जिले में चल रहे ऑपरेशन प्रहरी के तहत सोमवार को नीमडीह पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को नीमडीह थाना गेट के समीप लगाये गये एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उनके पास से चोरी के तीन मोटरसाइकिल बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी में कांड्रा निवासी सुधीर मंडल उर्फ अंडा उर्फ सुबीर उर्फ अजय, आदित्यपुर बेलडीह अमित सरदार उर्फ धमना चौका के खूंटी निवासी जय प्रकाश लोहार उर्फ बाबला शामिल है। पूछताछ के बाद तीनों युवकों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ में अपने अन्य साथियों का भी नाम सामने आया है। गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है। एसपी ने मुकेश कुमार लुणायत ने बताया क्राइम चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर तीनों बाइक सवार बाइक छोड़कर भागने लगे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों द्वारा खडेड़ कर तीनो को पकड़ा गया। पूछताछ के क्रम में जानकारी मिली तीनों बाइक चोरी के हैं। इसके बाद तीनों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

एजिस फेडरल कार्यालय में एएल और एडवाइजरो ने ब्रांच प्रमुख्य को दी बधाई

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर में इन्सुरेंस सेक्टर की ओर लगातार आगे बढ़ रही एजिस फेडरल का लाभ अब सीधे जनता के बीच पहुचने लगी है। एजिस फेडरल इन्सुरेंस से जुड़े घरेलू महिला, पुरुष, युवा व युवतियों का कार्य के प्रति रुझान भी देखने को मिल रही है। वैसे एडवाइजर के कार्यशैली से कस्टमर को भी संतुष्टि मिल रही है। मंगलवार को बिस्टुपुर स्थित एजिस फेडरल कार्यालय में ब्रांच प्रमुख्य मुनेंदर सिंह का स्पेसल दिन हर्षउल्लास के साथ मनाया गया।

सिसई विधायक ने 107 विद्यार्थियों के बीच किया साइकिल का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत 56 बालक व 51 बालिकाओं को साईकिल का वितरण किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार द्वारा गरीब जनता के चहुंमुखी विकास व आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने को लेकर दर्जनों योजनाएं चलायी जा रही है। वर्तमान में 21 वर्ष से 50 वर्ष की सभी महिलाओं को एक-एक हजार रुपए की मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं दूर दराज क्षेत्रों से स्कूल पढ़ने आने जाने वाले विद्यार्थियों की परेशानियों को देखते हुए हेमंत सरकार द्वारा स्कूली बच्चों को साइकिल वितरण योजना के तहत मुफ्त साइकिल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत सिसई प्रखंड में कुल 1574 विद्यार्थियों को साईकिल वितरण किया जायेगा। इसके तहत मंगलवार को 107 छात्र-छात्राओं को साइकिल का वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रकाश उरांव, बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रौशन खलखो, कल्याण पदाधिकारी शैलेश प्रसाद यादव, बीपीओ सुप्रिया, अंजुमन सदर सलमान अली, पंसस सिसई जाकीर अंसारी, लकेया मुखिया सुगिया देवी, शिक्षक गण, सीआरपी, बीआरपी, छात्र -छात्राएं सहित कई लोग मौजूद थे।

जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन, उपायुक्त ने सुनी शिकायतें

लोगों ने आवास, राशन और सड़क की समस्याओं से कराया अवगत

संबंधित विभागों को दिया कार्रवाई का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में प्रत्येक मंगलवार को जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया जाता है। जन शिकायत निवारण दिवस में दूर दराज से आए रहे लोगों को देख उपायुक्त के दिशा निर्देश पर कुछ माह पूर्व ई-जन शिकायत का भी आयोजन किया जा रहा था एवं उसके टेस्ट करने के पश्चात अब नियमित रूप से जिले के ई जन शिकायत का भी आयोजन किया जायेगा। जिसमें जिले के दूर दराज में रहने वाले नागरिक अपने नजदीकी ब्लॉक ऑफिस में जाकर ऑनलाइन मध्यम से अपनी शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रख सकते हैं। इसी क्रम में उपायुक्त के द्वारा उनके कार्यालय में आम नागरिकों से

मिलने से पूर्व उन्होंने ई जन शिकायत का आयोजन किया जिसमें विशुनपुर, सिसई एवं घाघरा प्रखंड के लगभग 51 आवेदकों ने ऑनलाइन वीडियो कॉल के मध्यम से उपायुक्त से मुलाकात की एवं उनकी शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। जिसमें मुख्य समस्या बारिश से घर ध्वस्त, अबुवा आवास, राशन एवं सड़क की थी।

प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को ई जन शिकायत का भी होगा आयोजन, आवेदक पूर्वाह्न 10:30 बजे अपने नजदीकी ब्लॉक ऑफिस में जाकर जुड़ सकते हैं उपायुक्त से ऑनलाइ माध्यम से उपायुक्त के निर्देश के आलोक में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से ई जन शिकायत का आयोजन किया जाएगा।

जन शिकायत निवारण दिवस के तहत आज जिले के दूर दराज से लगभग 30 से अधिक आवेदकों ने उपायुक्त से मुलाकात की। कामडरा प्रखंड के गाड़ा निवासी बसंत खेस द्वारा आवेदन समर्पित कर बताया कि मुझे अग्निवीर के लिए जाति प्रमाण पत्र की अतिआवश्यक है। आवेदक द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाने का मांग किया। उपायुक्त द्वारा संबंधित विभाग को आवश्यक दिश निर्देश देते हुए शीघ्र बनाने को कहा गया।

गुमला प्रखंड गाड़ी मोहल्ला टोटो निवसी जीरा देवी द्वारा आवेदन समर्पित कर बताया कि मैं कच्चा मकान में रहती हूँ। मेरा घर बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें रहने में काफी कठिनाई हो रही है। आवेदक द्वारा आवास की मांग की गई। उपायुक्त द्वारा आवेदन पत्र को प्रखंड विकास पदाधिकारी गुमला को अग्रेतर कर्रवाई करने हेतु निर्देश दिया। इसके आलावा आवेदकों द्वारा आवास योजना का लाभ लेने ,जमीन संबंधित, कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन करने, विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने, राशन पेंशन योजना आदि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए उपायुक्त ने सभी आवेदकों से मुलाकात की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

मिशन बदलाव के संयोजक ने कंप्यूटर कोचिंग सेंटर का उद्घाटन किया

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला जिला स्थित खरका गांव में शैलपुत्री कंप्यूटर कोचिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया। सेंटर का उद्घाटन मुख्य अथिति मिशन बदलाव सयोजक भूषण भगत, नगर अध्यक्ष ज्योति वर्मा,बिमला कुजूर, माजदा खातुन, सूरज कुमार मुखिया अनुराग उरांव और संचालक दिलीप उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। जहां पर बच्चों को कंप्यूटर की शिक्षा दी जायेगी। मौके पर मौजूद मुख्य अतिथि भूषण भगत ने कंप्यूटर की गुणवत्ता एवं उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज का परिवेश में कंप्यूटर की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। कंप्यूटर के बिना मानव जीवन लगभग वर्तमान में अधूरा है। वर्तमान समय मे कंप्यूटर का महत्व बढ़ गया है। बिना कंप्यूटर ज्ञान के कोई भी छात्र अपने जीवन मे बेहतर नही कर सकता है। इसलिए सभी बच्चों को कंप्यूटर की शिक्षा प्राप्त करना चाहिए। ज्योति वर्मा ने कंप्यूटर सेंटर गांव के मील का पत्थर साबित होगा। संस्थान के संचालक दिलीप उरांव ने कहा की हमारा संस्थान बच्चों की कम शुल्क में बेहतर कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कर उन्हें रोजगार युक्त बनायेगा। इस कार्यक्रम में मुखिया अनुराग उरांव ने बताया कि संस्थान बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का कार्य करेगी।

शंख नदी का पुल टूटने के 7 वर्ष बाद भी प्रशासन मौन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। रायडीह के मरियम टोली में दो दिनों से लगातार हुई मुसलाधार भारी वर्षा से शंख नदी में जलस्तर में वृद्धि हुई है।नदीयां उफन रही है। रायडीह प्रखंड के मरियम टोली में शंख नदी पर बने पुल के सतह को नदी का जलस्तर छूने से पाँच फीट कम रह गया है। बताते चलें कि इस पुल के बीचों बीच का एक खंभा 2017 में आये भारी वर्षा के जलधारा के वेग से नीचे धंस गया और क्षतिग्रस्त हो गया है। जो कभी भी दुर्घटना ग्रस्त हो सकता है। लेकिन ग्रामीण मजबूरन जोखिम उठाकर इसी पुल से आना जाना करते हैं।साथ ही चार पहिया वाहन, टेम्पू, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल का आवागमन होता है। यह कहना भी कड़वा सच होगा कि इसी तरह की तेज वर्षा निरंतर होती रहे तो निःसंदेह किसी ना किसी दिन धंसे पुल के पिलर को उफनाई नदी की जलधारा बहा कर ले ही जायेगी

और कोई बड़ा हादसा हो जायेगा। पुल के क्षतिग्रस्त होने के 7 वर्ष गुजर गये हैं। लेकिन जिला प्रशासन ने अभी तक कोई सार्थक पहल नहीं किया है। पुल का मरम्मती के बजाय शायद प्रशासन कोई बड़ा हादसा का इंतजार कर रहा है। पुल यदि टूट गया तो रायडीह प्रखंड के केमटे पंचायत बरसात में टापू बन जायेगा। पुल के बीच में गड्ढा होने से आए दिन वाहन दुर्घटना ग्रस्त होते रहते हैं। नये और तेज रफ्तार वाहन को पता नहीं चल पाता कि वहां गड्ढा है जिसके बाद अनियंत्रित हो जाते हैं और दुर्घटना हो जाती है। अगर तत्काल में टूटे पिलर की मरम्मत नहीं की जाती है तो कई किसी बड़े अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता है।

ऑनलाइन रसीद काटना बंद हो : पुष्कर महतो

झारखंड आंदोलनकारी को मान सम्मान व अधिकारों को लेकर संघर्ष मोर्चा ने सांस्कृतिक कला केंद्र भवन में सभा का किया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा गुमला जिला के तत्वावधान में रायडीह प्रखंड कार्यालय प्रांगण स्थित सांस्कृतिक कला केंद्र भवन में सभा का आयोजन किया गया। सभा के पश्चात प्रखंड कार्यालय के व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितता का विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा अधिकृत पदाधिकारी संजय ओहदार को ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर आंदोलनकारियों ने मांग किया कि आंदोलनकारियों को राजकीय मान- सम्मान ,अलग पहचान, रोजी -रोजगार नियोजन की गारंटी एवं सम्मान पेंशन राशि 50 -50 हजार रु. देने की मांग

की गई। झारखंड आंदोलनकारियों को 15 अगस्त ,15 नवंबर एवं 26 जनवरी को राजकीय मान- सम्मान से सम्मानित करना सुनिश्चित किया जाये। किसानों को ऑनलाइन रसीद काटने की दिशा में प्राथमिकता के साथ कर सुलभ सुविधा दिए जाएं। ऑनलाइन के साथ-साथ मैन्युअल रसीद भी दिया जाना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन यथा वृध्दा पेंशन, विधवा पेंशन व विकलांग पेंशन 25 सौ रुपये देने की मांग की गयी। सभा में 24 अगस्त 2024 को रांची में झारखंड अलग राज्य के मूल्य एवं आंदोलनकारियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प सभा का आयोजन रांची के मोरहाबादी में करने का ऐलान किया गया।

मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड राज्य के मूल्य एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सरकार करें। ऑनलाइन लगान रसीद काटकर झारखंडियों को जल, जंगल, जमीन एवं हमारे खतियान से बेदखल करने का साजिश -षड्यंत्र किया जा रहा है। जिसे आंदोलनकारी कदापि बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मिट्टी से फिसलकर गिरा युवक गंभीर रूप से घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। बिशुनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बगीचा मोड़ के समीप हल जोतने वाले ट्रैक्टर के गिरे मिट्टी से फिसल कर बाइक सवार सीवर टोली बिशुनपुर निवासी युवक 21 वर्षीय सुनील लोहरा गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में उसके शरीर के कई हिस्से में चोट लगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर में प्राथमिक इलाज के बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया गया। जानकारी के मुताबिक दो युवक बिशुनपुर से घूम कर अपने गांव लौट रहे थे तभी आगे चल रहे हल जोतने वाले ट्रैक्टर से मिट्टी सड़क पर गिरा जिसमें बाइक का चक्का स्लिप कर गया और दोनों युवक सड़क पर गिर गये। पीछे बैठे युवक को हल्की चोट लगी जबकि सुनील को गंभीर चोट लगी। सुनील का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। 06 अगस्त 2024 दिन मंगलवार को सावन मंगलवारी के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ गुमला के तत्वधान में घाटों बगीचा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन सुबह 9 बजे से किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्मदेव के द्वारा पूजन एवं हवन कार्यक्रम मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम पंचकुंडीय यज्ञ-हवन का कार्यक्रम कराया गया। पूजन कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात उपस्थित सैकड़ो लोगों के बीच में महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रह्मदेव कुमार, लक्ष्मी विश्वकर्मा, मीरा देवी, संजू देवी, प्रतिमा देवी, प्रमोद सिंह, जगदीश केसरी, गोलू केसरी, रश्मि केसरी, राखी केसरी, निशि कुमारी, यशोदा देवी सहित सैकड़ो की संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

लकड़ी का बोटा लदा ट्रक जब्त

भरनो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कुसुमबाहा मोड़ के समीप रांची गुमला मुख्य मार्ग में वन विभाग की टीम गस्ती के दौरान एक 407 गाड़ी साल की लकड़ी 18 बोटा लदा हुआ को पकड़ा। जिसकी कीमत 70,000 हजार रुपया है। ड्राइवर भागने में कामयाब हुआ। घटना मंगलवार की अहले सुबह 5 बजे की है। वही प्रभारी फॉरेस्टर राकेश मिश्रा ने कहा अवैध लकड़ी परिवहन करने वालों पर पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। वन विभाग की टीम अवैध लकड़ी परिवहन करने वालों के विरुद्ध में लगातार अभियान चलाएगी। वन विभाग की टीम में वनरक्षी सतीश भगत, प्रवीण तिर्की आदि शामिल थे।

लोंडरा गांव के युवक ने लगायी फांसी

भरनो (आजाद सिपाही)। करंज थाना अंतर्गत लोंडरा गांव निवासी राम प्रसाद लोहरा 26 वर्ष ने अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। प्राप्त जानकारी के सोमवार रात खाना खाकर मृतक अपने कमरे मे चला गया शुभह जब काफी लेट तक दरवाजा नहीं खुला तब घर वालो ने दरवाजा तोड़ कर अंदर गये तो देखा राम प्रसाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। आत्महत्या के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इसकी सूचना मिलने पर करंज थाना प्रभारी आशीष केशरी बल दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया।

सिमडेगा में तेज बारिश ने मचायी तबाही, बहे पुल

आजाद सिपाही संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा में सोमवार देर रात हुई तेज बारिश ने काफी तबाही मचाई है। कहीं रोड कटे, कहीं पुल बहे तो कहीं ग्रामीण के घर गिरे। बता दें कि सिमडेगा में बीती देर रात तेज हवा के साथ मूसलाधार बारिश हुई थी। इस बारिश के कारण सिमडेगा के जपकाकोना से भेलवाडीह जाने वाली पीएमजेएसवाई सड़क पर बना पुलिया नीचे से खोखला हो गया और सड़क का लगी हिस्सा पानी में बह गया। जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत होने लगी है। वहीं जपकाकोना से कुम्हारबांध जाने वाली सड़क पर बने पुलिया भी खतरे में आ गयी है। पुलिया के ऊपर से पानी बहने लगी है और सड़क कटने लगा है। पंचायत के मुखिया गंगाधर लोहारा को जब इसकी जानकारी मिली तो वे जिला में बात कर इसके मरम्मत करने की बात कही है। वहीं दूसरी तरफ इस बारिश ने शाहपुर पंचायत के बोंबो टोली में झरीयो देवी नामक गरीब महिला के घटकर एक हिस्सा धंसा दिया है। भरी बरसात घर क्षतिग्रस्त होने से यह परिवार परेशान है इसने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगायी है। इस मामले में जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी पैकरा ने कहा कि मुखिया से वहां का निरीक्षण करवाएंगे और जिला अधिकारियों को बोलकर वहां की समस्याओं को दूर करवायेंगे।

मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्य से संबंधित समीक्षा बैठक

भरनो (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को आगामी विधान सभा चुनाव के लेकर मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्य से संबंधित बीएलओ के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई ।जिसकी अध्यक्षता बसिया एसडीओ जयवंती देवगम एवं बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने किया। बैठक में उपस्थित सभी बीएलओ को नये मतदाताओं का नाम जोड़ने सहित अन्य दिशा निर्देश दिये गये। बीडीओ ने कहा कि गलती से भी कोई भी मतदाता का नाम सूची में ना छूटे इसकी जवाबदेही बीएलओ की होगी ।घर घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कार्य समय पर पूरा करें। बैठक में सभी सुपरवाइजर एवं बीएलओ उपस्थित थे।

अनुश्रवण समिति की टीम ने घाघरा की कई पंचायतों में किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। पशुपालन विभाग के अनुश्रवण समिति की टीम ने घाघरा के कई पंचायतों में जाकर मंगलवार को निरीक्षण किया। जहां विभाग द्वारा दिए गए पशुधनों में सुअर, बकरी सहित अन्य पशुओं के लाभुकों के घर जाकर निरीक्षण किया। इस क्रम में मौजूद अनुश्रवण समिति के दल में शामिल पर्यवेक्षक डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि पशुपालन विभाग के निदेशालय से अनुश्रवण समिति का गठन कर पूरे 24 जिलों में लाभुकों से मिलकर वस्तु स्थिति जानने का निर्देश प्राप्त हुआ। इसके बाद मंगलवार को हमने घाघरा प्रखंड के कई पंचायत में

लाभुकों के यहां जाकर पशुधन की वस्तु स्थिति को जाना। साथ ही डॉ. विनोद कुमार ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री योजना की जांच करना, वैक्सीनेशन की रख-रखाव, टीकाकरण में वैक्सीनेशन कितने हैं, साथ ही कृत्रिम गभार्धान केंद्र की जांच भी हमारी टीम ने किया। वहीं मौजूद क्षेत्रीय कुकुट प्रक्षेत्र के डॉक्टर संतोष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत प्राप्त परिसंपत्ति क्या स्थिति है, वर्ष 2022 में पशुपालन विभाग द्वारा सुअर दिया गया लाभुक से मिलने पर स्थिति काफी बढ़िया पाई गई। वे अपने पशुधन को मेहनत कर खूब बढ़ाएं हैं। इधर बतातें चलें कि हाल के दिनों में लाभुकों को दिया गया बकरी व अन्य पशुधन की भी निरीक्षण किया गया जिनकी भी संतोष जनकस्थिति प्राप्त हुआ। इस मौके पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर सीमा एक्का, क्लर्क वितेश कुमार सहित कई लोग शामिल थे।

ई जन शिकायत को लेकर बीडीओ ने की बैठक

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय परिसर के सभागार में ई जन शिकायत को लेकर बीडीओ ने किया बैठक। डीसी ने सुना ऑनलाइन समस्या घाघरा प्रखंड कार्यालय परिसर के सभागार में ई जन शिकायत को लेकर बीडीओ दिनेश कुमार ने बैठक किया। बैठक में डीसी ने ऑनलाइन होकर लोगों की समस्या सुनी। इस क्रम में 14 मामले पानी,बिजली,सड़क, आवास,व जमीन विवाद से संबंधित ग्रामीणों द्वारा शिकायत बताया गया। वही डीसी कर्ण सत्यार्थी ने समस्या से संबंधित सभी का लिखित आवेदन की रिपोर्ट जिला भेजने का निर्देश बीडीओ दिनेश कुमार को दी। ताकि सभी आवेदनों पर तत्वार्थ कार्रवाई करते हुए इसका निष्पादन हो सके इसके साथ ई जन शिकायत पोर्टल में पड़े शिकायत से संबंधित कई जानकारी ली। मौके पर अंचलाधिकारी असीस कुमार मंडल,अशोक कुमार, संजय पांडे, नीतीश कुमार, सहित कई कर्मी और ग्रामीण उपस्थित थे।

बोलबा थाना मंदिर का जीर्णोद्धार के साथ हनुमान मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा

आजाद सिपाही संवाददाता

बोलबा। बोलबा प्रखण्ड मुख्यालय स्थित थाना परिसर में बजरंगबली मन्दिर का प्राण-प्रतिष्ठा किया गया । इस मौके पर बताया गया कि पूर्व में बना मन्दिर जीर्ण शीर्ण हो गया था । साथ ही हनुमान मूर्ति भी खण्डित हो गया था । सर्व सम्मति से मन्दिर की भव्य तरीके से जीर्णोद्धार किया गया इसके साथ ही बजरंगबली का नया मूर्ति बैठाकर विधिवत हवन- पूजन किया गया । इस मौके पर पूर्व थाना प्रभारी विकास कुमार महतो यजमान के रूप में तथा पुरोहित प0 मंटू महाराज, परमेश्वर पंडा, संजय मिश्रा, पारस मणि दास, विद्याधर दास मौजूद थे । कार्यक्रम के आरम्भ में कलश यात्रा निकाला गया जो बोलबा शंख नदी से जल उठाया गया ।

जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में थाना प्रभारी सोनू पाठक, ग्रामीण इंद्रदेव सिंह, कृष्ण प्रसाद जायसवाल, सुरजन बड़ाईक, बिनोद बड़ाईक, अजय जायसवाल, मोतीराम सेनापति, रंजीत शाह एवं अन्य लोगों का सहयोग रहा ।

डीएवी स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। मंगलवार 06/08/2024 को डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में प्रतिभा सम्मान समारोह 'प्रोत्साहन' का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी नई दिल्ली के कोषाध्यक्ष सह एलएमसी चेयरमैन नानक चंद एवं विशिष्ट अतिथि डीएफओ गुमला अहमद बिलाल अनवर थे।

इस अवसर पर विशेष रूप से डीएवी पब्लिक स्कूल्स झारखंड जोन-आइ सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉ गुलाम नबी खान, डीएवी लोहरदगा प्रधानाचार्य जीपी झा, डीएवी सिमडेगा प्रधानाचार्य सुजय मिश्रा, एलएमसी सदस्य देवसागर सिंह उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. रमाकांत साहू ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि सीबीएसई दसवीं तथा बारहवीं परीक्षा में डीएवी गुमला के विद्यार्थियों ने पूरे ज़िले ही नहीं राज्य में भी विद्यालय का परचम लहराया है। यह गर्व की बात है कि डीएवी ने जो शिक्षा, मूल्य दिये, वह सोसायटी तक पहुंच रही है। हमारे शिक्षकों ने जो नैतिकता का बीजारोपण किया है, वह आने वाले समय में समाजहितकारी होगा। उन्होंने अतिथियों को उनके आगमन तथा विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए धन्यवाद दिया।

नानकचंद ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यहां के विद्यार्थियों ने शिक्षा के साथ अन्य क्षेत्रों में भी राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया है। जीवन में कभी भी हार नहीं माननी चाहिए यदि हम ईमानदारी पूर्वक प्रयास करते हैं तो अपने लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेंगे। अहमद बिलाल अनवर ने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचाइयां छू रहे हैं। किसी बच्चे का स्टेट टॉपर में नाम आना मामूली बात नहीं है। डॉ गुलाम नबी खान ने कहा कि हम विद्यार्थियों के होलिस्टिक डेवलपमेंट के लिए तत्पर हैं। उन्होंने बच्चों को कहा कि सूरज के जैसे चमकना है तो सूरज के जैसे तपना होगा। उन्होंने सफलता के लिए 4 पी- पैशन, प्रैक्टिस, परसिवियरेंस ,पेशेंस की बात की। उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की।

संदीप प्रसाद को बनाया गया भाजपा गुमला जिला युवा अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

गुमला (आजाद सिपाही)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निदेर्शानुसार युवा प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने गुमला जिला के जुझारू कार्यकर्ता संदीप प्रसाद को भाजपा युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। इसके बाद भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारी ने संदीप को शुभकामनाएं दी है। वही संदीप कुमार काफी लंबे समय से पार्टी से लगातार जुड़कर समाज सेवा का कार्य करते रहे हैं। साथ ही कई धार्मिक और सामाजिक संगठन से उनका जुड़ाव रहा है। संदीप प्रसाद ने छात्र नेता के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी। 2007 के छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से चुनाव भी लड़े थे। इसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रदेश कार्य समिति में उन्हें शामिल किया गया। छात्र राजनीति से निकलकर बीजेपी के युवा मोर्चा में ग्रामीण मंडल के महामंत्री, जिला में मंत्री और जिला महामंत्री के बाद भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष तक का सफर तय किया है। बधाई देने वालों में सांसद सुदर्शन भगत, समीर उरांव, जिला अध्यक्ष शिव प्रसाद, मंगल सिंह भोक्ता, अरविंद मिश्रा, मिसिर कुजूर, शकुंतला उरांव, खुशमन नायक, देवेंद्र लाल उरांव, कमलेश उरांव, अनूप चंद अधिकारी, सविंदर सिंह, गायत्री देवी, बालकेश्वर सिंह, विकास सिंह, सहित काफी संख्या में कार्यकताओं के नाम हैं।

हर मोर्चे पर विफल हो चुकी राज्य सरकार को जनता उखाड़ फेंकेगी : नरेंद्र पांडेय

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने किया विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांव का दौरा, मोदी सरकार की गिनायीं उपलब्धियां

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर वरीय भाजपा नेता सह पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुमार पांडेय ने क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। श्री पांडेय ने विश्रामपुर विस क्षेत्र के राजहरा, कविलासी, लेदुका, बंदला, बसना, ब्रह्मोरियां, अमावा, सेमरी, गुरहा, मुरमा, केतात, डंडीला, गोदरमा, बरवाडीह सहित कई गांवों में जाकर लोगों से मिले। इस दौरान कई गांवों में लोगों ने उनका जोरदार स्वागत भी किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और समाधान हेतु सार्थक पहल करने का भरोसा दिलाया। श्री पांडेय ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनायी। साथ हीं राज्य सरकार पर जमकर हमला भी बोला। नरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी है। राज्य में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। जिससे अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है। राज्य में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। ऐसी निक्कमी सरकार को जानता आगामी विस चुनाव में उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने ग्रामीणों से भाजपा को अपना समर्थन देते रहने का अपील भी किया। मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण मुरारी सिंह सहित भाजपा के कई नेता कार्यक्रता मौजूद थे।

शिक्षा से देश का होता है विकास, उसी तरह पौधों से प्रदूषण का होता है विनाश : डॉ कौशल किशोर

आजाद सिपाही संवाददाता

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को पौधा भेट करते डॉ कौशल, पार्षद अमित

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस अधीक्षक के आग्रह पर उनके आवासीय परिसर में पौधा रोपण किया गया। जबकि नई दिल्ली तीन मूर्ति 11 लाइन स्थित केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मिलकर ट्री मैनऑफ झारखंड व विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत हिमाचल का कपूर का पौधा भेट कर इस मुलाकात को यादगार बनाया। केंद्रीय मंत्री से बातचीत के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण उनके पैतृक गांव छतरपुर के डाली बाजार में अंतिम चरण में है। उन्होंने मंदिर का फोटो समर्पित करते हुए कहा कि वे अपनी निजी लागत पर पिछले 58 वर्षों से देश दुनिया के लोगों को पर्यावरण बचाने का अभियान चला रखा है। उन्होंने बताया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा शत्रु प्रदूषण को भागने के उद्देश्य वे रात दिन एक कर पौधा रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। ताकि प्रदूषण की विभीषिका से देश व दुनियां के लोगों को समय रहते बचाया जा सके। डॉ कौशल ने कहा कि झारखंड के वन विभाग द्वारा संचालित स्थाई और अस्थाई नर्सरी विकसित करना लगभग बंद हो गया है। जिससे लोगों को पर्याप्त पौधा नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को पौधे बाजारों में उच्चे दामों में लेना मजबूरी हो गया है। वनराखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा कि कपूर एक औषधीय गुणों से भरा पौधा है । इसीलिए उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी कपूर का पौधा भेट में दिया और लगाया है। नई दिल्ली से लौटने के दौरान झारखंड स्तरीय महिला समूह कोडिनेटर राजस्थान से ट्रेडिंग कर लौट रही झारखंड स्तरीय महिला समूह कोऑर्डिनेटर रांची कांके के मेघा मैडम,खूंटी जिला के ललिता मैडम, रामगढ़ गोला के ज्योति मैडम और दुमका के लक्की मैडम, डाल्टनगंज स्टेशन पर नेपाल के रुद्राक्ष, थाईलैंड प्रजाति के आम के पौधा देकर उन्हें सम्मानित करते हुए विदा किया। मौके पर सूरज कुमार जायसवाल,पुलिस कर्मी संजय कुमार, संतोष प्रजापति, सत्य सिंह व रामू उपस्थित थे।

महिलाओं के लिए संकट बनी 'मंइयां सम्मान योजना' : कमलेश कुमार सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड सरकार द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गयी 'मंइयां सम्मान योजना' अब 'महिला परेशान योजना' बन गयी है। हुसैनाबाद हरिहरगंज के विधायक और एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने इस योजना पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार का हड़बड़ी में लिया गया यह फैसला महिलाओं के लिए मुसीबत बन गया है। श्री सिंह ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं अपना घर-बार छोड़कर पंचायत सचिवालयों का चक्कर लगा रही हैं, फिर भी उनका आवेदन अपलोड नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि अगर मुख्यमंत्री इस योजना को इमानदारी के साथ लागू करना चाहते हैं तो उन्हें सर्वजन पेंशन योजना, मातृत्व वंदना योजना एवं सावित्री बाई फुले योजना की तर्ज पर ऑफलाइन आवेदन की व्यवस्था करनी चाहिए। आंगनबाड़ी सेविका, पंचायत सचिव या मुखिया के द्वारा आवेदन लेने की प्रक्रिया को अपनाना चाहिए, ताकि महिलाओं को परेशानियों का सामना न करना पड़े। श्री सिंह ने सरकार की ऑनलाइन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार हर काम ऑनलाइन करना चाहती है, लेकिन इसके मुताबिक व्यवस्था नहीं करती। उन्होंने सुझाव दिया कि जागरूकता रथ चलाने और बड़े बड़े विज्ञापन देने की जगह बेहतर पोर्टल का निर्माण कराना चाहिए। मईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए गांव और शहर की महिलाएं आवेदन के साथ शिविरों में दिन गुजार रही हैं और शाम होने के बाद निराश अपने घर वापस लौट रही हैं।

कास्टिक सोडा लाई की अवैध खरीद बिक्री करने वाले सप्लायर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू एसपी की गुप्त सूचना के आलोक में सतबरवा एनएच से सटे दुलसुलमा स्थित महेंद्र लाइन होटल के समीप भरत भूषण के गोडाउन में अवैध केमिकल के हो रहे व्यापार की जानकारी मिलते ही सतबरवा पुलिस ने छापेमारी की। जैसे ही पुलिस उक्त स्थल पर पहुंची तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति से पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो अपना नाम मुकुल मंडल पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर थाना क्षेत्र के तानसेन रोड़ दुगार्पुर बताया। उसने अपने स्वीकार किया कि रेहला कास्टिक सोडा प्लांट से निकलने वाली गाड़ियों के ड्राइवर से हमारा सेटिंग रहता है। जो भी गाड़ी रांची, टाटा, बोकारो जाती है उनसे माल खरीद कर उसे बंगाल में बेंच देते हैं। और जितना माल निकालते हैं उतना उसमें पानी मिक्स कर देते हैं। सतबरवा थाना प्रभारी बताया कि इस तरह के मामले बोकारो और दुगार्पुर में इसके द्वारा किया जाता रहा है और वह जेल भी गया है। मालूम हो कि कास्टिक सोडा लाई ग्रासिम इंडस्ट्रीज केमिकल्स डिवीजन रेहला से कई अन्यत्र जगहों पर टैंकर में लोड कर भेजा जाता है जो काफी कोस्टली होता और बाजार में साबुन बनाने वाली कंपनीयों में अच्छे दामों में बिकता है। सतबरवा पुलिस ने गोडाउन से 15 ड्राम में कास्टिक सोडा भरा हुआ बरामद किया है। और करीब दो सेन्टेक्स की बड़ी बड़ी टंकी और ड्रम, इलेक्ट्रिक मोटर बरामद किया है।

सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं को मिली मोटिवेशनल शिक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,जपला में कक्षा-सप्तम से दशम तक के छात्राओं को महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी द्वारा मोटिवेशन क्लास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी, विद्यालय प्रबंधकरणीय समिति के उपाध्यक्ष डॉ सत्येंद्र चंदेल, प्रधानाचार्य कुश पाण्डेय संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया और विद्यालय के प्रधानाचार्य के द्वारा आए हुए अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी के द्वारा बताया गया कि शिशु मंदिर के बच्चों में बाल्य काल से संस्कार भरा जाता हैं, उनके द्वारा यह भी बताया गया कि छात्राओं को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचना चाहिए और और बहनों को गुड टच और बेड टच के बारे में बताया गयो डॉ सत्येंद्र चंदेल जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मीडिया प्रभारी राजकुमार सिंह, हर्षद उपाध्याय, छाया कुमारी एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

ग्रामीणों ने पुल कार्य निर्माण स्थल के पास डायवर्सन की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/ पलामू। प्रखण्ड क्षेत्र के कुलहिया पंचायत अंतर्गत ग्राम लादी वादी बतरे नदी पर पुल कार्य निर्माण के दौरान डायवर्सन नहीं दिए जाने पर संवेदक के प्रति ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। मंगलवार को सैकड़ो ग्रामीणों ने कार्य स्थल पर पहुंच कर आक्रोश जताते हुए नदी पर डायभर्षण की मांग किया है। ग्रामीणों ने कहा की पुल निर्माण कार्य से पहले हमलोगों ने चंदा तसील कर डायवर्सन बनाया था। संवेदक द्वारा मनमानी करते हुए डायवर्सन को तोड़ दिया गया और दूसरा डायवर्सन नहीं बनाया गया। जिससे आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। आक्रोश जताने वालों में छात्र राजद प्रखण्ड अध्यक्ष दीपक कुमार यादव, पूर्व मुखिया मथुरा रजक, वीरेंद्र यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हैं।

करंट की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

पांकी/ पलामू। पांकी थाना क्षेत्र के हुरलौंग मे करंट लगने से पिता और पुत्र की मौत हो गयी। दोनों धनरोपनी के लिए खेत तैयार कर रहे थे। खेत मे बिजली की तार पहले से गिरा हुआ था, इस बात की जानकारी नागेंद्र चंद्रवंशी और पुत्र पिंटू चन्द्रवंशी को नहीं थी। नागेंद्र चन्द्रवंशी खेत मे जैसे ही दाखिल हुए वह बिजली के चपेट मे आ गये। पिता को बचाने के लिए उनके बेटे पिंटू चन्द्रवंशी खेत मे दाखिल हुए और वे भी करंट की चपेट मे आ गये। बाद मे स्थानीय ग्रामीणों ने बिजली का कनेक्शन काटा और दोनों को इलाज के लिए पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती करवाया। पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मी के लापरवाही के कारण घटना घटी है। पिता पुत्र की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। इधर घटना की सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता मृतक के घर पंहुचकर परिजनों को ढांढस बंधाया एवं मृत आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया।

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

हरिहरगंज/ पलामू (आजाद सिपाही)। शहर के अररुआ मोड स्थित वाहन चेकिंग के दौरान हरिहरगंज पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं चोरी करने के आरोप में थाना कांड संख्या 111/24 दर्ज करते हुए दोनों आरोपियों को मंगलवार को जेल भेज दिया गया। इस संबंध में पुनि सह थाना प्रभारी प्रभारी चंदन कुमार ने बताया की भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(5), 3(5) के अंतर्गत थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी गोविंद मेहता के 21 वर्षीय पुत्र विकास कुमार और सरसोत निवासी बुटाई मिस्त्री के 29 वर्षीय पुत्र अक्षय कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

मध्य विद्यालय पथरा के छात्र-छात्राओं के बीच किट का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र के राजकीय कृत मध्य विद्यालय पथरा में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामराज पासवान तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक कमलनाथ वर्मा के उपस्थिति में छात्र-छात्राओं के बीच विभाग से प्राप्त किट का वितरण किया गया।किट मिलने पर बच्चों के चेहरों पर काफी खुशी नजर आया।मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पठन-पाठन की सामग्री मिलने से छात्र-छात्राओं में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ती है। मौके पर सहायक शिक्षक विनय कुमार रवि,सहायक अध्यापक कविंद्र कुमार पासवान, धीरेंद्र कुमार चौधरी तथा सहायक अध्यापिका शमीम बेगम समेत काफी संख्या मे छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

पुरुषों के भाला फेंक फाइनल में जगह बनाने के लिए एथलीटों को क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड 84 मीटर की दूरी को पार करना था, जिसे नीरज ने आसानी से पार कर लिया।

भाला फेंक स्पर्धा में नीरज चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

एजेंसी

पेरिस। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों के भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को खेले गए पुरुषों के भाला फेंक क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का शानदार थ्रो फेंका, जो 84 मीटर के स्वतः क्वालिफिकेशन से काफी अधिक था।

भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ग्रुप बी के क्वालिफिकेशन में सबसे पहले शुरूआत करने आए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो किया। पुरुषों के भाला फेंक फाइनल में जगह बनाने के लिए एथलीटों को क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड 84 मीटर की दूरी को पार करना था, जिसे नीरज ने आसानी से पार कर लिया।

नीरज अब फाइनल में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगे। अगर वह खिताब जीतते हैं तो ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बनेंगे। विश्व चैंपियन नीरज ने 87.58 मीटर के प्रयास के साथ टोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीता था।

यूक्रेन की उकसाना लिवाच को हरा सेमीफाइनल में पहुंचीं विनेश फोगाट

एजेंसी

पेरिस। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की उकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। सेमीफाइनल मुकाबला आज रात 10:25 बजे खेला जायेगा। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विनेश ने पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे पीरियड में लिवाच ने वापसी की लेकिन विनेश ने उनकी चुनौती को रोक दिया। यूक्रेनी की पहलवान को पछाड़ कर विनेश ने 7-5 से जीत दर्ज कर ली। इससे पहले राउंड ऑफ 16 में भारतीय स्टार ने 2020 टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन जापान की यूई सुसाकी को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी।

भाजपा नेता ने कार्यपालक पदाधिकारी को गुलदस्ता भेंट कर किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

कार्यपालक पदाधिकारी को गुलदस्ता दे स्वागत करते भाजपा नेता

हरिहरगंज/ पलामू। कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी को भाजपा नेता सतगावां निवासी रविंद्र पासवान ने शिष्टाचार मुलाकात के दौरान गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हरिहरगंज शहरी क्षेत्र की कई समस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया। भाजपा नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र ने बताया कि उन्हें शहरी क्षेत्र अंतर्गत जर्जर और बजबजाती नालियों की सफाई कराने, जर्जर पथों की मरम्मती कराने सहित पीएम आवास योजना के लाभुकों को सही समय पर किश्तों के रूप में राशि का भुगतान करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पीएम आवास योजना के लाभुकों के घर घर जाकर भौतिक सत्यापन करने का भी आग्रह किया। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी ने उन्हें लिखित तौर पर क्षेत्र की समस्याओं का निदान के लिए आवेदन देने की बात कही। मौके पर सीटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, सामुदायिक संगठन कर्ता विचित्रा कुमारी, मोहम्मद क्यामुद्दीन अंसारी आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों की भूमि पर वन विभाग ने किया पौधरोपण, ग्रामीणों का विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ वन रोपन विभाग और थाना क्षेत्र बरदबटिया गांव के दर्जनाधिक रैयत मंगलवार को उस समय आमने-सामने हो गया जब वन विभाग के सभी बनरक्षी व वन कर्मियों ने बरदबटिया गांव खाता संख्या 405 और 606 के अंदर 30 एकड़ जमीन पर जबरन पौधा रोपन करने को लेकर जेसीबी मशीन से जमीन का अधिग्रहण करने लगा। वन विभाग की लगातर मनामनी को देखतें हुए गांव के फिरोज कादिर, मो सगीर, मो रमजान, मो तैयब मियां, मो हलीम मियां, मो मिस्टर ,मो चांद, के अलावे एक दर्जन से अधिक ग्रामीण ने वन विभाग द्वारा की जा रही पौधा रोपन कार्य और जेसीबी से ट्रेंच काटने के विरोध किया कि यह जमीन हमलोग के पूर्वज के नाम से कागज है। 2024 तक ऑनलाइन मालगुजारी का रसीद कटते आ रहें है। आप लोग जबरन वन भूमि क्यो बनकर पौधरोपन और जंगल की सीमांकन कर रहें। हमलोग अपने रैयत जमीन पर पौधरोपन कार्य नहीं करने देंगे। इस बात का ग्रामीणों ने विरोध करने के बाद भी वन कर्मी पौधरोपन का कार्य युद्धस्तर पर करते जा रहें थे।

क्या कहते हैं रेजर

जमुआ वन रोपन पदाधिकारी सुरेश प्रसाद रजक ने कहा कि मौजा बरदबटिया में वनरोपन स्थल के आंशिक क्षेत्रों पर कुछ स्थानीय ग्रामीणों द्वारा वृक्षारोपण कार्य में बाधा पहुंचाकर कार्य का विरोध किया जा रहा है उक्त जानकारी वन प्रमंडल पदाधिकारी पश्चिमी प्रक्षेप को दिया गया कि बरबटिया गांव के कतिपय लोग द्वारा पौधा रोपन कार्य मे बाधा किया जा रहा है। मामलें की जांच जमुआ अंचल निरीक्षक द्वारा किया गया तो यह भूमि वन भूमि पाया गया है जांच रिपोर्ट की आधार पर हमलोग उक्त वन भूमि पर पौधरोपन कार्य कर रहे है फसल नष्ट नहीं किया जा रहा है। खाली जमीन पर वर्तमान समय वृक्ष लगाया जा रहा है ग्रामीण का आरोप निराधार है। वनभूमि के नक्शे पर बरदबटिया मोजा की नाम अंकित है।

बोकारो में साइबर अपराध थाने का हुआ उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले में साइबर अपराध थाने का उद्घाटन आईजी माइकल राज एस ने सेक्टर 4ङ्क में विधिवत किया उन्होंने कहा कि इस अपराध को खत्म करने के लिए जनता का जागरूक होना सबसे जरूरी तभी ऐसे अपराधों पर लगाम लगा पायेंगे बोकारो जिले का साइबर अपराध थाना हाईटेक है और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए तैयार जो साइबर क्राइम कर रहे हैं।

बोकारो साइबर थाना के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार बनाये गये

थाने के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य रूप से आईजी माइकल राज एस डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा एसपी बोकारो पूज्य प्रकाश डीएसपी सिटी आलोक रंजन डीएसपी हेड क्वार्टर अनिमेष गुप्ता डीएसपी चास प्रवीण कुमार डीसीपी ट्रैफिक आशीष कुमार महली सार्जेंट मेजर प्रवीर कुमार सेक्टर चार थाना प्रभारी संजय कुमार साइबर अपराध थाना के थाना प्रभारी अशोक कुमार चास थाना प्रभारी खुर्शीद आलम सिटी थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास साइबर सेल के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आरके राणा हरला थाना प्रभारी अनिल कुमार कच्छप सेक्टर 6 थाना प्रभारी धेना किसकु एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य बोकारो पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

डीसी ने सुनी आमजनों की शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर आम-जन की शिकायतों व समस्याओं को सुना। उन्होंने संज्ञान में आए सभी मामलों के आवेदन को संबंधित पदाधिकारी को तत्काल निष्पादन हेतु निर्देशित किया। जनता दरबार में मुख्यतः जमीन विवाद संबंधी, आर्म्स लाइसेंस, जमीन पर अवैध कब्जा, धोखाधड़ी, ऑनलाइन रसीद, अबुआ आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, दिव्यांग और कुष्ठ पीड़ितों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, अनुकंपा पर बहाली, नियोजन समेत अन्य संबंधित आवेदन आए। इस दौरान उपायुक्त ने आवेदनों को चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान होगा। इसके लिए अधाकिरियों को निर्देश दिया गया है।

बीएसएल के हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर में बांस रोपण से बनेगा कार्बन सिंक

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। सीएसआर के तहत बोकारो के सेक्टर-2 में स्थापित हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर में आठ विभिन्न प्रजातियां के 1800 बांस के पौधे लगाये जा रहे हैं। 6 अगस्त को बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी ने महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी, अधिशासी निदेशकों, मुख्य महाप्रबंधकों और बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर परिसर में बांस के पौधे लगाने का औपचारिक शुभारंभ किया। परिसर में लगाये जा रहे बांस के पौधे पर्यावरण को लाभ पहुंचाने के अलावा इस केंद्र में बांस आधारित हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण के लिए कच्चा माल भी प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि, दिसंबर, 2022 में शुरू किया गया बोकारो स्टील का हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर स्थानीय गांवों की महिलाओं को बांस, जलकुंभी और जूट से बने हैंडीक्राफ्ट वस्तुएं बनाने हेतु प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से खोला गया है। इस केंद्र ने दो साल से भी कम समय में परिधीय गांवों की लगभग 700 महिलाओं को प्रशिक्षित किया है और उनके आर्थिक उत्थान में सहायता की है। हैंडीक्राफ्ट में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बीएसएल ने दुमका स्थित एलआईएमएस-ईएसएएफ फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है, जिसे इस क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। हैंडीक्राफ्ट सेंटर में बने उत्पादों का मार्केटिंग लिंकेज पहले ही से स्थापित है और जल्द ही बोकारो में इसके लिये एक शोरूम भी खोलने की योजना बनायी जा रही है। इस अवसर पर उपस्थित एलआईएमएस-ईएसएएफ फाउंडेशन के निदेशक डॉ अजिथसेन सेल्वादास ने बताया कि परिसर में 1800 बांस के पौधे लगाने से लगभग 120 मीट्रिक टन CO2 का पृथक्करण और शोधन हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि औसतन बांस प्रति वर्ष प्रति एकड़ लगभग 12 से 15 टन CO2 का पृथक्करण और शोधन कर सकता है। बांस को पानी की कम आवश्यकता होती है और यह अन्य पेड़ों की तुलना में 35% अधिक ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे वायु की गुणवत्ता में सुधार होता है। हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर में लगाये जा रहे बांस की विभिन्न प्रजातियों में बंबूसा टुल्डा, बंबूसा बाल्कोआ, बंबूसा नूटांस, डेंड्रोकैलेमस एस्पर, बंबूसा पॉलीमोर्फा, डेंड्रोकैलेमस गिगेंटस, बंबूसा वल्गेरिस और डेंड्रोकैलेमस सिक्किमेंसिस शामिल हैं।

बैडमिंटन चैंपियनशिप के विजेता से मिली डीसी धनबाद के सुजल रक्षित अंडर 17 सिंगल में उपविजेता और डबल्स में बने विजेता

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त कार्यालय आए झारखंड स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप के विजेता और उप विजेता से मुलाकात की। धनबाद के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के लिये उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। एसोसिएशन के बैडमिंटन कोच संदीप डे ने बताया कि धनबाद जिला बैडमिंटन एसोसिएशन से निबंधित बैडमिंटन अकादमी के खिलाड़ी सुजल रक्षित और पीहू सिंह ने गिरिडीह में दिनांक 24 से 26 जुलाई तक तीन दिवसीय योनेक्स सनराइज झारखंड स्टेट बैडमिंटन चैम्पियनशिप कम राष्ट्रीय सेलेक्शन ट्राइल में सुजल रक्षित ने अंडर 17 सिंगल में उपविजेता और डबल्स में जमशेदपुर के सूरज प्रताप सिंह के जोड़ी विजेता रही। पीहू सिंह और जमशेदपुर की कनिष्का रे की जोड़ी अंडर 17 गर्ल्स डबल्स में भी उपविजेता रही । अनामिका घोष और वैष्णवी सिंह की जोड़ी अंडर 19 गर्ल्स डबल्स में भी उपविजेता रही। अकादमी के सुजल रक्षित का चयन 24 से 26 जुलाई को गिरिडीह इंडोर स्टेडियम में आयोजित झारखंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप सेलेक्शन ट्राइल में प्रदर्शन के आधार पर चयन किया गया। जिसमें सुजल रक्षित अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 21 से 26 सितंबर में होने वाली योनेक्स-सनराइज राष्ट्रीय सब जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप पंचकुला, हरियाणा में भाग लेंगे ।

मनरेगा संघ के सदस्यों से मिले सांसद सरफराज अहमद

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ गिरिडीह के बैनर तले आज दस सदस्यीय टीम जिला अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा के नेतृत्व में राज्य सभा सांसद डॉ सरफराज अहमद से मिल कर अपना मांग पत्र सौंपा। मौके पर राज्य सभा सांसद डॉ सरफराज अहमद ने कहा कि आप सभों के जायज मांगों को प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विभागीय मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित संबंधित सचिव से बात कर मांगों को मनवाया जायेगा, उन्होंने मनरेगा कर्मियों को आश्वासन दिलाते हुवे कहा कि शीघ्र ही आप सभी के मांगों को पूरा कर हड़ताल तोड़वाया जायेगा। मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा और सचिव नवीन कुमार ने कहा की विगत 17 वर्षों से राज्य के मनरेगा कर्मी मनरेगा के अलावे सरकार द्वारा प्रखंड व पंचायतों में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अपना योगदान दे रहे हैं। परंतु सरकार की ओर से अतिअल्प मानदेय के अतिरिक्त कोई सुविधा नहीं दी जा रही हैं। जबकी इसी राज्य में राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत मनरेगा कर्मियों को 196 प्रतिशत मंहगाई भत्ता के साथ ग्रेड पे, परिवहन भत्ता एंव चिकित्सा भत्ता का लाभ दिया जा रहा है। मौके पर जिला अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, सचिव नवीन कुमार, लतीफ अंसारी, उमेश विश्वकर्मा, मो ईकबाल, मो. याकूब, संजीत कुमार, मौलाना मो. रेयाज अहमद, राहुल मंडल सहित कई अन्य सामिल थे।

हजारीबाग की आयुक्त सुमन कैथरीन झरिया विधानसभा वूथों का निरीक्षण करने पहुंची

झरिया (आजाद सिपाही)। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग की आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा मंगलवार को झरिया विधानसभा वूथो का निरीक्षण करने पहुंची। मिडिया को जानकारी देते हुए कहा कि छोटानागपुर प्रमंडल आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूची में ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को जोड़ा जाय इसको लेकर बीएलओ से फार्म 6,7,8 के बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। साथ ही द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण पर रिपोर्ट ली। स्पेशल समरी रिवीजन आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड, भी लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं। 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाना है। 9 अगस्त 2024 तक स्पेशल समरी रिवीजन के तहत मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जांच कर सकते हैं। छुटे हुए मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।

उसरी नदी में डूबे सिजुआ के युवक का शव गोताखोरों ने निकाला, शव पहुचते ही सिजुआ में पसरा सन्नाटा

सिजुआ/कतरास। प्रसिद्ध दुखहरणधाम मंदिर में सोमवार को पूजा करने गया धनबाद के सिजुआ जोगता निवासी 20 वर्षीय युवक गौतम चौहान का शव दूसरे दिन मंगलवार को धनबाद के मुनीडीह के गोताखोरों ने स्थानीय युवकों के सहयोग से उसरी नदी से निकाला। उसरी नदी से गौतम के शव को बरामद करने के लिए मुनीडीह भटिंडा फॉल के गोताखारों की टीम को मंगलवार लगाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद गौतम का शव निकाल लिया गया। शव के निकलते ही परिजनों के क्रंदन से पूरा इलाका गूंज उठा। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम शव को परिजनों को सौंप दिया। परिजन शव लेकर सिजुआ जोगता निकल गये। बताते चले कि मृतक गौतम चौहान धनबाद जिले के जोगता थाना क्षेत्र के श्याम बाजार का रहने वाला था। वह कतरास में मुर्गा का व्यवसाय करता था। घर पर पिता हीरालाल चौहान, मां, एक भाई और एक बहन है। वह अविवाहित था। गौतम कल वहां पूजा करने अपने परिवार के साथ गया था। पूजा करने के पूर्व वह उसरी नदी में नहाने गया था। इसी क्रम में नदी की तेज धार उसे बहा ले गया था।

टाटा गोल्ड मालवाहक वाहन के ड्रावरनुमा लोहे का एक बक्से से अवैध विदेशी शराब बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। वरीय पुलिस पदाधिकारियों के दिशानिर्देश पर राज्यभर में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गिरिडीह पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खोरीमहुआ के विशेष दिशानिर्देशन और प्राप्त सूचना के आधार पर नवडीहा ओपी और जमुआ थाना द्वारा संयुक्त अभियान व घेराबंदी कर मंगलवार की सुबह नवडीहा ओ पी (जमुआ थाना) क्षेत्र से बेंगाबाद-चतरो मुख्य मार्ग पर ग्राम सियाटांड के सामने से क्रीम रंग का एक टाटा गोल्ड मालवाहक वाहन को पकड़ा गया। जिसकी तलाशी लिए जाने पर उक्त वाहन में डाला के नीचे छिपाकर ड्रावरनुमा लोहे का एक बक्सा बना हुआ पाया गया। जिसकी गहनतापूर्वक तलाशी लेने पर रॉयल चैलेंजर 375 एमएल 158 बोतल और इंपीरियल ब्लू 375 एमएल का 224 पीस बोतल कुल 382 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया। छापेमारी के क्रम में अंधेरे का फायदा उठाकर चालक भागने में सफल रहा। टाटा गोल्ड मालवाहक वाहन रजि न०-जेएच 11एएम 9251 एवं उसपर लोड कुल 382 बोतल अवैध शराब को विधिवत जप्त किया गया है। इस संबंध में जमुआ थाना कांड संख्या-166/24 अंकित कर अग्रिम कारवाई की जा रही है।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पषुपालन एवं सहकारिता विभाग,
जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़

आम सूचना :–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या 17 रा0 (वि0) दिनांक– 16.07.2024 के आलोक में **रामगढ़** जिला अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्य, जिला एवं प्रखण्ड स्तर पर दुग्ध उत्पादक/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकता/ दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल की बछिया पालकों को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किया जाना है।

अतः सभी इच्छुक प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों से अनुरोध है कि श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादकों के लिये अपनी दावेदारी, सुनिश्चित करने हेतु उत्कृष्ट कार्य यथा–आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल डेयरी फार्म में करना, मौसमी हरा चारा उत्पादन, डेयरी फार्म का साफ–सफाई, बैंक ऋण की स्थित अपने जीवकोपार्जन व आर्थिक स्थित मजबूत होने से संबंधित सफलता की कहानी, आवेदन पत्र सादे कागज पर स्वलिखित पूर्ण विवरणी, अपने निर्मित गौशाला का स्वयं के साथ रंगीन फोटोग्राफ की प्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति जो सुस्पष्ट हो संलग्न कर जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़ में दिनांक 15.08.2024 तक कार्यालय अवधि में प्रस्तुत कर सकते है ताकि अंतिम रूप से चयन हेतु प्रस्ताव विभाग को उपलब्ध कराया जा सके। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त दावा पर विचार नहीं किया जायेगा।

ह0/–
जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
रामगढ़।

PR 331939 (District) 24-25 (D)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य–प्रक्षेत्र),
जिला गव्य विकास कार्यालय, राँची
–: राज्य/जिला स्तर पर पुरस्कृत करने हेतु पशुपालकों के लिए आम सूचना :–

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) का राज्यादेश सं० 17 रा० (वि०) दिनांक–16.07.2024 के आलोक में राँची जिला के इच्छुक डेयरी पशुपालकों/दुग्ध उत्पादकों/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल की बछिया पालकों को संबंधित अहर्ता एवं मापदण्ड के अनुसार राज्य/जिला स्तर पर पुरस्कृत करने से संबंधित आवेदन पत्र जिला गव्य विकास कार्यालय, राँची, प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची में दिनांक– 09.08.2024 के अपराह्न 05.00 तक बजे आमंत्रित किया जाता है।

उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादकों के चयन हेतु अहर्त्ता का निर्धारण निम्न मानकों के तहत् किया जाएगा –

	मापदण्ड	अधिकतम अंक	प्राप्त अंक
➢ गौ पालकों के पास	– दुधारू पशुओं की संख्या	10	
	– प्रतिदिन दूध उत्पादन	10	
	– दुधारू मवेषियों का नस्ल	10	
	– गौषाला की स्थिति (साफ–सफाई, Sanitization)	10	
	– गौषाला में नई तकनीक का प्रयोग (Use of Machanization)	10	
	– हरा–चारा का संसाधन/उपयोग	10	
	– JMF द्वारा प्राप्त Milk Incentive	10	
	– गव्य विकास के योजनाओं से समन्वय	10	

नोट :– उक्त मापदण्ड से संबंधित साक्ष्य हेतु फोटोग्राफ्स के साथ–साथ बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड की छायाप्रति निश्चित रूप से उपलब्ध कराया जाय।

ह०/–
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, राँची।

PR 331962 Animal Husbandry(24-25)D

झारखण्ड सरकार, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची
(Email ID – eedwsd.ranchiwest@gmail.com)

ई-प्रोक्योरमेंट अति अल्पकालीन निविदा सूचना (द्वितीय कॉल)

जिसका **PR No. 318437 (Drinking Water and Sanitaion) 2023–24** है।
निविदा सूचना संख्या– DWSD/RW/31/2023-24, दिनांक 06.08.2024

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Provision of GIS Cell in the 3rd floor of PMU Building for the monitoring of Schemes and other software developed by JSAC at Doranda under D.W. & S. Division, Ranchi West, Ranchi.	23,66,804.00	48,000.00	5000.00	1 माह

2. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 07/08/2024 / 04:00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा ऑन लाईन बिडींग की तिथि एवं समय :– 07/08/2024 / 04:00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय (सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस, झारखण्ड मत्रांलय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में) :– 13/08/2024 / 04:00 बजे अपराहन तक।
5. तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय :– 14/08/2024 / 04:00 बजे अपराहन में।
6. तकनीकी बीड खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची।
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0 :– 0651-2491247
9. निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
10. कार्य की मात्रा आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।
11. विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
राँची पश्चिम, राँची

PR 331972 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D

जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा

(प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल की बछिया पालको के लिए आम सूचना)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) का राज्यादेश सं० 17 रा० (वि०) दिनांक– 16.07.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्य, जिला एवं प्रखण्ड स्तर पर प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल बछिया पालाकों को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किये जाने की योजना है। उक्त योजना हेतु कोडरमा जिला के इच्छुक दुग्ध उत्पादक/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल बछिया पालाकों से अनुरोध है कि वे अपना आवेदन निम्न विहित प्रपत्र में पूर्ण बायोडाटा, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल अपने डेयरी फार्म में करने, मौसमी हरा चारा का उत्पादन, जीविकोपार्जन एवं आर्थिक स्थिति मजबूत होने संबंधी सफलता की कहानी तथा निर्मित गौशाला का स्वयं के साथ रंगीन फोटोग्राफ सहित (दो प्रतियों में) दिनांक– 09.08.2024 के अपराहन् 3:00 बजे तक जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा में समर्पित कर सकते हैं ताकि अंतिम चयन हेतु प्रस्ताव गव्य विकास निदेशालय, झारखण्ड, राँची को भेजा जा सके।

निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रपत्र

क्र. सं.	पशुपालक का नाम /पिता/पति का नाम	ग्राम	प्रखण्ड	जिला	जाति	वर्त्तमान में दूध देने वाली गाय/ भैंस की सं०	प्रतिदिन दूध उत्पादन की मात्रा (ली० में)	प्रति दुधारू मवेशी दूध उत्पादन (ली० में)	दुधारू मवेशियों का नस्ल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

गौशाला की स्थिति (साफ–सफाई, (Sanitization)	गौशाला में नई तकनीक का प्रयोग (use fo Mechanization)	मौसमी हरा चारा का उत्पादन (एकड़ में)	JMF द्वारा प्राप्त Milk Incentive	गव्य विकास योजनाओं से समन्वय	पशु स्वास्थ्य अति उत्तम/संतोषप्रद/सामान्य	दूध बिक्री की व्यवस्था	अभ्युक्ति
11	12	13	14	15	16	17	18

नोटः– 1. आवेदक अपना आवेदन के साथ बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड की स्व–हस्ताक्षरित छाया प्रति अवश्य संलग्न करेंगे।
2. वैसे पशुपालक जिन्हें इस योजना के तहत पूर्व में पुरस्कार प्रदान किया गया है, वे आवेदन करने के पात्र नहीं होगें।
विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा से कार्य अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

PR 332010 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25).D

जिला गव्य विकास पदाधिकारी, कोडरमा

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

सम्मम में युवती का प्लाज्मा एक्सचेंज से सफल इलाज

- युवती लीवर की गंभीर समस्या से जूझ रही थी

आजाद सिपाह संवाददाता

भुवनेश्वर। लीवर की गंभीर समस्या से पीड़ित 9 वर्षीय लड़की को सम अल्टिमेट मेडिकेयर ने प्लाज्मा एक्सचेंज उपचार के माध्यम से पूरी तरह से ठीक हो गया। बाहरी संक्रमण के कारण पीलिया से पीड़ित लड़की को डॉ. अयस्कांत सिंह, वरिष्ठ सलाहकार और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग के प्रमुख, सम्मम के तहत इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

हालांकि, उनकी गंभीर स्थिति के कारण, उन्हें अस्पताल के बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉ प्रदीप कुमार दे की देखरेख में लाया गया और एनआईसीयू में भर्ती कराया गया। चूंकि लड़की को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए मेडिकल टीम ने प्लाज्मा एक्सचेंज करने का फैसला किया।

इसे लिवर डायलिसिस भी कहा जाता है। चूंकि इस मामले में लिवर प्रत्यारोपण संभव नहीं था, इसलिए प्लाज्मा एक्सचेंज करने का निर्णय लिया गया, अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के एसोसिएट कंसल्टेंट गदाधर पंडा ने कहा, जिन्होंने उपचार प्रक्रिया का नेतृत्व किया।

डॉ. दे ने कहा, ऐसे मामलों में मरीज की मृत्यु दर लगभग 90 प्रतिशत होती है।

सम्मम के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के एसोसिएट कंसल्टेंट संवित भुइयां ने इसे एक जटिल प्रक्रिया बताया और कहा कि लड़की की जान को खतरा है। इसी प्रकार डॉ सिंह ने बताया कि प्लाज्मा एक्सचेंज एक जटिल प्रक्रिया है।

4 पर्याय में प्लाज्मा एक्सचेंज ट्रीटमेंट के बाद लड़की धीरे-धीरे ठीक हुई और उसका लीवर भी ठीक से काम करने लगा। उन्हें ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है। डॉ. पांडा ने कहा, अब वह खाना भी खा सकते हैं। अपनी बेटी के पूरी तरह ठीक होने के बाद लड़की के पिता मोहम्मद नसिम ने सम्मम की इलाज पद्धति और डॉक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया। बीमार लड़की कई अस्पतालों में गयी, लेकिन उसे उचित इलाज नहीं मिल सका। नसिम ने कहा कि लड़की की असली बीमारी का पता सम्मम के डॉक्टरों ने लगाया और सर्वोत्तम उपचार विधियों के कारण ही उनकी बेटी की जान बचायी जा सकी।

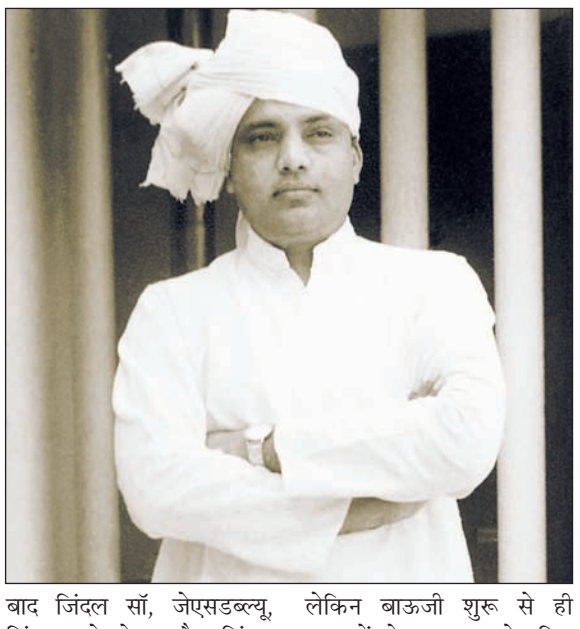

ओपी जिंदल : महान व्यक्तित्व एवं प्रेरणा स्त्रोत दुनिया ने जहां दीवार देखी, बाऊजी ने वहां दरवाजे

ओपी जिंदल, जिन्हें प्यार और सम्मान से बाऊजी पुकारा जाता है, एक महान दूरद्रष्टा थे। मातृभूमि के प्रति प्रेम से प्रेरित होकर उन्होंने भारत को आत्मनिर्भरताकी राह दिखायी। उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिबद्धता से ओपी जिंदल ग्रुप जैसे विशाल औद्योगिक समूह की स्थापना की, जो आज राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा ही रहा है, पूरी मानवता को भी एक नयी दिशा दिखा रहा है। वे जननायक थे, जिन्होंने आजीवन दलितों-पिछड़ों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों के लिए संघर्ष किया। बाऊजी की दूरदर्शिता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि आज से 50 साल पहले ही उन्होंने आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा और देश का भाग्य बदलने में अग्रणी भूमिका निभायी। बाऊजी की 94वीं जयंती पर शत शत नमन।

हरियाणा के हिसार जिले स्थित नलवा गांव में 7 अगस्त 1930 को एक किसान परिवार में जन्मे ओपी जिंदल को बचपन से ही मशीनों से लगाव था। उनकी मौलिक सोच, बदलाव लाने का उनका जुनून और इन सबसे बढ़कर भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किये गये उनके प्रयास ने उन्हें मशीनों से बात करने वाले शख्सियत के रूप में विश्व विख्यात कर दिया।

उनका जन्म भले ही हरियाणा में हुआ हो, लेकिन पूरा भारत उनकी कर्मभूमि था। श्री जिंदल ने 1952 में कोलकाता के निकट लिलुआ में एक स्टील पाइप, बेंड और सॉकेट फैक्ट्री लगायी और जन्मभूमि की सेवा के लिए वे वापस हिसार लौट आये। 1960 में उन्होंने हिसार में एक फैक्टरी लगायी, जो आधुनिक भारत का एक गौरवपूर्ण मंदिर यानी ओपी जिंदल ग्रुप का आधार बनी।

वे एक जन्मजात इंजीनियर थे। उन्होंने स्वदेशी तकनीक पर आधारित जिंदल इंडिया नामक एक पाइप मिल की स्थापना की, जिसे आज जिंदल इंडस्ट्रीज के नाम से जाना जाता है। 1970 में उन्होंने जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड की स्थापना की और शुरू से ही अनुसंधान पर ध्यान दिया। इसके बाद जिंदल सॉ, जेएसडब्ल्यू, जिंदल स्टेनलेस और जिंदल स्टील एंड पावर के रूप में इस वटवृक्ष का विकास हुआ, जो आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टील, पावर, माइनिंग एवं इन्फ्रास्ट्रक्टर सेक्टर में उत्कृष्टता के उदाहरण हैं।

हिसार में सफलता के बाद बाऊजी ने छत्तीसगढ़ (तत्कालीन मध्य प्रदेश) को अपनी कर्मभूमि बनाया, जहां से उन्होंने पूरे विश्व में समूह के विस्तार की योजना बनायी। रायगढ़ में जेएसपी का कोयला आधारित स्पंज आयरन प्लांट, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा है, राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिचायक है।

1990 के दशक में उन्होंने सीजीपी (कोयला से गैस बनाने का प्लांट) आधारित डीआरआइ (डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन) यानी स्पांज आयरन प्लांट के बारे में सपना देखा, जिसे जेएसपी के ओड़िशा स्थित अंगुल प्लांट में सपना किया उनके बेटे नवीन जिंदल ने। दुनिया में अपनी तरह के इस पहले प्लांट से बाऊजी की दूरदृष्टि का अनुमान लगाया जा सकता है।

एक अग्रणी उद्योगपति के रूप में बाऊजी ने सफलतापूर्वक सिर्फ उद्योग स्थापित नहीं किये, बल्कि अपने प्लांट के आसपास रहने वाले समुदायों के कल्याण के लिए भी सदैव चिंतनशील रहे। आज भले ही सीएसआर (कंपनी सामाजिक दायित्व) आम बोलचाल में शामिल हो गया है, लेकिन बाऊजी शुरू से ही समुदायों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने जहां कहीं भी फैक्टरी लगायी, वहां के लोगों के कल्याण के लिए उन्होंने स्कूल, अस्पताल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायीं। उनका दर्शन था, वह उद्योग सफल नहीं हो सकता, जिसके आसपास का समाज विफल हो।

इस्पात जगत के पुरोधा, स्वच्छ राजनीति के शिखर पुरुष और सामाजिक विकास के जननायक ओपी जिंदल ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। उनके जीवन और उपलब्धियों को आधुनिक प्रबंध सिद्धांतों में शामिल कर पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

ओपी जिंदल ग्रुप जैसे विशाल औद्योगिक समूह के संस्थापक और अग्रणी राजनेता होने के बावजूद बाऊजी ने कभी भी अपने कार्यालय का दरवाजा बंद नहीं रखा। आम हो या खास, सभी के लिए उनके दरवाजे 24 घंटे खुले रहे। उन्होंने कभी कोई सचिव नहीं रखा और वे लोगों से सीधे मिला करते थे। वे सभी के लिए सदैव सुलभ और उपलब्ध थे। अपने लोगों से बेहद से ज्यादा स्नेह करते थे और उनका ख्याल रखते थे। सुख-दुख में उनके अभिभावक थे।

बाउजी ने राजनीति में आकर जनसेवा की एक नयी परिभाषा प्रस्तुत की। शिक्षा, स्वास्थ्य और लोगों की संपन्नता के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। वे तीन बार हिसार से विधायक रहे और 1996 में हरियाणा के कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद बन कर राष्ट्र की नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में बड़ा योगदान दिया। 2005 में वे हिसार से पुनः विधायक बने और उन्हें हरियाणा का ऊर्जा मंत्री बनाया गया।

समाजसेवा के प्रति समर्पित रहते हुए बाऊजी ने यह सुनिश्चित किया कि गरीब, जरूरतमंद, दलितों और पिछड़ों को आर्थिक और राजनीतिक गतिविधियों से लाभ मिले। उन्हें मुख्यधारा में शामिल होने के पर्याप्त अवसर पैदा हों।

समाज के संतुलित एवं सौहार्द्रपूर्ण विकास की सकारात्मक सोच रखने वाले बाऊजी का राष्ट्र प्रथम-लोग प्रथम का दर्शन आज ओपी जिंदल ग्रुप की नीतियों और कार्यक्रमों की आधारशिला है। संपूर्ण ओपी जिंदल ग्रुप राष्ट्र के प्रति बाऊजी की प्रतिबद्धता का एक बड़ा उदाहरण है।

बाऊजी उम्मीद के दीपपुंज थे। जो कोई उनके पास आता, वो उनका मुरीद बन जाता था। देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी उनके लाखों प्रशंसक थे। ये उनके दिये हुए संस्कार ही हैं कि उनके चारों बेटे पृथ्वीराज जिंदल (जिंदल सॉ), सज्जन जिंदल (जेएसडब्ल्यू), रतन जिंदल (जिंदल स्टेनलेस) और नवीन जिंदल (जेएसपीएल) आज उद्योग जगत के अग्रणी सितारों में गिने जाते हैं। ये सभी एक बेहतर कल के निर्माण के प्रति समर्पित हैं। इसी कड़ी में तीसरी पीढ़ी के स्मिनू जिंदल, पार्थ जिंदल, अभ्युदय जिंदल और वेंकटेश जिंदल बाऊजी की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

बाऊजी के बारे में कहा जाता है कि जहां दूसरों ने दीवारें देखीं, वहां उन्होंने दरवाजे देखे। वे समस्या में भी समाधान देखते थे और यही वजह है कि आज करोड़ों लोग उनके दिखाये मार्ग पर चल कर सुख, शांति और समृद्धि की जोत प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। बाऊजी ने देश और लोगों की सेवा में अपना जीवन बिताया। उनका यह दर्शन ओपी जिन्दल ग्रुप का अनवरत मार्गदर्शन कर रहा है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला: भुवनेश्वर से एक गिरफ्तार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में ओडिशा से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने मंगलवार को एक और आरोपी को भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि उनका नाम सुशांत सामंत है। सीबीआई को प्रश्न पत्रों को लीक करने और वितरित करने में सुशांत की भूमिका के सबूत मिले हैं। भुवनेश्वर से गिरफ्तार होने के बाद सुशांत को पटना ले जाया गया और अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने 10 दिन की रिमांड की अर्जी दी तो कोर्ट ने 5 दिन की रिमांड मंजूर कर ली।

केंद्रपाड़ा में तीन नावें पलटीं, 16 मछुआरे लापता

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में एक दुखद घटना में तीन नावें पलटी, 16 मछुआरे लापता हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना गहरे समुद्र में हुई। नावों पर 16 मछुआरे सवार थे और वे सभी लापता हो गये हैं। गौरतलब है कि नाव में सात लोग लापता बताये गये हैं। नाव में 50 से अधिक महिलाएं, पुरुष और छोटे बच्चे सवार थे।

ओड़िशा कैबिनेट की बैठक आज कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर होगी चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बजट सत्र के क्रम में कल ओड़िशा कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक बुलायी गयी है। राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद की चौथी कैबिनेट बैठक बुधवार को होगी। लोक सेवा भवन में होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री मोहन माझी करेंगे। इसके साथ ही सरकार के 100 दिन के कामकाज पर भी चर्चा हो सकती है। दूसरी कैबिनेट बैठक में पांच प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। इनमें वेतन वृद्धि, शिक्षक भर्ती आदि प्रस्ताव शामिल हैं, जिन्हें पिछली सरकार के दौरान स्वीकार किया गया था। ओड़िशा बजट सत्र का पहला चरण समाप्त हो गया है और 20 अगस्त को फिर से शुरू होगा। ओडिशा विधानसभा सत्र में कुल 27 कार्य दिवस होंगे। विधानसभा बजट सत्र का पहला चरण समाप्त हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 20 अगस्त तक स्थगित करने की घोषणा की। दूसरे चरण का सत्र 20 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा। ओड़िशा के मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री मोहन चरण माझी ने 25 जुलाई को 2.65,000 करोड़ रुपये के आकार के साथ ओड़िशा बजट 2024-25 पेश किया। वार्षिक बजट 2023-24 का आकार 2.30,000 करोड़ रुपये था। हालांकि, वर्ष 2024-2025 का बजट लगभग 15% है और बढ़े हुए आवंटन से राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

ओड़िशा के कोणार्क मंदिर में जलभराव से दर्शनार्थी परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के कोणार्क मंदिर में भीषण जलभराव के कारण पर्यटक परेशान हैं। मंगलवार को आयी रिपोर्ट के अनुसार, पुरी में लगातार हो रही बारिश ने इस मामले में चिंता बढ़ा दी है और इस विश्व प्रसिद्ध स्थल पर आने वाले पर्यटक असंतुष्ट हैं।

सूर्य मंदिर परिसर में घुटने भर पानी में घुसकर दर्शन करने वाले लोग देखे गये। कम दबाव की बारिश के कारण कोणार्क और उसके आसपास के इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सूर्य मंदिर के दक्षिण और उत्तर कोने में बारिश का पानी जमा होने के कारण पर्यटक इस उत्कृष्ट कलाकृति को देखने से वंचित रह गये हैं। इससे पर्यटक और स्थानीय लोग असंतुष्ट हैं। कोणार्क में बारिश के पानी के जमाव को रोकने के लिए छह डीजल चालित जल पंप और दो बिजली चालित जल मोटर लगाये गये हैं। आरोप है कि मंदिर परिसर में हमेशा पानी भरा रहता है। इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग आम है।

जंगली भालू ने वन विभाग के वाहन पर हमला किया, लोग डरे

जयपुर (आजाद सिपाही)। एक जंगली भालू ने वन विभाग के वाहन पर हमला कर दिया, जबकि विभाग के कुछ अधिकारी अंदर बैठे थे। ओडिशा के कोरापुट जिले में सड़क पर बड़े भालू को उत्पात मचाते देख लोग डर गये। भयावह दृश्य एक वीडियो क्लिप में कैद हो गया, जो अब वायरल हो गया है। कोरापुट जिले के बोरीगुमा इलाके में अनुली के पास एक जंगली भालू सड़कों पर घूमता हुआ पाया गया।

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा
कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

झारसुगुड़ा में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस लीक, 1 की मौत और 5 गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। झारसुगुड़ा में एक निजी प्लांट में गैस लीक होने से एक कर्मचारी की मौत हो गयी और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। मंगलवार को मिली खबरों के मुताबिक फैक्ट्री में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस लीक हुई थी।

ओड़िशा के झारसुगुड़ा जिले में गैस रिसाव के कारण एक मजदूर बरुन प्रधान की मौत हो गयी है। उसकी उम्र करीब 38 साल है। इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। सभी को इलाज के लिए झारसुगुड़ा के एक निजी अस्पताल (नर्सिंग होम) में भर्ती कराया गया है।

मृतक वरुण कथित तौर पर केंद्रपाड़ा जिले के ब्रजराजनगर ब्लॉक के केचबालाला इलाके का रहने वाला था। रिपोर्ट के अनुसार वह कंपनी में संविदा कर्मचारी था।

हाल ही में 30 जून को ओडिशा के बोलनगीर जिले में एक कागज फैक्ट्री में भीषण आग लग गयी। खबरों के मुताबिक, लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गयी। बोलनगीर जिले के टिटिलागढ़ ब्लॉक के चोरमारा गांव में कागज की फैक्ट्री में भीषण आग लग गयी। मिली जानकारी के अनुसार, लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। गांव में एक निजी कागज की फैक्ट्री में आग लग गयी। प्राथमिक जांच में बताया गया है कि आग किसी रासायनिक पदार्थ के विस्फोट के कारण लगी। फैक्ट्री के गोदाम में आग लगने के कारण वहां कागज और विभिन्न प्रकार के केमिकल होने का पता चला और आग पर जल्दी ही काबू पा लिया गया। हालांकि, गोदाम में लगी आग के कारण कागज और विभिन्न प्रकार के केमिकल होने के कारण आग तेजी से फैली। फैक्ट्री छोटी होने के कारण वहां सुरक्षा के कोई उपाय नहीं थे।

वर्मा प्रेस प्रा० लि०
राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र•वास्तु शास्त्र•हस्त शास्त्र•अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**